Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 38
लखनऊ, सोमवार, 25 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय 10

घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करना सरकार का संवैधानिक कर्तव्य

संभल में हिंसा, तीन की मौत

मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर भड़की हिंसा

संभल में जामा मस्जिद के दूसरे सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय लोगों के विरोध के बीच गश्त करती पुलिस और सुरक्षाकर्मी।

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

मुगलकालीन जामा मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के बाद रविवार को तनाव हिंसा में बदल गया, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं, जिसके परिणामस्वरूप तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और पुलिसकर्मियों सहित 30 से अधिक लोग घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि संभल में जामा मस्जिद के दूसरे सर्वेक्षण के दौरान भीड़ ने पुलिस कर्मियों पर पत्थरों से हमला किया और वाहनों को आग लगा दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया। झड़पों में 20 से अधिक पुलिस अधिकारी और दो दर्जन से अधिक नागरिक घायल हो गए, जबकि तीन लोगों की मौत की खबर से अशांति और बढ़ गई।

पुलिस के अनुसार, हिंसा तब भड़की जब एक हजार लोगों की भीड़ मस्जिद के बाहर इकट्ठा हुई और 'एडवोकेट कमिश्नर' के नेतृत्व में एक सर्वेक्षण दल को अंदर जाने से रोका। जैसे-जैसे तनाव बढ़ा भीड़ में से कुछ लोगों ने कथित तौर पर पुलिस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। अफरातफरी के बीच दस से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा, भीड़ में कुछ उपद्रवियों ने हिंसा का सहारा लिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इसमें शामिल लोगों की पहचान की जाएगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेंसिया ने पुष्टि की कि लगभग दस लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में पथराव और वाहनों में आग लगने के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। मुरादाबाद के संभागीय आयुक्त अंजनेय कुमार सिंह ने कहा, तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधीक्षक के गनर सहित कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। अशांति के बावजूद, सुबह 7.30 बजे शुरू हुआ सर्वेक्षण योजना के अनुसार पूरा हुआ। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सर्वेक्षण दल ने अदालत के निर्देशों के अनुपालन में वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी द्वारा समर्थित साइट की विस्तृत जांच की। रिपोर्ट 29 नवंबर तक प्रस्तुत की जानी है। यह विवाद एक हिंदू समूह द्वारा दायर किए गए न्यायालय मामले से उपजा है, जिसमें दावा किया गया है कि जामा मस्जिद मूल रूप से हरिहर मंदिर था। न्यायालय के निर्देश के बाद, स्थल का सर्वेक्षण करने के लिए एक आयुक्त नियुक्त किया गया था। पिछले मंगलवार को न्यायालय द्वारा नियुक्त टीम ने वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी सहित एक प्रारंभिक सर्वेक्षण किया, जो लगभग दो घंटे तक चला। हालांकि, रविवार को दूसरे सर्वेक्षण के प्रयास ने हिंसक विरोध को जन्म दिया। न्यायालय आयुक्त से 29 नवंबर तक न्यायालय को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार और भाजपा की आलोचना करते हुए उन पर जानबूझकर हिंसा की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, 'मस्जिद का पहले ही सर्वेक्षण किया जा चुका था। बिना तैयारी के फिर से टीम भेजना अशांति भड़काने और चुनावी मुद्दों से ध्यान हटाने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था।' यादव ने आगे दावा किया कि भाजपा (शेष पृष्ठ 9)

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक। फोटोः रंजन डिमरी/ पायनियर

हंगामेदार होगा संसद का शीत सत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अडानी समूह से जुड़े ताजा विवाद की पृष्ठभूमि में सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र हंगामेदार रहने की उम्मीद है, जिसमें विपक्ष अपनी ताकत दिखाने के लिए तैयार है। हालांकि महाराष्ट्र में भाजपा के मनोबल को बढ़ाने वाले विधानसभा परिणामों, उत्तर प्रदेश के उपचुनावों और पिछले महीने हरियाणा में मिली सफलता के बाद अब इस सत्र की गति धीमी पड़ने की संभावना है।

विपक्ष ने रविवार को केंद्र से अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों पर संसद में चर्चा की अनुमति देने को कहा, जबकि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि दोनों सदनों में उठाए जाने वाले मामलों पर संबंधित अध्यक्ष की सहमति से उनकी अधिकृत समितियां निर्णय लेंगी।सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र की पूर्व संध्या पर सर्वदलीय बैठक के बाद रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने सभी दलों से लोकसभा और राज्यसभा में कामकाज का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने की अपील की है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में 30 दलों के 42 नेताओं ने भाग लिया। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, द्रमुक के तिरुचि शिवा, अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल और लोजपा (रामविलास) सांसद अरुण भारती सहित अन्य लोग शामिल हुए। सरकार ने शीतकालीन सत्र में विचार के लिए 16 विधेयक सूचीबद्ध किए हैं। लोकसभा में लंबित विधेयकों में वक्फ (संशोधन) विधेयक भी शामिल है, जिसे दोनों सदनों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा निचले सदन में अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। पैनल को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। मणिपुर अशांति सहित कई अन्य मामलों के अलावा अडानी मुद्दे पर 'प्राथमिकता' के आधार पर चर्चा कराने की कांग्रेस की मांग पर रिजिजू ने कहा कि दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समितियां लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की सहमति से संसदीय कार्य के विषयों पर फैसला लेंगी।

बैठक में इस मामले को उठाते हुए, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने अडानी मुद्दे को घोटाला करार देते हुए कहा कि सरकार को (शेष पृष्ठ 9)

सिपाही की हत्या का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गोविंदपुरी इलाके में शनिवार तड़के दिल्ली पुलिस के सिपाही किरण पाल की हत्या में शामिल मुख्य आरोपी राघव उर्फ ??रॉकी को स्थानीय पुलिस और स्पेशल सेल ने मुठभेड़ ढेर कर दिया है। पुलिस ने हत्याकांड के एक दिन बाद राघव को दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके में मार गिराया। विशेष शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शनिवार देर रात संदिग्ध की पहचान की गई और पुलिस कर्मियों ने उसे आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से स्पेशल सेल पर नजदीक से गोली चला दी। गोली किसी पुलिस कर्मी को नहीं लगी। विशेष शाखा ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी को गोली लगी और वह घायल हो गया। उसे ईएसआईसी अस्पताल, ओखला ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे एक पिस्तौल और दो कारतूस जब्त किए हैं। कांस्टेबल किरण पाल गोविंदपुरी पुलिस थाने में कार्यरत थे और रात्रि गश्त पर थे। उन्होंने शनिवार तड़के बिना हेलमेट के एक स्कूटी पर तीन सवार तीन लोगों को पूछताछ के लिए रोका था। आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कांस्टेबल पर पत्थर फेंके, लेकिन कांस्टेबल ने अपनी मोटरसाइकिल उनके वाहन के आगे अड़ा दी और उन्हें भागने नहीं दिया। इस दौरान किरण पाल ने आरोपियों की स्कूटी की चाबी भी छीन ली और वह तीनों से पूछताछ करने लगे लेकिन इसी दौरान आरोपियों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया।

भविष्य पर मंथन के लिए शिंदे फडणवीस, अजीत आएंगे दिल्ली

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

भाजपा ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता और भाजपा नेतृत्व तय करेंगे कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि शिवसेना से ताल्लुक रखने वाले मौजूदा मुख्यमंत्री (सीएम) एकनाथ शिंदे, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के भविष्य के स्वरूप पर चर्चा करने के लिए दिल्ली पहुंचेंगे, जहां समाज के सभी वर्गों ने विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन किया था और कांग्रेस को खारिज कर दिया था।

अब ध्यान भाजपा नेता फडणवीस पर केंद्रित हो गया है, जो अपनी पार्टी की शानदार जीत के निर्माता हैं, क्योंकि उन्होंने राज्य में 149 सीटों पर चुनाव लड़कर 132 सीटें हासिल कीं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी खबरें गर्म हैं भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव शिव प्रकाश और महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को देवेंद्र फडणवीस से उनके आवास पर मुलाकात की। मौजूदा राज्य विधानसभा का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो रहा है, जिससे सीएम पद के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सत्तारूढ (शेष पृष्ठ 9)

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यपाल संतोष गंगवार को अपना इस्तीफा सौंप दिया और रांची में राजभवन में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

हेमंत 28 को लेंगे झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ

प्रणव प्रत्यूष। रांची

झारखंड में इंडिया ब्लॉक विधायक दल के नेता हेमंत सोरेन ने रविवार रांची के राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की और राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए मौजूदा मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को 56 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। सोरेन के दावे को स्वीकार करते हुए राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया और नई व्यवस्था होने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करते रहने को कहा।

बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सोरेन ने घोषणा की कि इंडिया गुट ने नई सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर (शेष पृष्ठ 9)

किंग कोहली फॉर्म में, जायसवाल का यशस्वी शतक

पीटीआई। पर्थ

युवा यशस्वी जायसवाल और अनुभवी विराट कोहली के बहु प्रतीक्षित शतक से ऑस्ट्रेलिया को 534 रन का रिकॉर्ड लक्ष्य देने के बाद भारत ने मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 12 रन करके रविवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन अपना पलड़ा भारी रखा।

जसप्रीत बुमराह (एक रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (सात रन पर एक विकेट) ने 4.2 ओवर में ऑस्ट्रेलिया को तीन झटके देकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। बुमराह ने पारी के पहले ही ओवर में नाथन मैकस्वीनी (00) को पगबाधा किया जिसके बाद सिराज ने कप्तान पैट कमिंस (02) को स्लिप में कोहली के हाथों कैच कराया। बुमराह ने स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन (03) को पगबाधा किया जो दिन की आखिरी गेंद साबित हुई। दिन का खेल खत्म होने पर सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा तीन रन बनाकर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया को अब जीत के लिए 522 रन जबकि भारत को सिर्फ सात विकेट की दरकार है। जायसवाल ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा की झलक पेश करते हुए ऑस्ट्रेलिया में अपने पहले ही टेस्ट में 161 रन बनाए। दिसंबर में 23 बरस के होने जा रहे जायसवाल ने अपनी पारी के दौरान 297 गेंद का सामना करते हुए 15 चौके और तीन छक्के जड़े। उन्होंने लोकेश राहुल (77) के साथ पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 201 रन की साझेदारी की। जायसवाल के आउट होने के बाद भारतीय टीम जब संकट में घिरी तो मोर्चा 36 साल के कोहली (नाबाद 100, 143 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) ने संभाला और जुलाई 2023 के बाद अपना पहला और कुल 30वां टेस्ट शतक जड़ा। उन्होंने वाशिंगटन सुंदर (29) के साथ छठे विकेट के लिए 89 जबकि नितीश कुमार रेड्डी (नाबाद 38) के साथ सातवें विकेट की 77 रन की अटूट साझेदारी की। पिच से असमान उछाल मिल रहा है जिससे भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह और उनके साथी गेंदबाज खुश होंगे। ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड लक्ष्य मिला है। लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे (शेष पृष्ठ 9)

विज्ञान तकनीक से भागेंगे तो समय के साथ नहीं चल पाएंगे: योगी

● अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर बोले मुख्यमंत्री

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञानवान और शीलवान बनने के साथ विज्ञान-तकनीकी के अनुकूल होकर समय के प्रवाह की गति को समझना अपरिहार्य है। यदि हम समय के प्रवाह की गति को समझने में चूक गए तो समय का यह प्रवाह दुर्गति कर देगा। समय के प्रवाह की दुर्गति से बचने के लिए जरूरी है कि हम विज्ञान और तकनीकी से भागें नहीं, बल्कि इसके सापेक्ष खुद को तैयार करें। सीएम योगी रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर एक विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ट्रेनिंग एंड एजुकेशनल सेंटर फॉर हियरिंग इम्पेयर्ड (टीच) ठाणे, मुंबई के सह संस्थापक दीपेश नायर को प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार से सम्मानित किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि परिसर में आयोजित अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सूत्र वाक्य ज्ञान, शील, एकता का उल्लेख करते हुए कहा जाता ज्ञानवान बनने के लिए दुनिया में भारत से बड़ा आग्रही कोई और देश नहीं है। गीता में भी कहा गया है, 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' अर्थात ज्ञान के समान पवित्र करनेवाला, शुद्ध करनेवाला इस लोक में दूसरा कोई नहीं है। ज्ञानवान होने के लिए यहां ज्ञानवाहक ऋषि परंपरा का सम्मान रहा है।

सीएम योगी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि काल का प्रवाह किसी का इंतजार नहीं करता है। किसी की भी परवाह किए बगैर कालचक्र चलता रहता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम विज्ञान तकनीकी से भागेंगे तो समय के साथ नहीं चल पाएंगे। मुख्यमंत्री ने नब्बे के दशक में कम्प्यूटरीकरण को लेकर हुए विरोध का जिक्र करते हुए कहा कि तब कम्प्यूटरीकरण का विरोध हो रहा था और आज उससे भी आगे ई ऑफिस का दौर आ गया। पूरी दुनिया एक स्मार्टफोन में आ चुकी है। समय के साथ टेक्नोलॉजी बढ़ती गई। बिजली, टेलीफोन, टेलीविजन, हवाई जहाज, माइक्रोवेव, इंटरनेट, जीपीएस, सोशल मीडिया जैसी तकनीकी विरोध झेलकर आगे बढ़ती गई। इनमें से एक भी तकनीकी ऐसी नहीं है जो आज दैनिक जीवन का हिस्सा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति कल्याणकारी सोच का युवा विज्ञान और तकनीकी से जुड़ेगा तो स्वयं को समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाएगा। युवाओं को मंत्र दिया कि हमें तामसिक मानसिकता का शिकार नहीं बनना है लेकिन खुद की प्रासंगिकता को बनाए रखते हुए तकनीकी से जुड़कर आगे बढ़ते रहना है। सीएम ने कहा कि तकनीकी जब अच्छे लोगों के हाथ में होती है तब वह लोक और राष्ट्र कल्याण का माध्यम बनती है। पर, जब तकनीकी नकारात्मक लोगों के हाथ में जाएगी तो आतंकवाद और विध्वंसात्मक ताकतों को बढ़ावा मिलेगा। सीएम योगी ने समय की गति को भांपने और उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की सीख देते हुए कहा कि सृष्टि के आरंभिक कालखंड से ज्ञानवान शक्तियां रिजर्व होकर कदम रखती रही हैं। इसके चलते कभी दधीचि को हड्डी दान करने के लिए मजबूर होना पड़ा तो कभी अलग अलग तरीके से कीमत चुकानी पड़ी। आज कीमत चुकाने के नहीं, तकनीकी से जुड़कर कीमत लेने का समय है। उन्होंने कहा कि यदि नई प्रौद्योगिकी के अनुरूप होकर इसका सदुपयोग सीख लें तो बहुत से हाथों को नया काम मिल सकता है। यह अवश्य हो कि इसके लिए नैतिक पक्ष का सुरक्षात्मक ढांचा भी रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समय के साथ चलते हुए यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि मानवता की रक्षा के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग अच्छे हाथों में ही हो। एटमिक पॉवर का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि इसके सदुपयोग से प्रदूषण मुक्त सस्ती ऊर्जा मिल सकती है जबकि दुरुपयोग से एटम बम बनाकर विनाश के बीज बोए जा सकते हैं। सीएम ने कहा कि शुद्ध विज्ञान ऑब्जेक्टिव है जबकि मनुष्य की बुद्धि सब्जेक्टिव है। इसलिए सवाल यह है कि टेक्नोलॉजी किसके हाथ में है। सीएम योगी ने कहा कि आज के तेजी से आगे बढ़ते युग मे सबसे बड़ी चुनौती मानव को मानव बने रहने की है। ज्ञानवान और शीलवान होना होगा। सब साथ चलें, सब साथ बढ़ें के वैदिक उद्घोष को अंगीकार करना होगा। 'राष्ट्रधर्म ही सर्वोपरि' मानकर चलेंगे तो मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं को राष्ट्रधर्म सर्वोपरि का मंत्र देने के साथ इसके मार्ग में आने वाली बाधाओं से निपटने का तरीका भी बताया। राष्ट्रधर्म की चुनौतियों का सामना पारस्परिक एकता से ही ही पाएगा। कहा कि छात्र शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। युवा कल का नहीं, आज का नागरिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रधर्म के पथ पर बढ़कर ही हम आजादी के शताब्दी वर्ष तक विकसित, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा ऊर्जा सदैव परिवर्तन कारी होती है। दुनिया में जहां भी युवाओं की ऊर्जा का सम्मान हुआ, उसे सही दिशा मिली तो उसने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतिभाशाली युवा ऊर्जा उज्ज्वल भविष्य की गारंटी होती है। उन्होंने कहा कि भारत युवा ऊर्जा के मामले में दुनिया का सबसे सौभाग्यशाली देश है। यह दुनिया का सबसे युवा देश है। भारत की 56 प्रतिशत आबादी युवाओं की है। यह युवा ऊर्जा देश को नई दिशा दे रही है। मुख्यमंत्री योगी ने पौराणिक काल, श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर क्रांतिकारियों और नए दौर के उद्धरणों से युवा ऊर्जा की ताकत समझाई। कहा कि भगवान श्रीराम ने गिरिवासियों की एकता विखंडित करने तथा ज्ञान परंपरा के वाहक ऋषियों को प्रताड़ित करने वाले दुष्टों की रक्षा अपने युवाकाल में ही की। भगवान श्रीकृष्ण ने युवा रूप में ही कंस से त्रस्त मथुरा को भयमुक्त किया। दुनिया की परिनिर्वाण और अपना दीपक खुद बनो का संदेश देने वाले बुद्ध, महावीर, आदि शंकराचार्य, वीर वंदा वैरागी, सवा लाख से एक लड़ाऊं का उद्घोष करने वाले खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविंद सिंह, उनके चारों साहिबजादों अजित सिंह, जुझार सिंह, फतेह और जोरावर सिंह, हिंदवी साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी, भारत के स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप, 1857 के स्वतंत्रता समर की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई, काकोरी ट्रेन एक्शन के महानायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, दो बार आजन्म कारावास की सजा पाने वाले महान क्रांतिकारी वीर सावरकर, गर्व से कहो हम हिंदू हैं का वैश्विक उद्घोष करने वाले स्वामी विवेकानंद आदि सभी ने अपनी युवा ऊर्जा से पीढ़ियों को प्रेरित किया है। यही नहीं, दुनिया में दृष्टिबाधितों के लिपि बनाने वाले लुईस ब्रेल ने 15 वर्ष की उम्र में यह आविष्कार किया था। आइंस्टीन ने जब सापेक्षता का सिद्धांत दिया तब तब उनकी उम्र 16 वर्ष थी। गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत न्यूटन ने 23 वर्ष की उम्र में दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद युवा ऊर्जा को सही दिशा देने वाला दुनिया का सबसे बड़ा युवा संगठन और एक सशक्त प्लेटफार्म है।

प्रदेश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने में जुटी योगी सरकार

● 1,37,302 महिलाएं बन चुकी हैं 'लखपति'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं को मिशन मोड में लागू करते हुए राज्य सरकार ने ग्रामीण और शहरी महिलाओं के जीवनस्तर को सुधारने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। लखपति दीदी योजना भी इन्हीं में से एक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अगले तीन वर्षों में 28.92 लाख महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा है। अब तक 13.28 लाख सदस्यों की आय को आजीविका रजिस्टर में अपडेट भी किया जा चुका है, जिनमें से 1.37 लाख से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं। इस योजना के तहत कृषि, दुग्ध विकास, रेशम उत्पादन, और मत्स्य पालन जैसे विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर महिलाओं को कम से कम दो या अधिक आय स्त्रोतों से जोड़ा जा रहा है। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक, पॉली हाउस/नेट हाउस, रेशम उत्पादन, और मत्स्य पालन जैसे कार्यों के लिए सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इस कार्यक्रम के लिए 4,274 सामुदायिक रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षण देकर नियुक्त किया गया है। इन प्रशिक्षित रिसोर्स पर्सन द्वारा महिलाओं को सतत प्रशिक्षण और आजीविका के नए स्त्रोतों की जानकारी दी जा रही है।

योगी सरकार ने वित्तीय समावेशन के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में विशेष प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 2 लाख से अधिक महिलाएं उत्तर प्रदेश में लाभान्वित हो चुकी हैं। इसके साथ ही, महिला स्वयं सहायता समूहों को 2,510 उचित मूल्य की दुकानें आवंटित की गई हैं। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि उनके परिवारों को भी स्थिर आर्थिक सहायता मिली है।

उत्तर प्रदेश में महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत 32.71 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 60 लाख माताओं को सहायता प्रदान की गई है। ये योजनाएं महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, और आर्थिक सुरक्षा देने में कारगर साबित हो रही हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 95 लाख से अधिक महिलाओं को 8,54,266 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जोड़ा गया है। ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों के जरिए ग्रामीण महिलाओं को सामूहिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से उत्तर प्रदेश महिलाओं के सशक्तिकरण और समृद्धि की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 19.34 लाख लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई है। यह योजना न केवल महिलाओं को सशक्त बना रही है, बल्कि समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित कर रही है। योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन से उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है। प्रदेश आज महिला सशक्तिकरण का आदर्श उदाहरण बनता जा रहा है। आने वाले वर्षों में ये प्रयास न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे, बल्कि राज्य को समृद्धि और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर करेंगे।

साढ़े सात वर्ष में अधिकांश चुनावों में मिली है एनडीए को जीत

● भाजपा कार्यकर्ता के रूप में योगी ने महाराष्ट्र, हरियाणा, ओडिशा राजस्थान, मप्र, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा आदि राज्यों में भी बहाया पसीना

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ यानी जीत की गारंटी का नाम। विकास, रोजगार, सख्त कानून व्यवस्था, समृद्धि की बदौलत उत्तर प्रदेश के प्रति लोगों के मन में धारणा बदलने वाले योगी आदित्यनाथ की स्वीकार्यता अपने प्रदेश के %मन-मन% के साथ अन्य प्रदेशों के %जन-जन% में बढ़ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव, उपचुनाव, विधान परिषद उपचुनाव, नगर निकाय चुनावों में भाजपा व एनडीए को जीत दिलाई तो अन्य राज्यों में भी भाजपा कार्यकर्ता के रूप में खूब पसीना बहाया। लिहाजा पीएम मोदी के नेतृत्व में कई राज्यों में भाजपा सरकार बनी। इसमें योगी आदित्यनाथ ने भी काफी मेहनत की। कुंदरकी व कटेहरी में भी कमल खिलाकर भाजपा ने नेतृत्व को विश्वास दिला दिया कि यूपी को योगी का ही साथ पसंद है, लिहाजा जन-जन ने योगी आदित्यनाथ को जीत की गारंटी मान लिया है।

योगी की रणनीति व संवाद का ही असर रहा कि इस बार निकाय चुनाव में भी भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। इस बार यूपी की सभी 17 की 17 नगर निगमों में भारतीय जनता पार्टी के महापौर निर्वाचित हुए हैं, जबकि पिछली बार 2017 में यह आंकड़ा 16 में से 14 का था। पिछली बार यूपी में भाजपा के 596 पार्षद जीते थे, जबकि इस बार यह आंकड़ा बढ़कर 813 हो गया। शहरों में भाजपा की यह जीत योगी के विकास परक नीति पर आमजन की मुहर है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद पर 2017 में भाजपा को 60 सीटों पर जीत मिली थी। 199 सीटों में से यह आंकड़ा इस बार बढ़कर 88 पहुंच गया। पालिका परिषद सदस्यों में पिछली बार भाजपा को 923 सीट मिली थी, 2023 में यह बढ़कर 1353 हो गई। नगर पंचायतों में भी 191 सीटों में अध्यक्ष पद पर भाजपा के प्रतिनिधि काबिज हुए। 2017 में यह आंकड़ा 100 का था। योगी के नेतृत्व में 2023 में 91 सीटें और बढ़कर भाजपा की झोली में आई, वोट प्रतिशत में भी खूब इजाफा हुआ। भाजपा के नगर पंचायत सदस्यों की संख्या भी 664 से बढ़कर 1403 हो गई। वहीं नगर निगम, पंचायत व पालिका में भी सपा की साइकिल पंचर हो गई तो बसपा का हाथी भी गिर गया। निकाय चुनाव में भी सपा-बसपा का ग्राफ जबर्दस्त गिरा।

लक्ष्मण आचार्य के महामहिम राज्यपाल व बनवारी लाल दोहरे के निधन के कारण मई में विधान परिषद की दो सीटों पर उपचुनाव हुए। 403 में से 396 वोट पड़े थे, जबकि एक अवैध हो गया। सीएम योगी की कुशल रणनीति से अखिलेश की कुटिल चाल यहां भी धरी की धरी रह गई। भाजपा प्रत्याशी मानवेंद्र सिंह 280 व पद्मसेन चौधरी 279 मत पाकर परिषद पहुंचे, जबकि सपा के रामकरण निर्मल को मज 116 व रामजतन राजभर को 115 वोट से ही संतोष करना पड़ा था। जुलाई में हुए विधान परिषद उपचुनाव में भी सरकार के मुखिया के तौर पर सीएम योगी के नेतृत्व में बहोरन लाल मौर्य निर्विरोध सदन पहुंचे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में भी महायुति गठबंधन ने फिर से सत्ता हासिल की। पीएम के निर्देशन में योगी आदित्यनाथ ने यहां जनसभा कर 24 प्रत्याशियों के लिए वोट की अपील की। इनमें से 22 पर महायुति गठबंधन ने जीत हासिल की। त्रिपुरा में योगी ने दो दिन में छह रैलियां और रोड शो किया था। इन सबमें कमल खिला और पीएम मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा सरकार बनी। मई में ओडिशा में हुए चुनाव में भी योगी का जादू चला। यहां लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी योगी का आह्वान जनता तक पहुंचा। ओडिशा में नवीन पटनायक सरकार गिरी और भाजपा सरकार ने सत्ता संभाली। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में भी पीएम मोदी के मार्गदर्शन में योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ता के रूप में चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया। इन राज्यों में भी कमल खिला। विधानसभा चुनाव में योगी के जादू का ही असर है कि दोबारा सत्ता में भाजपा की वापसी हुई। योगी निरंतर सभी जनपदों में संवाद, विकास के बलबूते लोगों से मिलते रहे। इसका परिणाम विधानसभा उपचुनावों में भी दिखा। 2024 में हुए उपचुनाव हों या इसके पहले के उपचुनाव, भाजपा ने जबर्दस्त जीत हासिल की। योगी ने विकास से रामपुर की कमान संभाली तो 10 बार के विधायक आजम खां का किला भी ढह गया।

भाजपा संविधान से लेकर आरक्षण तक सबको खत्म करने पर उतारू है: अखिलेश

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को सपा मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा है कि लोकतंत्र में सच्ची जीत लोक से होती है, तंत्र से नहीं। जिस जीत के पीछे छल होता, वो दिखावटी जीत एक छलावा होती है, जो सबसे ज्यादा उसी को छलती है, जिसने छल करके जीत का नाटक रचा है। यादव ने कहा कि ऐसी जीत जीतने वालों को कमजोर करती है। नैतिक रूप से उनके जमीर को मार देती है। बिना जमीर के जीने वाले अंदर से खोखले होते हैं। ऐसे लोग सबके सामने अपने को ताकतवर दिखाने की कोशिश करते हैं लेकिन अकेले में आईने में अपना मुंह देखने से भी डरते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का हारने का डर तो उसी दिन साबित हो गया था, जिस दिन उसने पीडीए के अधिकारियों-कर्मचारियों को चुनाव से हटा दिया था। जिससे इनके अपने लोग वहां सेट किए जा सकें और धांधली की गवाही देने वाला कोई न हो। हमने तो भाजपा की बदनीयत को समझ कर तब ही विरोध किया था, लेकिन जब शासन-प्रशासन ही दुशासन बन जाए तो लोकतंत्र के चीर हरण को कौन रोक सकता है।

● चुनाव आयोग अपने दस्तावेजों में देखे कि जिनका नाम दर्ज है वो बूथ तक पहुंचे भी या नहीं:सपा मुखिया

सपा के पैरों तले जमीन खिसक चुकी है: पाठक

● सपा के नेता करते हैं दलित और ओबीसी महिलाओं के साथ अत्याचार: उपमुख्यमंत्री

संवाददाता। लखनऊ

उप्र के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भाजपा के राज्य मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में समाजवादी पार्टी और उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने उपचुनाव परिणामों के बाद रविवार को दिये गये अखिलेश यादव के बयानों पर पलटवार करते हुए सपा के शासनकाल और उसकी नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। श्री ब्रजेश पाठक ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 'सीने में जलन, आंखों में तूफान सा क्यों है, सैफई घराने में हर शख्स परेशान सा क्यों है।' सपा के पैरों तले जमीन खिसक चुकी है और अखिलेश यादव इस हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने सपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के नेता गुंडई, मवालीपन और अराजकता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कन्नौज, अयोध्या और करहल की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जब सपा के नेता दलित और ओबीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती।

उन्होंने आरोप लगाया कि सपा नेताओं का ध्यान केवल माफियागीरी, संपत्तियों पर कब्जा और महिलाओं की इज्जत-आबरू को खतरे में डालने पर रहता है। पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव झूठे वादों से जनता को भ्रमित करते हैं। इन लोगों ने लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान खतरे में है बताकर जनता को बरगलाया और महिलाओं को 8-8 हजार रुपए देने की बात कही थी। बाद में महिलाओं ने इनके कार्यालयों का घेराव भी किया, जिसे पूरे देश ने देखा। उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनता इन लोगों की असलियत जानती है और उन्हें पूरी तरह नकार चुकी है। पाठक ने कहा कि सपा भारत के संविधान की बात करती है। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमेशा सपाईयों ने ही हमला किया है, कभी न्यायपालिका पर हमला किया, तो कभी निर्वाचन आयोग पर हमला किया। इनको लोकतंत्र पर भरोसा ही नहीं है। इसी निर्वाचन आयोग ने लोकसभा का चुनाव कराया था तब ईवीएम अच्छी थी, तब निर्वाचन आयोग बहुत अच्छा काम कर रहा था, तब अधिकारियों की तारीफ करते नहीं थकते थे।

बसपा कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी: मायावती

● संभल की घटना के लिए शासन व प्रशासन जिम्मेदार

लखनऊ। बसपा प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राज्य की नौ सीट पर हुए उपचुनाव में पार्टी को करारी शिकस्त मिलने के एक दिन बाद रविवार को चुनाव में धांधली का आरोप लगाया और कहा कि अब उनकी पार्टी कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी। मायावती ने संभल में सर्वेक्षण के दौरान रविवार को हुई हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि आज वहां सर्वेक्षण के दौरान जो कुछ भी हिंसा व बवाल हुआ है, उसके लिए उत्तर प्रदेश का शासन व प्रशासन पूरी तरह जिम्मेदार है। प्रदेश में नौ सीट पर हुए उपचुनाव में बसपा के उम्मीदवार सात क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि दो सीट पर वे आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के उम्मीदवारों से भी पीछे पांचवें स्थान पर रहे। मायावती ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारी पार्टी ने यह फैसला किया है कि जब तक देश में फर्जी वोट डालने से रोकने के लिए देश के निर्वाचन आयोग द्वारा कोई सख्त कदम नहीं उठाए जाते तब तक हमारी पार्टी देश में कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा कि आम चुनाव में इस मामले में थोड़ा बचाव जरूर हो जाता है क्योंकि सरकारी मशीनरी सत्ता परिवर्तन के डर से घबराती हैं। इससे पहले मायावती ने कहा कि इस बार जो वोट पड़े और जो नतीजे आए उसको लेकर लोगों में आम चर्चा है कि पहले देश में जब बैलेट पेपर (मतपत्र) के जरिए चुनाव होते थे तो सत्ता का दुरुपयोग करके फर्जी वोट डाले जाते थे और अब तो ईवीएम के जरिए भी यह कार्य किया जा रहा है। मायावती ने दावा किया कि इतना ही नहीं, अब ए गतिविधियां आम चुनावों के बजाय, खासकर उपचुनावों के दौरान और भी खुलेआम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में यह देखा। महाराष्ट्र में चुनावों को लेकर भी इसी तरह की चिंताएं जताई गई हैं। यह हमारे देश में लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चेतावनी है। मायावती ने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए हमारी पार्टी ने फैसला किया है कि जब तक भारत का निर्वाचन आयोग फर्जी मतदान को रोकने के लिए सख्त कदम नहीं उठाता, तब तक हम देशभर में, खासकर उत्तर प्रदेश में किसी भी उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। मैं यहां विशेष रूप से उपचुनावों का जिक्र कर रही है। बसपा प्रमुख मायावती ने कांग्रेस और भाजपा आदि पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस, भाजपा और इनकी समर्थक सभी जातिवादी पार्टियां खासकर 2007 में बसपा की उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद से बसपा को केंद्र की सत्ता में आने से रोकने के लिए तरह-तरह के षड्यंत्र करती रही हैं। इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2007 में जब बसपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई तो कांग्रेस, भाजपा और इनकी समर्थक पार्टियां यह सोचकर घबरा गईं कि यदि बसपा केंद्र की सत्ता में आ गई तो फिर बाबा साहब आंबेडकर और कांशीराम का अधूरा रहा सपना जरूर साकार हो जाएगा।

योगी सरकार के निर्देशन में सभी नगर निगम कर रहे स्वच्छता कार्य

● पीएम मोदी ने 'मन की बात' एपिसोड में लखनऊ-कानपुर की चर्चा की

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 116वें एपिसोड में उत्तर प्रदेश के कानपुर व लखनऊ की चर्चा की। यहां के युवाओं की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने इनके कार्यों को प्रेरक बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साफ-सफाई को लेकर कानपुर में अच्छी पहल हो रही है। यहां मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले लोग गंगा घाट के किनारे फैले प्लास्टिक व अन्य कचरों को उठा लेते हैं। यह समूह कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप के नाम से कार्य करता है। इस मुहिम की शुरुआत भी कुछ युवाओं ने की थी। इस ग्रुप के लोग कचरे से बने ट्री गार्ड से पौधों की भी सुरक्षा करते हैं। गौरतलब है कि योगी सरकार के निर्देशन में सभी नगर निगम भी स्वच्छता के अनेक कार्य कर रहे हैं। कानपुर में भी इस संस्था का नगर निगम से एमओयू है। कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संजीवनी शर्मा हैं। पेशे से दंत चिकित्सक डॉ. संजीवनी ने बताया कि छह मार्च 2021 (शनिवार) से सफाई का यह अभियान प्रारंभ किया गया था। इसके बाद 183 सप्ताह से गंगा घाट पर हर रविवार साफ-सफाई की जाती है। कोरोना काल के दौरान ही इसे रोका गया था। आमजन को इससे जोड़ने के लिए वॉट्सऐप ग्रुप बनाया गया है। साथ ही सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। वॉट्सऐप ग्रुप में 850 लोग हैं। इनके पास एक बार में मैसेज चला जाता है कि किस रविवार को कहां पर सफाई होगी। सूचना पर 40 से लेकर 200 लोग एकत्र हो जाते हैं। इससे गंगा तट की सफाई होती है। शर्मा के मुताबिक इस कार्य के पीछे भावना थी कि दूसरों का कचरा उठाने वाले कभी भी खुद कचरा नहीं कर सकते।

कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप की सचिव पूजा श्रीवास्तव व उपाध्यक्ष अभिषेक पुरवार हैं। दोनों ने बताया कि 65 वर्ष के सीनियर सिटीजन से लेकर सात वर्ष के बच्चे भी इस मुहिम में शामिल हैं। यह सभी लोग मिलकर नियमित साफ-सफाई करते हैं। इसमें सबसे वरिष्ठ 65 वर्ष के अधिवक्ता अनूप द्विवेदी हैं तो सात वर्ष के विराज भी साफ-सफाई में बड़ों का हाथ बंटाते हैं। इस मुहिम में अब स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासन, नगर निगम के साथ-साथ हर छोटे-बड़े आयुवर्ग के साथ समाज के हर तबके के लोग भी जुड़ रहे हैं।

कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप के इस कार्यों की चहुँओर सराहना हो रही है। डॉ. संजीवनी शर्मा ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स अकाउंट (तत्कालीन ट्विटर) पर 2021 में ट्वीट कर बताया था कि आज मैंने सैर के साथ प्लॉगिंग भी की। पीएम केरल के बीच पर जॉगिंग भी कर रहे थे और कचरा भी उठा रहे थे। यह शब्द और भावना तभी से मेरे भीतर आई। संजीवनी ने बताया कि तभी मैंने सोचा कि यह कार्य मैं क्यों नहीं कर सकती। फिर इस कार्य को शुरू किया, इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए आमजन को जोड़ा। इसमें नगर निगम कानपुर ने भी काफी सहयोग किया। डॉ. शर्मा ने बताया कि कानपुर में रनिया में प्लास्टिक रिसाइकिलिंग की फैक्ट्री है। हमारी संस्था से जुड़े सैकड़ों सदस्य व वॉलंटियर्स पिछले तीन वर्ष से यहां प्लास्टिक देते हैं। गंगा बैराज पर मैगी पॉइंट्स के दुकानदार भी मैगी के पैकेट हमें उपलब्ध कराते हैं। इसे भी रिसाइकिल के लिए फैक्ट्री में दे दिया जाता है। इनके मुताबिक 3750 प्लास्टिक पैकेट को गलाकर कचरे से एक ट्री गार्ड बनाया जाता है यानी कचरा करने वाला प्लास्टिक अब पेड़ की भी रक्षा कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने लखनऊ के वीरेंद्र की भी तारीफ की

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में लखनऊ के वीरेंद्र की भी तारीफ की। पीएम ने कहा कि कई ऐसे युवा हैं, जो नि:स्वार्थ भाव से समाज के लिए कार्य कर रहे हैं। इनमें से उत्तर प्रदेश के लखनऊ के वीरेंद्र भी हैं, जो डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट के काम में बुजुर्गों की मदद करते हैं। नियमत: सभी पेंशनर्स को साल में एक बार लाइफ सर्टिफिकेट जमा कराना होता है। 2014 तक इसकी प्रक्रिया यह थी कि बैंकों में जाकर बुजुर्ग को यह प्रमाण पत्र जमा करना पड़ता था। इससे काफी असुविधा होती थी, परंतु अब यह व्यवस्था बदल चुकी है। अब डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट देने से चींजें बहुत ही सरल हो गई हैं । बुजुर्गों को बैंक नहीं जाना पड़ता। टेक्नोलॉजी की वजह से बुजुर्गों को कोई दिक्कत न हो, इसमें वीरेंद्र जैसे युवा बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। इसके बारे में वे अपने क्षेत्र के बुजुर्गों को जागरूक करते रहते हैं। वे वृद्धजनों को टेक सेवी बना रहे हैं। ऐसे ही प्रयासों से आज डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट पाने वालों की संख्या 80 लाख के पार हो गई है। इनमें से दो लाख से ज्यादा बुजुर्ग ऐसे हैं, जिनकी आयु 80 वर्ष से ज्यादा है।

भाजपा लखनऊ महानगर के 2203 बूथों पर आयोजित हुआ मन की बात कार्यक्रम

लखनऊ। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने आज कैंट विधानसभा के रामजीलाल सरदार पटेल नगर वार्ड स्थित बूथ संख्या 111 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सर्वाधिक लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम क्षेत्र वासियों और कार्यकर्ताओं के साथ सुना। विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने आचार्य नरेंद्र देव वार्ड की बूथ संख्या 238 पर , महापौर सुषमा खर्कवाल ने कैंप कार्यालय पर पार्षदों के साथ, फैजुल्लागंज वार्ड स्थित बूथ संख्या 263 पर उत्तर विधायक डॉ नीरज बोरा, मौलवीगंज वार्ड स्थित बूथ संख्या 140 पर मध्य उपविजेता रजनीश गुप्ता, शीतलादेवी वार्ड स्थित बूथ 338 पर पश्चिम उपविजेता अंजनी श्रीवास्तव सहित 2203 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम सुना गया जिसमें क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम सुनने के बाद महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि इस संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नवाचार और युवा शक्ति की असीमित संभावनाओं पर विशेष बल दिया। उन्होंने जन-भागीदारी से राष्ट्र निर्माण का आह्वान किया एवं स्वावलंबन की महत्ता पर प्रकाश डाला। निश्चित ही यह कार्यक्रम देशवासियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्त्रोत बना रहेगा और समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण में अपना सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करता रहेगा। कैंट स्थित कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मनोज लोधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनायक पांडेय, सचिन वैश्य ,पार्षद गिरीश मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पशुधन मंत्री ने बीकेटी गौआश्रय का किया निरीक्षण

● गो संरक्षण कार्यों में लापरवाही नहीं बरती जाएः धर्मपाल सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने रविवार को बख्शी का तालाब स्थित अस्थायी गौआश्रय स्थल किशुनपुर तथा उसराना का स्थलीय निरीक्षण किया। किशुनपुर में 178 गौवंश एवं उसराना में 212 गौवंश संरक्षित पाये गये। पशुधन मंत्री ने गौशाला का गहन निरीक्षण करते हुए वहां गोवंश हेतु चारा, भूसा, चिकित्सा, औषधियॉ, प्रकाश एवं सुरक्षा आदि व्यवस्थायें देखी। गौआश्रय स्थल में संरक्षित गौवंशों को पुआल एवं भूसा के साथ पशु आहार खिलाया जा रहा था। मंत्री जी ने निरीक्षण में गौशालाओं के और अधिक बेहतर प्रबंधन और सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

पशुधन मंत्री ने कुछ गौवंशों का स्वास्थ्य ठीक न दिखने पर गौवंशों को हरा चारा व पशु आहार समुचित मात्रा में खिलाये जाने हेतु निर्देशित किया । उन्होने पशुओं को ठण्ड से बचाव हेतु त्रिपाल आदि की व्यवस्था तथा ठण्ड में पशुओं को पीने हेतु ताजे पानी की व्यवस्था किये जाने हेतु भी निर्देश दिये। श्री सिंह द्वारा गौआश्रय स्थल में एक अतिरिक्त टीन शेड बनवाये हेतु डी0सी0 मनरेगा को निर्देशित किया गया एवं गौचर भूमि को कब्जा मुक्त कराये जाने हेतु उप जिलाधिकारी, बी0के0टी, लखनऊ को भी निर्देशित किया गया। उन्होंने गौसंरक्षण केन्द्र में गोवंश के स्वास्थ्य पर और ध्यान दिये जाने तथा हरे चारे की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

पशुधन मंत्री ने गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने पर बल देते हुए निर्देशित किया कि गौशाला के स्वावलम्बन हेतु गौ जनित पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। मंत्री जी ने गौशाला की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि गौशाला में गायों के लिए निरन्तर हरा चारा, भूसा एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और गोवंश के संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

पशुधन मंत्री ने गोआश्रय स्थल पर गोवंश को केला, चना एवं गुण खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। पशुधन मंत्री ने प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य गौ आश्रय स्थलों के माध्यम से गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ ही गौजनित पदार्थों के माध्यम से गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न करना है। राज्य सरकार द्वारा कृषकों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। निरीक्षण के समय मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ पशु चिकित्साधिकारी, इटौजा, एव ग्राम विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार कराएगी छात्रों की शैक्षिक क्षमता का मूल्यांकन

● 4 दिसंबर को परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 का आयोजन कर होगा आंकलन

लखनऊ। योगी सरकार ने अब शिक्षा गुणवत्ता मापने की दिशा में एक अहम कदम उठाने का निर्णय लिया है। योगी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को समझने और उसमें नीतिगत सुधारों के लिए आधार तैयार करने के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और एनसीईआरटी के सहयोग से 4 दिसंबर को परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 का आयोजन कराने जा रही है। उप्र में 9,715 चयनित विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में सरकारी, सहायता प्राप्त निजी विद्यालय, मदरसे और अन्य बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालय शामिल हैं। सर्वेक्षण देशभर में शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित किया जाएगा। सर्वेक्षण प्रा., उच्च प्रा. और माध्यमिक स्तर पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का आकलन करने के लिए किया जा जाएगा। कक्षा 3, 6 और 9 के छात्रों की उपलब्धियों को आंका जाएगा, जो सैंपल्ड विद्यालयों में किया जाना है।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के सम्बन्ध में जनपद स्तरीय समन्वयक, डायट प्राचार्य एवं जिला विद्यालय निरीक्षक के दायित्व निर्धारित किये गये हैं। इनमें जनपद स्तरीय समन्वयक द्वारा सर्वेक्षण का क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण सम्बन्धी समस्त दायित्वों का निर्वहन किया जाना शामिल है।

इंवेस्टिगेटर के दायित्व हैं सुनिश्चित

फील्ड इंवेस्टिगेटर के दायित्व भी निश्चित हैं। असेंबली से पहले स्कूल पहुँच कर ये सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाचार्य मिलेंगे और परख गाइडलाइन के अनुसार सर्वेक्षण सम्बन्धी गतिविधियाँ आरम्भ करेंगे। अचीवमेन्ट टेस्ट पैकेट सीलबंद है और सील टूटी हुई नहीं है। सेक्शन और छात्रों की आवश्यकता अनुसार सैंपलिंग करेंगे और कन्ट्रोल शीट भरना भी इनकी जिम्मेदारी होगी। एससीईआरटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक पावन सचान ने बताया कि गाजियाबाद, शामली, अमेठी, सम्भल और कासगंज में डायट नहीं हैं। इस वजह से इन जिलों हेतु संदर्भित सर्वेक्षण से सम्बन्धित समस्त कार्य क्रमशः प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हापुड़, मुजफ्फरनगर, सुल्तानपुर, मुरादाबाद तथा एटा द्वारा सुनिश्चित कराये जायेंगे।

बच्चों की समझ और प्रदर्शन का होगा आकलनः संदीप सिंह

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश के कक्षा 3, 6 और 9 के छात्रों की भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में समझ और प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। इससे न केवल छात्रों की वास्तविक शैक्षिक क्षमता का मूल्यांकन हो सकेगा बल्कि शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में ठोस कदम भी उठाये जा सकेंगे।

प्रधान संघ अध्यक्ष के गांव में मोबाइल नेटवर्क की समस्या बनी मुसीबत, फोन शोपीस

मोहनलालगंज। प्रधान संघ अध्यक्ष के गांव गनियार में ही नेटवर्क की समस्या सैकड़ों मोबाइल फोन धारकों के लिए मुसीबत बनी हुई है। घर पहुंचते ही लोगों के मोबाइल शो पीस बन जाते हैं। कमोवेश यही हाल आसपास के गांवों का भी है। जिसे लेकर प्रधान संघ अध्यक्ष ने पीएमओ में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। मोहनलालगंज के गनियार और आसपास के कई गांव में मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या है। बीएसएनएल ही नही अधिकांश निजी कंपनियों का मोबाइल नेटवर्क भी बेहद खराब रहता है। गनियार निवासी प्रधान संघ अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया घर पहुंचते ही मोबाइल काम करना बंद कर देते हैं। किसी से बात करने के लिए गांव से दूर जाना पड़ता है। मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री देवेश सिंह ने बताया हर माह सैकड़ों रुपए का रिचार्ज कराने के बाद भी निजी कंपनियां बेहतर नेटवर्क तक की सुविधा नही दे पा रही हैं। अधिवक्ता विकास सिंह ने बताया 5 जी के जमाने में हमारे गांव के लोगों को ठीक तरह से 3 जी मोबाइल नेटवर्क भी नही मिल पा रहा है। अंकित सिंह ने बताया घर पहुंचने के बाद रिश्तेदारों और मित्रों से बात करना मुश्किल हो जाता है।

व्यापार मण्डल अध्यक्ष ने दो सड़कों का लोकार्पण कर स्थानीय लोगों को दी सौगात

मोहनलालगंज। नगर पंचायत की ओर से शनिवार को दो सड़कों का लोकार्पण कर स्थानीय लोगों को बेहतर आवागमन की सौगात दी गई। इस दौरान लोगों ने क्षेत्रीय सभासद और नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि का जोरदार स्वागत कर आभार जताया। मोहनलालगंज नगर पंचायत में नई जेल रोड पर शनिवार को व्यापार मंडल अध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय पाण्डेय ने स्थानीय सभासद प्रतिनिधि अवनीश कुमार और वरिष्ठ अधिवक्ता वेद प्रकाश त्रिपाठी के साथ देवकली इण्टर कॉलेज तक बनाई गई सीसी रोड और नाली मरम्मत कार्य का लोकार्पण कर मोहल्ले के लोगों को सुगम आवागमन की सौगात दी।

कामकाजी महिलाओ को जल्द मिलेगा हास्टल जमीन चिन्हित कर सूची भेजा शासन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इन छह गांवों की जमीन चिन्हित करायी कुछ नगर निगम के अधिकार में हैं

डीएम ने बक्शी का तालाब के तिवारीपुर में बंजर व उसरए सरोजनीनगर के कल्ली पश्चिम तथा अमौसी में ऊसर व नवीन पर्ती की जमीन चिन्हित की है। इसके अलावा मोहनलालगंज के सिठौली कला में ऊसर तथा सदर तहसील के मेहौरा में बंजर तथा अमराई गांव में नवीन पर्ती की जमीन चिन्हित कराई है। इसकी सूची प्रमुख सचिव को भेज दी है।

एलडीए से उसके खाली फ्लैट को भी हास्टल के लिए मांगा गया

प्रमुख सचिव महिला कल्याण ने एलडीए से उसके रिक्त फ्लैटों को भी महिलाओं के हास्टल के लिए मांगा है। उन्होंने डीएम से इसके लिए प्रयास करने को कहा था। डीएम ने इस मामले में एलडीए को पत्र लिखा है। प्राधिकरण से उसके रिक्त फ्लैटों को कामकाजी महिलाओं के हास्टल के लिए देने को कहा है। अभी तक एलडीए ने मामले में कोई जवाब नहीं दिया है।

शहर की कामकाजी महिलाओं के लिए हास्टल के निर्माण के लिए जिलाधिकारी द्वारा जमीन चिन्हित कर ली गयी है। जिसकी सूची जिलाधिकारी द्वारा प्रमुख सचिव महिला कल्याण विभाग को भेज दी गयी है। पहले चरण में कुल आठ हास्टल बनाए जाने हैं, जिसकी तैयारी की जा रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं के हास्टल निर्माण के लिए डीएम ने छह जगह जमीन चिन्हित करा दी है। जमीनों की सूची भी जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने प्रमुख सचिव महिला कल्याण विभाग को भेज दी है। इससे अब राजधानी में हास्टल के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। महिला कामगार शक्ति को बढ़ाने के लिए प्रदेश के कई शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में हास्टल बनाए जाने हैं। शासन ने इस सम्बंध में सात अक्तूबर को आदेश जारी किया था। लखनऊ व नोएडा में चार चार हास्टल बनाने का फैसला हुआ था। पहले चरण में कुल आठ हास्टल बनाए जाने हैं। पांच पांच सौ क्षमता के चार हास्टल लखनऊ में बनाए जाने हैं। इसके लिए प्रमुख सचिव महिला कल्याण ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर जमीन उपलब्ध कराने को कहा था। डीएम सूर्यपाल गंगवार ने छह जगहों पर जमीन चिन्हित करा दी है। इसकी सूची भी प्रमुख सचिव महिला कल्याण को भेज दी है। इन जमीनों पर हास्टल का निर्माण कराया जा सकता है।

पूरनपुर सबस्टेशन की दो ट्रॉली खराब हजारों उपभोक्ता झेल रहे परेशानी

मोहनलालगंज। पूरनपुर सबस्टेशन में फीडर की दो ट्रॉली पिछले कई दिन से खराब हैं। लेकिन अधिकारी अब तक उनकी मरम्मत नही करा सके हैं। लिहाजा उपभोक्ताओं को बिजली संकट खेलना पड़ रहा है। शनिवार की सुबह इसी वजह से डेढ़ दर्जन गांव के उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति बाधित रही। लोग बूंद बूंद पानी के लिए तरस गए। मोहनलालगंज के पूरनपुर सबस्टेशन में दहियर और एक अन्य रिजर्व फीडर की ट्रॉली में तकरीबन चार दिन पूर्व खराबी आ गई। अधिकारियों ने दहियर फीडर की विद्युत आपूर्ति कालूबीरन खेड़ा से जुड़वा दी। लेकिन ट्रॉली की मरम्मत अब तक नही कराई। शनिवार की सुबह तड़के सरथुआ के निकट 11 केवी लाइन का तार टूटने से एक बेजुबान की मौत हो गई। विद्युत कर्मियों की टीम कड़ी मशक्कत से ढाई घण्टे बाद आपूर्ति सामान्य कर सकी। हालांकि तब तक हजारों उपभोक्ताओं के परिवार बूंद बूंद पानी के लिए परेशान रही। जबकि शाम को भी बिजली की आवाजाही बनी रही।

अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सबके लिए प्रेरणादाईः आलोक कुमार

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्रीमान आलोक कुमार ने रविवार को सीएमएस विद्यालय गोमतीनगर में दीप प्रज्ज्वलित कर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह का उदघाटन किया। इस अवसर पर सह सरकार्यवाह आलोक कुमार,लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के वंशज उदय राजे होलकर व डा. माला ठाकुर ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर लगी प्रदर्शनी का भी उदघाटन किया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों ने समरसता पाथेय और अहिल्याबाई होलकर पुस्तक का भी विमोचन किया। अहिल्याबाई होल्कर पुस्तक गरिमा मिश्रा ने लिखी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह आलोक कुमार ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन सबके लिए प्रेरणादाई है। उनका पराक्रम अद्भुत था। वह कुशल रणनीतिकार, पराक्रमशीलता व युद्ध कला में प्रवीण थी। सह सरकार्यवाह ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर सती प्रथा की विरोधी थी। वह त्याग की प्रतिमूर्ति थी। उन्होंने साड़ी का उद्योग महेश्वर में शुरू कराया। युद्ध में जो सैनिक बलिदान हो जाते थे उनकी विधवा महिलाओं के लिए रोजगार का सृजन किया। उन्होंने सिंचाई के संसाधन विकसित किया और उपज बढ़ाने के लिए काम किया। अहिल्याबाई होल्कर ने राजस्थान से पत्थर काटकर मंदिर बनाने वालों को लाकर बसाया और उनको भूमि दी। उनका चरित्र विशिष्ट था और दूरदर्शी सोच वाली महिला थी। उस समय युद्ध के दौरान बलिदान हो जाने वाले सैनिक के आश्रितों को एक मुफ्त राशि देने और पेंशन की योजना शुरू की पेंशन देने की योजना शुरू की ।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति की राष्ट्रीय सचिव डा. माला ठाकुर ने कहा कि आज जब समाज को कुछ लोग जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बाटने का काम कर रहे है। वहीं उस काल खंड में लोकमाता अहिल्याबाई न सिर्फ समाज की दशा और दिशा निर्धारण का काम कर रही थी बल्कि वह सामाजिक समर्थन का उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही थी। लोक माता जब भोजन करती थी तो वह समाज के सभी वर्ग के लोगों के साथ बैठकर एक साथ एक पंक्ति में भोजन करती थी। उनके समय किसी के साथ कभी जाती के आधार पर भेदभाव नहीं हुआ। इससे बड़ा सामाजिक समरसता का कोई उदहारण नहीं मिलता। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूज्य लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के वंशज उदय राजे होलकर ने कहा कि उनके जीवन मे समरसता का भाव था। अहिल्याबाई ने महेश्वर राज्य की सीमा को लाघते हुए पूरे देश मे उन्होने काम किया। समिति के माध्यम से अहिल्याबाई के जीवन को जन—जन तक पहुंचाने का महान कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। समारोह समिति अवध प्रान्त के संरक्षक व बावन मंदिर अयोध्या के महंत बैदेही बल्लभ शरण महाराज ने कहा कि समिति अवध प्रान्त के सभी जिलों में वर्षभर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। उन्होंने बताया कि साधु संतों व धर्माचार्यों के बीच अयोध्या व नैमिषारण्य में बड़े कार्यक्रमों की योजना बनी है। इसके अलावा घाटों की सफाई,सेवा बस्ती में कार्यक्रम, किसानों के बीच कार्यक्रम, प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठी व विश्वविद्यालयों में संगोष्ठी होगी। इसके अलावा महिलाओं व युवाओं को केन्द्रित कर कार्यक्रम किये जायेंगे। कार्यक्रम में 300 से अधिक बहनें अहिल्याबाई की वेषभूषा में थी। इनके बैठने के लिए मंच के सामने स्थान दिया गया था। इन सभी बहनों का स्वागत समिति की ओर किया गया। कार्यक्रम में अहिल्याबाई के जीवन पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गयी।

एसोसिएसन ऑफ फिजीशियन ऑफ इंडिया लखनऊ ब्रांच का सम्मेलन आयोजित

लखनऊ। एसो. ऑफ फिजीशियन ऑफ इंडिया (ए. पी. आई.) के द्वारा लखनऊ ब्रांच के द्वारा एक पूर्ण दिवस का सम्मेलन रविवार को आयोजित किया गया. इस सम्मेलन को लखनऊ एवं आस पास के शहरों के चिकित्सक सदस्यों व चिकित्सक स्नातकोतरों के लाभ के लिए आयोजित किया गया ढ इस सम्मेलन में 350 सदस्यों से भी ज्यादा लखनऊ, कानपुर, रायबरेली, सीतापुर, सुतानपुर, अयोध्या, गोरखपुर व फतेहपुर के विख्यात चिकित्सको ने भाग किया ढ इस सम्मेलन में आज की ज्वलंत स्वास्थ समस्यायों पर देश के जाने माने विशेषज्ञों ने अपने व्यायाखान दिए, 4 विषयो पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसका संचालन डॉ. निशांत कनोजिया (हिन्द मेडिकल कॉलेज) डॉ. अक्षय प्रधान (लारी कार्डिओ लाजी), डॉक्टर के. पी. चंद्रा , डॉ. निखिल गुप्ता, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉक्टर अरुण पाण्डे के द्वारा किया गया . यह कार्यशाला आज के महत्वपूर्ण विषयों (1) एम्ब्रयुलेतरी बी पी का मापन (2) आक्सीजन थीरेपी (3) निरंतर ग्लूकोज मापन (सी जी एम) (4) स्वचालित वाहय डीफ्रिब्री लेटर विधि पर आधारित थी डॉ. मंगेश तिवास्कर ने अपने व्याख्यान में हाइपोग्लाईसीमिया (कम शर्करा का होना) विशेषकर उन मरीजो में जिसमे शुगर की बीमारी न हो के महत्व एवं इलाज के विषय मे विशेष जानकारी दी ढ साथ ही डॉक्टर अगम वोहरा ने वयस्कों में टीकाकरण के दिशा निर्देशों को 2024 के केन्द्रीय विचारो को साझा किया। डॉ. नकुल सिन्हा (पूर्व एस. जी. पी. जी. आई.) द्वारा प्रतिरोधी रक्तचाप (रेजिस्टेंट हाइपरटेंसन) पर विस्तार से व्याख्यान दिया और डॉक्टर आदित्य कपूर (एसजीपीजीआइ) के द्वारा अनियमित एवं कमतर ह्रदयगति के निदान व उपचार के सूत्र बताये गए. डॉ. ए.के. त्रिपाठी (हीमेतो आंकोलाजिस्ट) ने अपने व्याख्यान मे ब्लड कैंसर (सीएमएल) के उपचार के बारे में बताया।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने डीपीएस मतदान केंद्र का किया निरीक्षण

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार के मतदान केंद्र डीपीएस में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण केदौरान अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा महेश प्रसाद हा. से. स्कूल के बूथ गए। मतदान केन्द्र डीपीएस सेक्टर.4 गोमती नगर विस्तार में बूथ संख्या.423 के बीएलओ अनुपस्थित पाये गये। आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक नामावलियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा लखनऊ में विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 169.बक्शी का तालाब के मतदान केन्द्र डीपीएस, सेक्टर.4 गोमती नगर विस्तार के बूथ संख्या.418, 419, 420, 421, 422 व 423 प्रा.वि. मकदूमपुर के बूथ संख्या.415, 416 एवं 417 महेश प्रसाद हा. से. स्कूल के बूथ संख्या.409, 410, 411, 412, 413 व 414 एवं प्रा.वि. खरगापुर के बूथ संख्या.404, 405 व 406 का निरीक्षण किया गया है।

सेंट पॉल कॉलेज का वार्षिक समारोह आयोजित

लखनऊ। सेंट पॉल कॉलेज लखनऊ का भव्य वार्षिक समारोह का आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंधक एवं लखनऊ के कैथोलिक डायोसिस के विकार जनरल रेवरेंड फादर डेनिस नरेश लोबो उपस्थित थे। अभिभावकों एवं शहर के अन्य गण मान्य लोगों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रारंभ प्रार्थना के स्वागत नृत्य से हुआ फिर विद्यालय के नन्हे मुन्नों ने अपने सुंदर गोवा के नृत्य और वेशभूषा से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में 'मैडम एयर वांट्स ए चेंज' प्रदूषण की रोकथाम पर आधारित संदेशपूर्ण नाटिका, सुंदर भांगड़ा नृत्य, नशा उन्मूलन पर बना माइम शो, 'गिफ्ट ऑफ मैजाय' अंग्रेजी नाटक और जीवन के नौ रसों पर आधारित आकर्षक नृत्य तथा क्वायर के हिंदी, अंग्रेजी संगीतों ने संध्या को मधुर बना दिया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति हिंदी हास्य नाटिका 'एक अनार सौ बीमार' ने ना केवल दर्शकों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर दिया वरन् शिक्षा की महत्ता का संदेश भी दिया। अध्यापिका सपना केसरवानी की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उन्हें सम्मानित भी किया गया। वार्षिक उत्सव का समापन मुख्य अतिथि के संदेश भाषण से पूर्ण हुआ।

नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन 26 को

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जन समस्या के सफल समाधान के लिए नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन माह के अंतिम मंगलवार को किया जाएगा। मंडलायुक्त द्वारा स्मार्ट सिटी ऑफिस लालबाग के सभाकक्ष में नागरिक सुविधा दिवस में नगर निगम, एलडीए, पीडब्लूडी, बिजली सहित अन्य स्मयाओं को जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, एलडीए वीसी के समक्ष सुनवाई की जाएगी। वहीं, मंडलायुक्त द्वारा अधिकारियों को तय समय में लोगों की समस्याओं को समाधान करने के लिए कहा गया है। मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा है कि लखनऊ महानगर के रहने वाले सामान्य जनों को दिन.प्रतिदिन जीवन से जुड़ी समस्याओं और बिजली, पानी, सड़क, भवन निर्माण, जल निकासी, यातायात, परिवहन एवं प्रदूषण आदि का सामना करना पड़ता है। एक से अधिक संस्थाओं के द्वारा कार्य किये जाने की स्थिति में कार्य के प्रति जबावदेही भी स्पष्ट रूप से तय करने में समस्या होती है।

आवश्यकता के अनुसार युवाओं को तैयार करना जरूरी: राजेश्वर सिंह

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के बरातीखेड़ा स्थित गहरू चौराहा के निकट प्रखर समाजसेवी स्वर्गीय बराती लाल लोधी की स्मृति में नव युग निर्माण प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सम्मिलित होकर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया। विधायक राजेश्वर सिंह द्वारा बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक पाने वाले 5 मेधावी बच्चों वर्षा सिंह (96.6 प्रतिशत), रतन शुक्ला (96.6 प्रतिशत), संस्कृति राय (94.5 प्रतिशत), शौर्य प्रताप सिंह (93 प्रतिशत), और वेदान्त वर्मा (91.5 प्रतिशत) को टैबलेट देकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विधायक ने कार्यक्रम के आयोजक श्री राजेंद्र सिंह लोधी को बधाई देते हुए कहा मेधावी बच्चों को सम्मानित करना और युवाओं को प्रोत्साहित करना सबसे पुण्य कार्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने डिजिटल शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, आज का युग परिवर्तन का युग है। वर्ष 2030 तक 80ब नौकरियाँ नई विधाओं पर आधारित होंगी। इन बदलती जरूरतों के अनुसार युवाओं को तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास ही इन चुनौतियों का समाधान बनेंगे। उन्होंने बताया कि सरोजनीनगर में पिछले दो वर्षों में 1,000 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, टैबलेट, साइकिल, घड़ी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। विधायक नें अपने संबोधन में आगे बताया कि सरोजनीनगर में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास, और रोजगार उन्मुख योजनाएँ निरंतर संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य युवाओं को हर चुनौती का सामना करने के लिए सक्षम बनाना और उनके सपनों को साकार करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

कल्ली पूरब में आयोजित हुआ 97वां प्रतिशत आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर

लखनऊ। किसी भी विधानसभा क्षेत्र की प्रगति का प्रमाण वहां रहने वाली जनता की संतुष्टि और खुशहाली है, जिसके लिए सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह निरंतर प्रयासरत रहते हैं। अनेको विकास कार्यों का आयोजन उनके द्वारा निरंतर किया जा रहा है जिसमें से एक है 'आपका विधायक आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर, जो क्षेत्रवासियों की समस्याओं के निदान करने और सरोजनीनगर को एक खुशहाल विधानसभा क्षेत्र बनाने हेतु डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा नियमित तौर पर बिगत 97 सप्ताह से आयोजित किया जा रहा है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा मां तारा सिंह जी की स्मृति में 97वें आपका विधायक- आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन रविवार को ग्राम पंचायत कल्ली पूरब, मजरा ठाकुर खेड़ा में किया गया। शिविर के दौरान ग्रामवासियों ने स्ट्रीट लाइट सम्बंधित -11, विधवा पेंशन-वृद्धा पेंशन के 5-5 आवेदन और साइकिल के 9 आवेदन समेत 40 समस्याओं/सुझावों से अवगत कराया।

स्थापना दिवस को लेकर कुलपति ने की समीक्षा, वार्षिक कलेण्डर जारी

लखनऊ। 104वें स्थापना दिवस को लेकर विवि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हरि कृष्ण अवस्थी सभागार में स्थापना दिवस समारोह की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी आधिकारिक लोगों से वार्ता की और कल होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मानित होने वाले 6 पूर्व छात्रों के कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद कुलपति ने लखनऊ विश्वविद्यालय का 2025 का वार्षिक वाल कैलेंडर और टेबल कैलेंडर भी जारी किया।

उधर, रविवार को विश्वविद्यालय की विधि संकाय की ए.डी.आर. ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी, रेडिएंट कॉलेज ऑफ लॉ एवं जूरिस लॉ कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटर कॉलेजिएट नेगोशिएशन प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण विधि संकाय के जूरिस हाल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप निदेशक,समाज कल्याण विभाग प्रवीण कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड को जज करने के लिए संजय भसीन,वरिष्ठ अधिवक्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच, शैलेन्द्र सिंह राजावत, एडवोकेट, इलाहाबाद हाईकोर्ट , लखनऊ बेंच, प्रोफेसर (डॉ) मोहम्मद अहमद, अतिरिक्त कुलानुशाषक, लखनऊ विवि मौजूद रहे। बीबीडी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, रनर अप के रुप में सिटी लॉ कॉलेज के छात्र विजयी रहे। प्रतियोगिता में बेस्ट क्लाइंट अश्विनी प्रताप सिंह रहे , बेस्ट काउंसिल अनूप कुमार रहे। प्रथम वर्ष के छात्रों में बेस्ट टीम सहज और सानिध्य रहे। बेस्ट क्लाइंट श्रेया सिंह रही। बेस्ट काउंसिल सुदीप रहे। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. बंशीधर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेगोशिएशन कौशल छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 25 नवंबर, 2024

मतगणना आज, ढोल-पटाखे व रैलियों पर रहेगी रोक: दिल्ली विश्वविद्यालय

● डीयू ने छात्र संघ चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों से एक हलफनामे पर हस्ताक्षर करने का कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजे सोमवार को आएंगे। जीतने पर उम्मीदवार व उनके समर्थक ढोल, लाउडस्पीकर, पटाखे बजाकर जीत का जश्न नहीं मना सकेंगे। रैली व रोड शो भी नहीं निकाल सकेंगे।

डीयू प्रशासन उम्मीदवारों से कोर्ट के निर्देशानुसार शपथ पत्र लेना शुरू किया है। यदि कोई उम्मीदवार किसी भी नियम प्रावधान का उल्लंघन करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती हैं और उन्हें निर्वाचित पद से हटाया जा सकता है।

डूसू चुनाव 27 सितंबर को संपन्न हुए थे और मतगणना पर कोर्ट की ओर से रोक लगी हुई थी। गत दिनों कोर्ट ने डीयू को मतगणना कराने की अनुमति दी, जिसके बाद 21 नवंबर को मतगणना की तारीख तय की गई। यह कदम मौजूदा चुनाव नियमों के अनुरूप है और दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनावों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर मामले के बीच उठाया गया है।

उम्मीदवारों के पास रविवार तक मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय में हलफनामा जमा करने का समय है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय पैनल के पदों के लिए चुनाव लड़ रहे 21 उम्मीदवारों में से केवल 12 ने ही अब तक आवश्यक दस्तावेज जमा किए हैं। डूसू परिणाम मूल रूप से चुनाव के एक दिन बाद 28 सितंबर को घोषित किए जाने थे, लेकिन अदालत के आदेश के कारण इसमें लगभग दो महीने की देरी हो गई।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव प्रचार के दौरान परिसर में फैलाई गई गंदगी को साफ किए जाने तक परिणामों की घोषणा पर रोक लगा दी थी। विश्वविद्यालय ने अदालत में स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी, लेकिन सफाई प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाने के कारण इसमें देरी हुई। पहले 21 नवंबर को परिणाम की घोषणा होने वाली थी। अब परिणाम की घोषणा सोमवार को की जाएगी। विश्वविद्यालय परिणामों के बाद नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाएगा।

राजधानी के प्रगति मैदान में चल रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में उड़ीसा का लोक नृत्य करतीं कलाकार। फोटो: रंजन डिमरी

सत्ता में आए तो नियमित करेंगे अनधिकृत कॉलोनियां: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली न्याय यात्रा अम्बेडकर विधानसभा में जे ब्लाक दक्षिण पुरी से शुरु हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली की दिशा और दशा बदलकर जनता के साथ मिलकर बदलाव के लिए न्याय यात्रा से लोगों में एक नई आशा की किरण दिखाई दी है, कि कांग्रेस फिर एक बार दिल्ली का उद्धार और विकास करेगी।

देवेन्द्र यादव में उर्जा और शक्ति के संचार को देख जनता उनके साथ हो रही है और दिल्ली में 2025 में बदलाव करने का सहयोगी बनना चाहती है। दिल्ली न्याय यात्रा सोमवार को अम्बेडकर नगर विधानसभा, संगम विहार और बदरपुर विधानसभा में निकाली गई। जिसमें पूर्व सांसद रमेश कुमार, पन्ना लाल खेरवाल, यदुराज चौधरी एवं विभागों के चेयरमैन पदाधिकारी सहित क्षेत्रीय जनता और कांग्रेस जनसमर्थक भी यात्रा के साथ चल रह थे। यात्रा के दौरान यादव आम लोगों से बातचीत, उनके दर्द और समस्याओं को सुनकर उन्हें आश्वासन दिया कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी तो विकास और रचनात्मक कार्यों के माध्यम से न केवल दिल्ली का चेहरा बदलेंगे बल्कि हर गरीब, दलित, वंचित, सड़क पर रहने वालों का जीवन बेहतर बनाऐंगे।

दिल्ली दंगा मामला : 25 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

● यह मामला पुलिस दल पर उस हमले से संबंधित है जिसमे हवलदार रतन लाल की मौत हो गई थी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा मामले में 25 आरोपियों के खिलाफ हत्या, आगजनी और डकैती समेत कई आरोप तय करने का आदेश दिया है। यह मामला पुलिस दल पर उस हमले से संबंधित है जिसमें हेड कांस्टेबल रतन लाल की मौत हो गई थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने यह भी कहा कि संविधान किसी भी प्रदर्शनकारी को हिंसा, हमला, हत्या या किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं देता, इसलिए यह तर्क पूरी तरह से अनुचित है कि आरोपी अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे थे। अदालत ने 27 लोगों के खिलाफ मामले की सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया।

इन लोगों पर उस भीड़ का हिस्सा होने का आरोप है जिसने चांद बाग विरोध स्थल पर 24 फरवरी 2020 को पुलिस दल पर उस समय क्रूरता से हमला किया जब अधिकारियों ने उन्हें मुख्य वजीराबाद सड़क को अवरुद्ध करने से रोकने की कोशिश की।

अदालत ने 22 नवंबर को पारित 115 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि लाल की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में आग्नेयास्त्र के घाव और 21 अन्य बाहरी चोटों का पता चला है। आग्नेयास्त्र का यह घाव और साथ ही पांच अन्य घाव मौत का कारण बनने के लिए पर्याप्त पाए गए। इस प्रकार, हेड कांस्टेबल रतन लाल की मौत हमले और गोली लगने के कारण हुई।

दिल्ली का एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में

● हवा की रफ्तार बढ़ने, कोहरे की परत कमजोर पड़ने के चलते गुणवत्ता सूचकांक में हल्का सुधार : सीपीसीबी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में इस बार मॉनसून सामान्य से अच्छा था, लेकिन बारिश बंद होने के साथ ही प्रदूषण स्तर में तेजी से इजाफा हुआ। प्रदूषण की रोकथाम के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तहत सख्त पाबंदियां यानी ग्रैप चार लगाया गया है। इसके बावजूद प्रदूषण काबू नहीं आ रहा है। हवा की रफ्तार बढ़ने और कोहरे की परत कमजोर पड़ने के चलते पिछले वायु गुणवत्ता सूचकांक में हल्का सुधार हुआ है।

प्रदूषण के प्रभाव का प्रभाव, राजधानी के मौसम में भी उतार-चढ़ाव नजर आ रहा है। सर्दियों के आगाज के साथ तापमान का घटना और बढ़ना शुरू हो चुका है. इसके चलते कई बार दिन में ठंडक बढ़ जाती है, तो कभी मौसम थोड़ा आरामदायक महसूस होता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 357 दर्ज किया गया था लेकिन शाम 8 बजे 304 दर्ज किया गया। शनिवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 412 था।

राजधानी की वायु गुणवत्ता लगभग एक महीने से खतरनाक बनी हुई है। यहां 30 अक्टूबर को पहली बार एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था, जिसके बाद लगातार 15 दिन तक यह इसी श्रेणी में रहा। दिल्ली में पिछले रविवार को वायु गुणवत्ता और भी खराब होकर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी तथा सोमवार एवं मंगलवार को भी यह इसी श्रेणी में रही। राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी। बृहस्पतिवार को अनुकूल हवाओं के कारण स्थिति में मामूली सुधार हुआ लेकिन शुक्रवार को फिर से वायु गुणवत्ता खराब होने लगी तथा यह दोबारा गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गई। दिल्ली में शनिवार को एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। सुबह या रात के समय हल्का कोहरा छाए रहने तथा अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राजधानी में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 75 प्रतिशत दर्ज किया गया। राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक पर हर घंटे की जानकारी देने वाले समीर ऐप के अनुसार, दिल्ली के 38 निगरानी केंद्रों में से किसी ने भी रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में दर्ज नहीं किया जबकि बीते दिन 20 केंद्रों ने गंभीर वायु गुणवत्ता दर्ज की थी। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, पीएम 2.5 का स्तर अपराह्न तीन बजे 138 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए केंद्र की निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) ने अनुमान लगाया कि रविवार को दिल्ली के प्रदूषण में वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन का योगदान 18.1 प्रतिशत रहा।

डीएसएस के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 19 प्रतिशत था, जो एक अन्य प्रमुख कारक है।

डीएसएस वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के लिए दैनिक अनुमान प्रदान करता है जबकि पराली जलाने के आंकड़े आमतौर पर अगले दिन जारी किए जाते हैं। दिल्ली में पिछले रविवार की सुबह वायु गुणवत्ता खतरनाक श्रेणी में पहुंच गई और एक्यूआई इस मौसम में पहली बार 450 को पार कर गया। सीपीसीबी के मुताबिक, सोमवार को एक्यूआई और भी खराब हो गया और इस मौसम का सबसे अधिक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 495 दर्ज किया गया।

'विकसित भारत में युवाओं की बड़ी भूमिका'

● मन की बात में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनते दिल्ली भाजपा नेता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में कहा कि विकसित भारत में युवाओं की बड़ी भूमिका होगी। दिल्ली भाजपा द्वारा रविवार को विभिन्न स्थानों पर पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली भाजपा चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा, सहप्रभारी डॉ अलका गुर्जर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद कमलजीत सहरावत, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल सहित कई प्रदेश के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। दिल्ली भाजपा के मन की बात कार्यक्रम संयोजक राजन तिवारी के अनुसार रविवार को लगभग 7000 से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस मौके पर सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन डिजीटल इंडिया की देन है कि आज बुजुर्गों को बैंक नहीं जाना पड़ता है। साथ ही अब भारत धीरे-धीरे कैश फ्री होकर डिजिटल बन रहा है।

अस्पतालों में जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर की होगी नियुक्ति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने दी मंजूरी

दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में 232 जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर की तैनाती होगी उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंजूरी दे दी है। इन डॉक्टरों की नियुक्ति यूपीएससी से की गई थी।

ग्रुप ए अधिकारियों के रूप में नियुक्त इन अधिकारियों की पोस्टिंग एनसीएसएसए के माध्यम से की गई है और इन्हें लोक नायक, राजा हरीश चंद्र, लाल बहादुर शास्त्री, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों और विभिन्न सीडीएमओ कार्यालयों में तैनात किया जाएगा। उपराज्यपाल ने उम्मीद जताई है कि इन नियुक्तियों से स्थायी डॉक्टरों की नियुक्ति में पिछले कई वर्षों से हो रही अत्यधिक देरी और आप सरकार द्वारा एडहॉक तरीके से संविदा के आधार पर नियुक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी, उससे राहत मिलेगी।

एलजी सक्सेना के पदभार संभालने के बाद, इन पदों को भरने के लिए किए गए ठोस प्रयासों और उनके दिए निर्देशों का परिणाम हैं।

वैष्णव ने देखी द साबरमती रिपोर्ट, कहा: सच्चाई लाने का अच्छा प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को द साबरमती रिपोर्ट देखी। विक्रांत मेसी अभिनीत यह फिल्म 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है, जिसके कारण गुजरात के कुछ हिस्सों में दंगे भड़क गए थे।

महादेव ऑडिटोरियम में द साबरमती रिपोर्ट की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसमें गुजराती समाज मंडल के सदस्य भी शामिल हुए। वैष्णव ने फिल्म देखने के बाद संवाददाताओं से कहा, "साबरमती की सच्चाई को सामने लाने का प्रयास बहुत अच्छा है। यह सच्चाई देश के सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से, लोगों के एक वर्ग ने सच को झूठ और झूठ को सच में बदलने की कोशिश की। लेकिन सौभाग्य से सच हमेशा सामने आता है और अब यह सबके सामने आ रहा है। धीरज सरना के निर्देशन में बनी द साबरमती रिपोर्ट 27 फरवरी 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के डिब्बों में आग लगने की घटना के पीछे की सच्चाई को सामने लाने का दावा करती है। इस घटना में, अयोध्या से लौट रहे 59 कारसेवकों की मौत हो गई थी। फिल्म में राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा ने भी अहम किरदार निभाए हैं।

विस चुनाव में आप को सिखाएंगे ग्रामीण सबक: सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● दिल्ली भाजपा सह प्रभारी डॉ. अल्का, सांसद कमलजीत ने कंगनहेड़ी गांव में जनसभा को किया संबोधित

प्रदेश भाजपा ने विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। इसकी कड़ी में दिल्ली भाजपा सह प्रभारी डॉ. अल्का गुर्जर, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और सांसद कमलजीत सेहरावत ने बाहरी दिल्ली के कंगनहेड़ी गांव में एक जनसभा को संबोधित किया और कहा कि दिल्ली का ग्रामीण क्षेत्र शासन परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

जनसभा को संबोधित करते हुए वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से विकास के अवसरों से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों के लोग विधानसभा चुनावों में आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को सबक सिखाएंगे। पिछले 10 वर्षों में गांवों को खराब सड़कों, सार्वजनिक परिवहन की समस्या, नए स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के कारण भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि जो भी छोटी-मोटी मरम्मत या विकास कार्य हो रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पीएम ग्रामोदय अभियान के तहत दिए गए 523 करोड़ रुपये के विशेष फंड से हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह तो हम सभी जानते हैं कि दिल्ली के लोग केजरीवाल के भ्रष्ट शासन से छुटकारा पाने का मन बना चुके हैं, लेकिन आज वह कह सकते हैं कि मटियाला के लोग, जिन्होंने पानी माफिया के हाथों बहुत परेशानी झेली है, केजरीवाल को सबसे बड़ी हार देंगे।

डॉ. अल्का गुर्जर ने कहा कि मटियाला और नजफगढ़ हरियाणा के बहुत करीब हैं और यहां के लोग हरियाणा के गांवों में कितनी सामाजिक कल्याण योजनाएं पहुंच रही हैं, यह बखूबी जानते हैं।

संक्षिप्त समाचार

251 कुंडीय महायज्ञ का समापन

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-8 स्थित रामलीला ग्राउंड में 5 दिवसीय 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का रविवार को समापन हो गया। इस यज्ञ में लगभग 60 हजार से अधिक लोग सम्मिलित हए। यज्ञ के दौरान यहां पांचों दिन समाज में व्याप्त बुराइयों से बचने और सत्कर्म करने के लिए लोगों से आह्वान किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार के डॉ. चिन्मय पंड्या ने भारतीय समाज और संस्कृति के बहुत से पहलुओं पर प्रकाश डाला। महायज्ञ के साथ विभिन्न संस्कार जैसे पुंसवन, अन्नप्राशन, नामकरण, मुंडन, गायत्रीमंत्र दीक्षा और यज्ञोपवित आदि को नि:शुल्क कराया गया। जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने एक साथ हिस्सा लिया।

केजरीवाल ने गिनाईं आप की उपलब्धियां

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी सरकार की उपलब्धियों को रविवार को रेखांकित किया और अगले साल की शुरुआत में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में फिर से चुने जाने पर अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने का संकल्प लिया। आप नेता ने मुंडका के कराला गांव में एक कुश्ती मुकाबला देखने के लिए उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए दावा किया, दिल्ली में जिस तरह का काम हुआ वह देश में कहीं और नहीं हुआ। केजरीवाल ने मुंडका में 2,100 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से देश का सबसे बड़ा खेल विश्वविद्यालय बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, यह विश्वविद्यालय दिल्ली के खेल उत्कृष्टता का केंद्र बनने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों में बाधा डालने के प्रयास उन्हें रोक नहीं पाएंगे। केजरीवाल ने कहा, उन्होंने (भाजपा) मुझे इसलिए जेल में नहीं डाला था कि मैंने कुछ गलत किया था, बल्कि वे मेरे द्वारा किए जा रहे काम को रोकना चाहते हैं।

संविधान दिवस पर कई जगहों पर यातायात में किए बदलाव

ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया परामर्श

● पैदल यात्रा मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से शुरू होकर इंडिया गेट सर्कल के आसपास के इलाकों से होकर गुजरेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संविधान दिवस सोमवार को है। इस दिल्ली में पैदल यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में करीब 10,000 से ज्यादा लोगों के हिस्सा लेने की संभावना है। पदयात्रा को युवा मामलों एवं खेल मंत्री सुबह करीब 8 बजे मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह इंडिया गेट सर्किल से शुरू होगी और सुबह

9:30 बजे उसी स्थान पर समाप्त होगी। इसके मद्देनजर यातायात पुलिस ने परामर्श जारी किया है। परामर्श में वाहन चालकों सख्त निर्देश दिया गया है कि सी-हेक्सागन एवं एमएलएनपी के आसपास के क्षेत्रों में किसी भी वाहन को रुकने या पार्क करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इन सड़कों पर पार्क किए गए वाहनों को टो कर लिया जाएगा और वाहन मालिकों को कानूनी निर्देशों की अवहेलना के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। उठाए गए वाहनों को भैरो मार्ग पर भैरो मंदिर के सामने ट्रैफिक पिट में रखा जाएगा।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को तिलक मार्ग, अशोक रोड, शाहजहां रोड, सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, जाकिर हुसैन मार्ग, अकबर रोड, आर/ए गोल मेथी, जनपथ और एमएलएनपी समेत आसपास के इलाकों से बचने के लिए कहा गया है। वाहन चालकों से यह भी कहा गया है कि वे प्रगति मैदान से इंडिया गेट तक आवाजाही आसान बनाने वाली सुरंग से बचें। बाईपास का इस्तेमाल करें। लोगों से सुरक्षित यात्रा के लिए सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने को कहा है।

डायवर्सन पॉइंट:

तिलक मार्ग-भगवान दास रोड क्रॉसिंग, पुराना किला रोड-मथुरा रोड क्रॉसिंग, शेरशाह रोड-मथुरा रोड क्रॉसिग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रॉसिंग, पंडारा रोड-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रॉसिंग, क्यू-पॉइंट, आर/ए मानसिंह रोड, आर/ए जसवंत सिंह रोड, के.जी. मार्ग-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग, आर/ए मंडी हाउस।

यातायात प्रतिबंध मार्ग

सी-हेक्सागन और आर/ए एमएलएनपी के आसपास के क्षेत्र में सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं। तिलक मार्ग, अशोक रोड, शाहजहाँ रोड, सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, जाकिर हुसैन मार्ग, अकबर रोड से आर/ए गोल मेथी तक, जनपथ और आसपास के क्षेत्र जिसमें एमएलएनपी शामिल है।

आईएसबीटी, रेलवे स्टेशन, आईजीआई जाने वाले मार्ग

जो लोग आईएसबीटी, रेलवे स्टेशन, आईजीआई की ओर जा रहे हैं उन्हें सलाह दी है कि वे पर्याप्त समय के साथ अपनी यात्रा की सावधानीपूर्वक योजना बनाएँ। आम जनता और मोटर चालकों को सलाह दी जाती है कि वे धैर्य रखें, यातायात नियमों और सड़क अनुशासन का पालन करें ।

बीडब्ल्यूजी के लिए पंजीकरण, नगरानी के लिए सॉफ्टवेयर जारी

नई दिल्ली। दिल्ली नगनर निगम ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2016 के तहत अनिवार्य रूप से बल्क वेस्ट जेनरेटर के पंजीकरण और निगरानी के लिए एक उन्नत सॉफ्टवेयर विकसित किया है।

निगम के अनुसार, बल्क वेस्ट जेनरेटर आवासीय परिसर, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, होटल, बैंक्वेट हॉल, अस्पताल और संस्थान जैसी संस्थाएँ हैं जो प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा उत्सर्जित करती हैं। हाल ही में लॉन्च किया गया बीडब्ल्यूजी को खुद को पंजीकृत करने और स्रोत पर कचरे के उचित पृथक्करण, प्रसंस्करण और निपटान सहित अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक सुव्यवस्थित और उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रणाली प्रदान करता है।

पीएम मोदी की अगवानी के लिए निषादराज का प्रस्थान

मनीष द्विवेदी। प्रयागराज

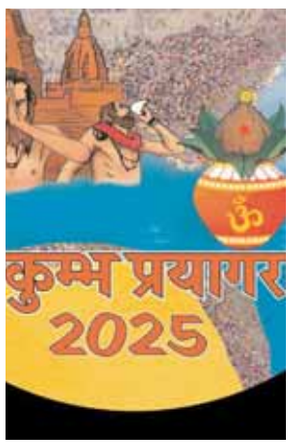

योगी सरकार के प्रयास से महाकुंभ की शोभा को और बढ़ाएगा अत्याधुनिक सुविधाओं वाला क्रूज कस्तूरबा समेत दो वीआईपी वाहन रिसीव करने पहुंचे नैनी ब्रिज के पीछे, मेला प्राधिकरण के साथ वाराणसी प्रशासन मिलकर तैयारियों को दे रहा अंतिम रूप

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुम्भ की नव्यता और भव्यता का दिव्य एहसास कराना चाहती है। इसी के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस बार का महाकुम्भ अभी तक के सभी कुम्भ से ज्यादा अलौकिक होने जा रहा है। पहली बार संगम क्षेत्र में निषादराज की उपस्थिति इसका उदाहरण है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले प्रयागराज के लिए वाराणसी से निकल चुका है। निषादराज क्रूज को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण आईडब्ल्यूएआई ने अपने कब्जे में लेकर वाराणसी से प्रयागराज की ओर रवाना कर दिया है। साथ ही इसके इंतजाम के लिए लगी टीम को तत्काल प्रभाव से सक्रिय भी कर दिया है। अत्याधुनिक सुविधाओं वाले इस क्रूज को रिसीव करने के लिए कस्तूरबा समेत दो वीआईपी वाहन बाकायदा नैनी ब्रिज के पीछे तैनात कर दिए गए हैं। मेला प्राधिकरण के साथ वाराणसी प्रशासन मिलकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। देश दुनिया की नजर इस समय महाकुम्भ पर टिकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी कार्यक्रम यहां 13 दिसंबर को प्रस्तावित है। श्रंगवेरपुर धाम में भगवान राम और निषादराज की प्रतिमा का पीएम मोदी अनावरण करेंगे। इसके बाद वे अत्यधिक सुविधाओं वाले निषादराज क्रूज पर सवार होकर अरैल से संगम तक आएंगे। यहां पीएम मोदी मां गंगा को प्रणाम कर संगम स्नान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। उसके बाद गंगा आरती की योजना बनाई गई हैए जिसके बाद बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट का भी दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसके साथ ही परेड स्थित सभा स्थल पर देश दुनिया के जाने माने संतों से मुलाकात करेंगे। अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं वाले निषादराज क्रूज को वाराणसी से प्रयागराज लाने में कोई दिक्कत न हो। इसके लिए सभी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। क्रूज को लेकर मेला प्राधिकरण और वाराणसी प्रशासन के बीच लगातार कोआर्डिनेशन हो रहा है। वाराणसी प्रशासन ने क्रूज को प्रयागराज की ओर रवाना कर दिया है। विशेष सुविधाओं वाले लग्जरी क्रूज निषादराज के जल्द ही प्रयागराज पहुंचने की संभावना है। अभी यह वाराणसी और प्रयागराज के बीच स्थित सीतामढ़ी तक पहुंच चुका है। देश विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए यह क्रूज विशेष तौर पर रोमांचकारी साबित होगा। इसे निकलने के लिए कम से कम सौ फीट का रास्ता जरूरी होता है। इसलिए क्रूज को यहां तक आने में रास्ते में कोई रुकावट न आने पाए इसके इंतजाम किए जा रहे हैं। निषादराज क्रूज के साथ एक और बड़े जहाज को लगाया गया है जो इसे यहां तक लाने में मदद कर रहा है।

बचत कर घर संभालना और परिवार का ख्याल रखना जरूरी:प्रयागराज। बहुत से घरों में गृहिणी का काम अनदेखा रह जाता है। छोटी छोटी बचत करना घर संभालना परिवार का ख्याल रखना यह सब कुछ उनकी रोज़ की ज़िंदगी का हिस्सा होता है। लेकिन उनकी इस खामोश पहल को कभी भी वो अहमियत नहीं दी जाती जैसी कमाने वाले के काम को दी जाती है। जी टीवी का नया शो बस इतना सा ख्वाब इसी जज़्बात को सामने लाता है। जिसमें अवनी त्रिवेदी की कहानी है। अवनी कानपुर की एक गृहिणी है। ताकि वह एक बड़ा घर खरीदने का अपने परिवार का सपना पूरा करने में मदद कर सके। इन सभी बातों के बावजूद उसकी तमाम कोशिशें अक्सर अनदेखी रह जाती हैं। जी स्टूडियो के निर्माण में बना बस इतना सा ख्वाब जल्द आ रहा है सिर्फ जी टीवी पर आएगा। लोग यह भूल जाते हैं कि भले ही एक गृहिणी का काम बिना तनख्वाह के होता है लेकिन परिवार की खुशियों के लिए उसका योगदान अनमोल होता है।

महाकुंभ को स्वच्छ, सुरक्षित और प्लास्टिक मुक्त बनाएंगे गंगा सेवादूत

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 को स्वच्छ सुरक्षित और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प सीएम योगी ने लिया है। सीएम योगी के संकल्प को साकार बनाने की दिशा में प्रयागराज मेला प्राधिकरण पूरी तरह सक्रियता से आगे बढ़ रहा है। महाकुम्भ को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के लिए मेला प्राधिकरण द्वारा रविवार को गंगा सेवा दूतों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। लगभग 1800 गंगा सेवा दूत 250 250 के बैच में प्रशिक्षित किए जाएंगे। यह गंगा सेवा दूत महाकुम्भ में स्वच्छता सैनिटेशन टेंटेज की कार्ययोजना आग और अन्य आपदा से सुरक्षा और निरीक्षण का कार्य करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 नवंबर तक जिला पंचायत सभागार प्रयागराज में चलेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार और मेला विशेष कार्याधिकारी आकांक्षा राना के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। सीएम योगी के स्वच्छ और सुरक्षित महाकुम्भ के संकल्प को साकार बनाने में गंगा सेवा दूत अहम भूमिका निभाएंगे। प्रयागराज मेला प्राधिकरण लगभग 1800 गंगा सेवा दूतों को प्रशिक्षित कर रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताते हुए मेला विशेष कार्याधिकारी ओएसडी आकांक्षा राणा ने बताया कि 250 250 के बैच में लगभग 1800 गंगा सेवा दूत प्रशिक्षित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहले गंगा सेवा दूतों का पंजीकरण किया जाएगा। इसके बाद इन्हें सैनिटेशन निरीक्षण टेंट सिटी की कार्य योजना आईसीटी सिस्टम और अग्नि सुरक्षा का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। गंगा सेवा दूत विषय विशेषज्ञों द्वारा टेंड किए जायेंगे और उनका मॉक ड्रिल भी कराया जाएगा। सैनिटेशन का प्रशिक्षण डा आनंद सिंह और अग्निशमन का प्रमोद कुमार शर्मा देंगे। गंगा सेवा दूतों प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में उन्होंने कहा कि ये गंगा सेवा दूत प्रयागराज कौशाम्बी प्रतापगढ़ सुल्तानपुर और आसपास के जिलों से आए हैं। यह महाकुम्भ के दौरान विशेष तौर पर शौचालय सड़कों की सफाई व्यवस्था टेंट सिटी का निरीक्षण करेंगे। किसी तरह की गंदगी या गड़बड़ी पाए जाने पर यह दूत आईसीटी सिस्टम के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। गंगा दूत टेंट कालोनियों की व्यवस्था आग लगने या अन्य आपदा की जरूरी सूचना संबंधित विभाग को उपलब्ध करवाएंगे। महाकुम्भ को प्लास्टिक मुक्त रखने का अभियान चलाएंगे। साथ ही प्लास्टिक उपयोग करने वालों की शिकायत भी दर्ज करवाएंगे।

गुजरातए राजस्थान और मध्य प्रदेश के हिस्सों में है प्रचलित

प्रयागराज। यह प्रथा आज भी गुजरात राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में प्रचलित है। इस परंपरा में एक परिवार की बेटी दूसरे परिवार के बेटे से शादी करती है और बदले में दूल्हे की बहन दुल्हन के भाई से शादी करती है। इस प्रथा से दोनों परिवारों के रिश्ते तो मजबूत होते हैं लेकिन उनकी खुशियां और स्थिरता एक दूसरे पर निर्भर होती हैं। जी टीवी का नया शो जाने अनजाने हम मिले एक अनोखी और दिलचस्प कहानी है जो एक अनोखी आटा साटा विवाह प्रथा पर आधारित है। शो में भरत अहलावत राघव का मुख्य किरदार निभा रहे हैं।

कमिश्नर ने पीडब्ल्यूडी और पीडीए के कार्यों का किया निरीक्षण

कार्य में धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, फटकार

प्रयागराज। महाकुंभ के दृष्टिगत विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों में से कुछ कार्यों का निरीक्षण मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा तेलियर गंज शिवकुटी पुलिस चौकी से गंगा किनारे तक नाली एवं सड़क नवनिर्माण लखनऊ फफामऊ रोड तिराहे पर कराए जा रहे चौड़ीकरण फफामऊ रेलवे स्टेशन के आगे फफामऊ सहसो मार्ग पर कराए जा रहे चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण 40 नंबर गुमटी पर कराए गए सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण तथा फफामऊ सहसो मार्ग पर कराए गए सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई। जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मैन पॉवर बढ़ाकर सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत अपेक्षित गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा नुरुल्लाह रोड तथा दरियाबाद रोड पर कराए जा रहे नाली निर्माण सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाई गई। नाली का अलाइनमेंट स्लोप सरिया तथा मिक्सचर का अनुपात ठीक नहीं पाया गया। इलेक्ट्रिक पोल्स हेतु बनाए गए फाउंडेशन के मिक्सचर का अनुपात भी सही नहीं था। हैमर मशीन से स्ट्रेंथ टेस्टिंग कराए जाने पर फाउंडेशन की स्ट्रेंथ मानक के अनुरूप नहीं पाई गई। मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को उसे यथा संभव तत्काल ठीक कराते हुए सभी कार्यों में अपेक्षित गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस आयुक्त ने की समीक्षा

प्रयागराज। महाकुम्भ के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन को लेकर रविवार को त्रिवेणी सभागार रिजर्व पुलिस लाइन्स में पुलिस आयुक्त प्रयागराज तरुण गाबा द्वारा नगर क्षेत्र और कुम्भ मेला क्षेत्र के सुदृढ़ यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गई। साथ ही सम्बन्धित को सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में कई प्रमुख बिन्दुओं पर प्रमुखता से चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त द्वारा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ किए जाने पर विशेष बल दिया गया एवं श्रद्धालुओं तीर्थ यात्रियों के सुगम एवं सुरक्षित यातायात हेतु मेला क्षेत्र को जाने वाले प्रमुख मार्गों के यातायात प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की गयी। नगर क्षेत्र के सुगम यातायात में बाधक कारकों की पहचान कर उनका तत्काल निराकरण किया जाये जिससे कि आम जनमानस हेतु यातायात व्यवस्था सुगम हो। नगर क्षेत्र में ट्रैफिक जैम की समस्या पर चर्चा की गई एवं ई रिक्शा ऑटो आदि की पार्किंग व्यवस्था के सम्बन्ध में प्रभावी कार्ययोजना विकसित किए जाने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिए गए। सुचारु यातायात व्यवस्था हेतु तकनीकी माध्यमों आई ट्रिपल सी के हाई रिजोल्यूशन कैमरों का प्रयोग एवं सतत निगरानी की जाए जिससे ट्रैफिक बाधित न हो।कमिश्नरेट प्रयागराज की यातायात व्यवस्था के प्रभावी कार्यान्वन हेतु यातायात पुलिस एवं स्थानीय पुलिस द्वारा प्रभावी गश्त सुनिश्चित की जाए। समीक्षा बैठक में अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज पुलिस उपायुक्त कुम्भ गंगानगर नगर यमुनानगर यातायात अपर पुलिस उपायुक्त यातायात और समस्त यातायात निरीक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगे चंदौली के डा. हरलोकेश

एम्स में आज का शोध कल की दवा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, देश और विदेश के लगभग 1500 फार्मा वैज्ञानिक सम्मेलन में हो रहे हैं शामिल

चन्दौली । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ;एम्सद्धए नई दिल्ली में आगामी 26 नवंबर से 30 नवंबर के दौरान अंतर्राष्ट्रीय फार्माकोलॉजी सम्मेलन और भारतीय फार्माकोलॉजी सोसायटी के 54 वें वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है । इस आयोजन में उत्तर प्रदेश भी भागीदारी करेगा। जिसमें चंदौली जनपद के तेनुवट गांव निवासी डाण् हरलोकेश नारायण यादव आयोजन समिति के ऑर्गनाइजिंग सचिव है। अनुप्रिया पटेल राज्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रीए भारत सरकार मुख्य अतिथि होंगी। डाण् विनोद कुमार बिंद सांसद और संसदीय समिति के सदस्यए स्वास्थ और परिवार कल्याण भारत सरकार समापन समारोह के लिए मुख्य अतिथि होंगे ।

सम्मेलन का आयोजन प्रोफेसर डीएस आर्य और प्रोफेसर हरलोकेश एन यादव आयोजन सचिव की अध्यक्षता में होना है। जिसमें प्रतापराव जाधव राज्य मंत्री ;स्वतंत्र प्रभारीद्ध आयुष मंत्रालयए और राज्य मंत्रीए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालयए सरकार भारत सरकार सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। जो मुख्य भाषणोंए पैनल चर्चाओं और इंटरैक्टिव सत्रों की एक रोमांचक श्रृंखला की शुरुआत होगी। जिसमें स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा के भविष्य को आकार देने में इस आयोजन के महत्व को और अधिक रेखांकित करेगी । फार्माकोथेरेपी और स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों में एक कदम आगे आज का शोध कल की दवा विषय के साथ एक ऐतिहासिक कार्यक्रम दुनिया भर के प्रमुख विशेषज्ञोंए शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को एक साथ लायेगा । फार्माकोलॉजी सम्मेलन में नवीनतम वैज्ञानिक खोजोंए अत्याधुनिक तकनीकों में नवीन दृष्टिकोणोंए सटीक चिकित्साए नैनोमेडिसिन आदि में प्रगति को उजागर करने किया जाएगा । इसके अलावाए एआई अनुप्रयोगों और रोगी.केंद्रित उपचारों पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह सम्मेलन फार्माकोलॉजी में नवीनतम शोध और नवाचारों को एक साथ लाने के लिए एक अद्वितीय मंच के रूप में कार्य करेगा ।कार्यक्रम में पोस्टर प्रस्तुतियोंए कार्यशालाओं और नेटवर्किंग अवसरों की एक श्रृंखला भी शामिल होगीए जो इसे फार्माकोलॉजी और फार्मास्युटिकल विज्ञान के उभरते क्षेत्र में शामिल किसी भी व्यक्ति के लिए एक आवश्यक सभा बनाती है। यह सम्मेलन स्वास्थ्य सेवा समाधानों को आगे बढ़ाने के साझा लक्ष्य में शिक्षाविदोंए उद्योग और सरकार के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतिनिधियों की कुल संख्या लगभग 1500 है और भारत और विदेश से 100 से अधिक वक्ता हैं।

सड़क हादसे में भाजपा नेता दीनबंधु की मौत से कोहराम

मझवा चुनाव में मिली जीत की खुशी मनाने के लिये मंत्री अनिल राजभर के आवास पर गये थे

सकलडीहाध्चन्दौली ।भाजपा किसान मोर्चा चंदौली के जिला उपाध्यक्ष व खड़ेहरा गांव के प्रधान 52 वर्षीय दीनबंधु राजभर की रविवार को कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के आवास से बाइक से वापस घर आते समय चांदमारी के समीप सड़क हादसे में मौत होगयी। घटना की जानकारी होने पर परिजनों व शुभचिंतकों में कोहराम मच गया। पीएम के बाद शव घर पहुंचने पर भारी संख्या में भीड़ जुट गया। बलुआ घाट पर परिजनों ने अंतिम दाह संस्कार किया। भाजपा नेता की मौत पर परिजनों का रोते रोते बुरा हाल था।

सकलडीहा केतवाली के खड़ेहरा गांव निवासी स्वण्सियाराम राजभर के तीन पुत्र स्वण्मंगनेश राजभरएदीनानाथ और दीनबंधु राजभर है। दीनबंधु राजभर खड़ेहरा गांव के प्रधान के साथ भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष व बूथ अध्यक्ष भी रहे। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के करीबी हर पल साथ रहने वाले दीनबंधु राजभर मझवा चुनाव में साथ साथ रहे। मझवा का चुनाव परिणाम आने के बाद जीत की खुशी मनाने के लिये मंत्री आवास पर शनिवार को गये हुए थे। रविवार को सुबह अपने बाइक से घर लौटते समय वाराणसी चांदमारी के समीप अचाकन बाइक असंतुलित होने पर गिर जाने से अचेत होगये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे मंत्री के परिवार के लोगों ने आनन फनन में शिवपुर हास्पीटल ले गये। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पीएम होने के बाद शव घर पहुंचने पर कोहराम मच गया। पुत्र सचिनएमनीष उर्फ सन्नीए सुशील पत्नी सुमित्रा देवी सहित परिवार के लोगों को रोते रोते बुरा हाल था। बलुआ घाट पर मंत्री अनिल राजभरएअरविंद पांडेयएदीपक जायवालएरतेन्द्रएडाण् मनोजए अतुल सिंहए सुभाष सिंहए सपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नम आखों से अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

मझवां की जनता ने साबित कर दिया भाजपा पर उसको भरोसा

आशीष और अनुप्रिया पटेल ने जीत पर सुचिस्मिता मौर्य को दी बधाई

मिर्जापुर। शनिवार को मझवां के उपचुनावों में एनडीए को बड़ी सफलता मिली है। एनडीए प्रत्याशी सुचिस्मिता मौर्य ने सपा प्रत्याशी ज्योति बिंद को मझवां में हराकर उप चुनाव जीत लिया। चुनाव आयोग के डाटा के अनुसार सभी बैलेट पोस्टर सहित 34 राउंड की गिनती पूरी होने के बाद एनडीए प्रत्याशी सुचिस्मिता मौर्य को कुल 77737 वोट मिले हैं। उन्होंने सपा के प्रत्याशी ज्योति बिंद को 4 हजार 922 वोटों से हराया। बता देंए सपा प्रत्याशी ज्योति बिंद कुल 72815 वोट मिले हैं। इसकी सूचना मिलते ही अपना दल एस पार्टी में जश्न मनाया गया। भरुहना चौराहा पटेल चौक के अपना दल एस केंद्रीय कार्यालय पर पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने ढ़ोल नगाड़े बजाकर झूमे व पटाखे फोड़े व एक दूसरे को तथा राहगीरों में मिठाई बांटकर अपना उत्साह प्रकट किया। जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटन बिंद ने एनडीए प्रत्याशी सुचिस्मिता मौर्य से मिलकर जीत की बधाई दी है। जबकि कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल व केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने मझवां जीत पर सुचिस्मिता मौर्य को फोन कर बधाई दिया और मझवां की जनता का आभार व्यक्त किया। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव मेघनाथ पटेलए प्रदेश उपाध्यक्ष आईटी मंच दुर्गेश पटेलए उदय पटेलए श्रीमती नमिता केसरवानीए श्रीमती पूनम सिंह, हेमंत कुमार बिंद, राधेश्याम पटेल, संतोष विश्वकर्माए शंकर सिंह चौहान, उमाशंकर सोनी, राजेश मौर्य, विजय शंकर केसरीए विकास मौर्य, लालजी पटेल, मनोज पटेल, आरिफअली मंसूरी, सोनेलाल पटेल, प्रशांत शुक्लाए दीपक वर्मा प्रधान, राहुल ओझा, राजकुमार पालए गौरव दुबेए अर्जुन सोनकरए सोनू गुप्ता आदि अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चौहान ने दी।

छात्र-छात्राओं के लिए कैरियर काउन्सलिंग सत्र का आयोजन

सोनभद्र। आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज, रेनुसागर, में बी.बी.एस.ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यट, प्रयागराज के रजिस्ट्रार विवेक तिवारी तथा प्रोफेसर राजेश उपाध्याय द्वारा कैरियर काउन्सलिंग सेसन का आयोजन किया गया। विद्यालय के कान्फ्रेंस कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बारहवीं कक्षा के बच्चों को तकनीकी शिक्षा तथा उच्च शिक्षा में सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई। संस्थान के रजिस्ट्रार विवेक तिवारी ने छात्र-छात्राओं को तकनीकी क्षेत्र में प्रदान किए जाने वाले वोकेशनल कोर्स जिसमें इन्जीनियरिंग, फार्मेसी, नर्सिंग, मैनेजमेन्ट में होने वाले बी.बी.ए.,बी.सी.ए., बी.टेक., बी.फार्मा जैसे कोर्स के बारे में प्रवेश परीक्षा तथा प्लेसमेंट इत्यादि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने 12वीं में लिए गए विषय के आधार पर भविष्य के कैरियर के विभिन्न आप्सन के बारे में बताया गया। बी.बी.एस. ग्रुप ऑफइन्स्टीट्यूट के द्वारा विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल तथा टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह, शिक्षक विजय शंकर सिंह, गिरीश कुमार सिंह, वीरेन्द्र कुमार सिंह एवं राजेश सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अधिक मूल्य पर खाद बेचने पर शाहगंज में मुकदमा हुआ दर्ज, चतरा में लाइसेंस निलंबित

सोनभद्र। जनपद में उर्वरक की दुकानों पर सचल दल टीमों द्वारा औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान कृषकों को अधिक दर पर खाद बेचने पर जिला कृषि अधिकारी द्वारा कार्रवाई गई है। कृषक लालजी पुत्र तपेशी निवासी ग्राम बालडीह तहसील घोरावल द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा 1500 रुपये में खाद क्रय किया गया जबकि उसका निर्धारित मूल्य 1350 रुपये ही है जिसें मे0 परमेश्वर खाद भंडार शाहगंज प्रो0 परमेश्वर सिंह से खरीदा गया। इसका संज्ञान लेते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत इनके विरुद्ध थाना शाहगंज में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विकास खंड चतरा के अंतर्गत बेलखुरी ग्राम में स्थित मे0 खेती बारी बीज एवं खाद भंडार, प्रो0 परमेश्वर के दुकान की छापेमारी की गई जहां उर्वरकों की रेट सूची न प्रदर्शित होने,स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर के अपडेट न होने के कारण इनके लाइसेंस को निलंबित किया गया। वर्तमान में गठित सचल टीमें पूर्ण सक्रियता से उर्वरक के मूल्य एवं वितरण की निगरानी कर रही है। उर्वरकों को अधिक दर पर बेचने, ओवर प्राइसिंग पर विक्रेताओं के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के निर्देश दिए गए है। सभी उर्वरक विक्रेताओं को चेतावनी देते हुए आगाह किया कि उर्वरकों का विक्रय निर्धारित दर से यदि एक रुपये अधिक पर भी किया गया तो जीरो टॉलरेंस की नीति के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

परामर्श केन्द्र में 05 जोड़ा पति-पत्नी के बीच हुआ समझौता

सोनभद्र। मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में महिला थाना थानाध्यक्ष सविता सरोज व टीम द्वारा महिला थाना में 05 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए। इसके अतिरिक्त 04 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गई। काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी-खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिस पर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई।

नहर की पटरी पर अवैध कब्जा

मड़िहान। मिर्जापुर मड़िहान थाना क्षेत्र के रजौहां बाजार में नहर की पटरी पर अतिक्रमणकर्ता अतिक्रमण कर उसको पाटने की कोशिश में लगे हैं। सरकारी नहर पर अवैध कब्जा हो रहा है प्रशासन चुप है । जानकारी के अनुसार सरकारी नहर रजौहां चौराहे पर खुलेआम अतिक्रमण होता देखा जा रहा है। दरअसल रजौहा चौराहे पर अतिक्रमणकर्ता सरकारी नहर के पटरी को दिन पर दिन अपने कब्जे में लेते जा रहें हैं। पटरी पर टीन सीट डाल कर पुरी तरह हथियाने की कोशिश में है। नहर को पाटने का भी प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब हो कि इस नहर से पचोखरा खूर्दएपटेहरा खूर्द एशेरूयां समेत अनेक गांवों के ग्रामीण कृषि कार्य के लिए सिंचाई का उपयोग करते हैं। लेकिन इस नहर पर अतिक्रमणकर्ताओं की नजर बढ़ती जा रही है। लगातार अपने कब्जे में लेते जा रहें हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सिंचाई विभाग के सांठ गांठ से नहर के पटरी पर टीन सीट लगाकर अपने रैयती मकान में ले लिया गया है। प्रशासन की आंखें बंद हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस नहर से गुजरते सिंचाई विभाग के आला अधिकारियों की नजर न पड़ती हो। लेकिन अधिकारी नजर अंदाज करते दिखाई देते हैं।

महिलाओं को किया गया जागरूक

सोनभद्र। महिलाओं को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरूक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एक समग्र अभियान मिशन शक्ति फेज-05 अभियान चलाया जा रहा है। नारी सुरक्षा स्वावलंबन के प्रति पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की शक्ति दीदी,महिला बीट आरक्षियों,एण्टीरोमियों टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत में जाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपाल लगाकर बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई की गयी तथा मिशन शक्ति के सम्बन्ध में सभी महिलाओं को जागरूक किया।

क्षेत्रों से कुष्ठ मरीजों को किया जाए चिन्हित:गौतम

जिले में सभी कुष्ठ रोगियों का हो समुचित उपचार

मिर्जापुर। कुष्ठ विभाग की ओर रोगियों को उपचार पहुंचाने के लिए तरह.तरह के कार्य कर रही है जिसे जिले को जल्द से जल्द कुष्ठ मुक्त किया जा सके । शुक्रवार को जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ लालजी गौतम ने विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक कर यह निर्देशित किया कि सभी लोग अपने .अपने क्षेत्रो से रोगियों को जल्छ से जल्द चिन्हित करे जिससे विभाग की ओर से उनका समुचित उपचार कराया जा सके और उनको रोग के जाल से मुक्त कराया जा सके।

जिला कुष्ठ अधिकारी ने बताया कि एम0 डी0 टी0 नामक दवा अत्यंत प्रभावशाली परिणाम कारक और आधुनिक औषधि उपचार के कारण कुष्ठ रोग की स्थिति में महत्वपूर्व बदलाव लाता है। साथ ही यह भी वताया गया कि कुष्ठ रोगियो को जल्दी खोजकर इलाज किये जाने से विकलांगता से बचा जा सकता है। वर्तमान में जनपद में कुल 37 पी0 बी0 एवं 55 एम0 बी0 मरीज इलाज ले रहे है। जिसमे 2 पी0 वी0 चाइल्ड तथा 1 एम0 वी0 चाइल्ड भी दवा ले रहे है जिसमे 26 महिलाए भी उपचार प्राप्त कर रही है। जनपद का प्रीवीलेन्स दर 0ण्30 है जो कि उत्तर प्रदेश के मानकदर 1ण्00 से काफी कम है। इस कम मे समस्त कर्मियों को निर्देशित किया गया कि आप लोग इस कार्य को क्षेत्र में ज्यादा से भ्रमण करके तथा मरीजो को खोज निकाले जिससे प्रीवीलेन्स दर को और कम किया जा सके। तथा जनपद में कुष्ठ रोग के संचरण को कम किया जा सके। सुशील त्रिपाठी ने कुष्ठ रोग एवं मरीजो के बारे मे जानकारी दी गयी सभी लोगो को निर्देशित किया गया कि पूरे जनपद में कुष्ठ रोग के मरीज सामाजिक कार्यकर्ताए प्रधानए आशा एवं सभासद के सहयोग से कुष्ठ रोगियो को खोजकर उनकी देखभाल एवं समय से दवा देना सुनिस्चित किया जाय। और यह भी कहाँ गया कि जनपद में कोई भी कुष्ठ रोगी छूटने न पाये।बैठक में जनपद के समस्त एन0एम0एस0ए एन0एम0ए0ए पी0एम0डब्यू के साथ मुख्यालय के आर0के0 सिंह पी0टी0टी0 ए0के0 सिंह फिजियोथैरेपिस्ट तथा अनिल कुमार दुबे पर्यवेक्षक एवं डॉ सुशील त्रिपाठी डी0एल0सी0 उपस्थित रहे। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा कर दिशा निर्देश दिए गए।

वाहनों से प्रदूषण

दिल्लीवासियों का संकट

नवंबर आते ही राजधानी दिल्ली एक गैस चैंबर में तब्दील हो जाती है, जहां प्रदूषण गंभीर श्रेणी में पहुंच जाता है। अक्सर किसानों को पराली जलाने और हवा के कारण धुएं को दिल्ली तक ले जाने के लिए दोषी ठहराया जाता है। लेकिन यह सच नहीं है। कई अध्ययनों से पता चला है कि दिल्ली में वाहन इसके लिए मुख्य दोषी हैं। इसलिए कुछ नहीं किया जाता और जब तक हवा इसे दूर नहीं कर देती, तब तक शहर पर धुंध छाई रहती है। इस साल भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। दिल्ली का वायु प्रदूषण भयावह स्तर तक बढ़ गया है, वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 500 के आसपास खतरनाक क्षेत्र को पार कर जाता है। इस सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल ने राज्य और केंद्र सरकारों के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को बढ़ावा दिया है, जिसमें पड़ोसी राज्यों में किसानों द्वारा पराली जलाने को अक्सर प्राथमिक कारण बताया जाता है। हालांकि, शोध और वैज्ञानिक अध्ययन एक अलग कहानी बताते हैं- दिल्ली की जहरीली हवा के पीछे असली दोषी पराली जलाना नहीं बल्कि शहर में वाहनों से होने वाला अत्यधिक उत्सर्जन है। वाहनों के आवागमन को लगातार दिल्ली में प्रदूषण के प्रमुख स्रोत के रूप में पहचाना जाता है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद द्वारा 2019 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि वाहनों की वजह से दिल्ली में हानिकारक कणों का एक तिहाई से दो तिहाई हिस्सा बनता है। यह खतरनाक योगदान शहर में वाहनों के स्वामित्व में हुई तीव्र वृद्धि से जुड़ा है।

1990 से 2018 के बीच, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पंजीकृत वाहनों की संख्या में पाँच गुना वृद्धि हुई। अकेले दिल्ली में 11.8 मिलियन से अधिक वाहन हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत कार और दोपहिया वाहन हैं। वाहनों की आवाजाही की मात्रा ने राजधानी को प्रदूषण का हॉटस्पॉट बना दिया है, जहाँ परिवहन उत्सर्जन के कारण पूरे साल वायु गुणवत्ता में गिरावट आती है।

इसके विपरीत, पराली जलाना, जिसे अक्सर दिल्ली के प्रदूषण की कहानी में मुख्य खलनायक के रूप में चित्रित किया जाता है, बहुत छोटी भूमिका निभाता है। 2017 के एक अध्ययन से पता चला है कि पराली जलाने की वजह से दिल्ली के वार्षिक कण पदार्थ में 3 प्रतिशत से भी कम योगदान होता है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर के मध्य से नवंबर की शुरुआत तक के अपने चरम मौसम के दौरान भी, फसल अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत तक सीमित है। दिल्ली का अधिकांश प्रदूषण स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होता है, जिसमें वाहनों का सबसे बड़ा योगदान होता है। यह पैटर्न तब और भी स्पष्ट हो जाता है जब पराली जलाने का मौसम समाप्त होने के बाद भी वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं होता है। इन निष्कर्षों के बावजूद, सार्वजनिक चर्चा और नीतिगत प्रतिक्रियाएँ असंगत रूप से पराली जलाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इस गलत फोकस के वास्तविक परिणाम हैं। जबकि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए सब्सिडी जैसे हस्तक्षेपों ने खेत की आग को कम किया है, दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता खराब बनी हुई है क्योंकि परिवहन उत्सर्जन और अन्य स्थानीय स्रोत बड़े पैमाने पर अनसुलझे हैं। दिल्ली के वायु प्रदूषण संकट को दूर करने के लिए प्राथमिकताओं में तत्काल बदलाव की आवश्यकता है। निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का विस्तार और सुधार करना महत्वपूर्ण है। उत्सर्जन मानकों के सख्त प्रवर्तन के साथ-साथ स्वच्छ ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इस वास्तविकता को पहचानना और उसके अनुसार कार्य करना अनिवार्य है। तब तक, राजधानी की हवा स्वास्थ्य के लिए खतरा बनी रहेगी।

विश्व कौशल के अनुरूप शिक्षा

पैसे कमाने, बचाने और प्रबंधित करने के व्यावहारिक पाठों को एकीकृत करके, शिक्षा छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार कर सकती है।

विनयशील गौतम
(लेखक, स्तंभकार हैं)

यह कहना एक सत्य है कि दुनिया एक जटिल समस्या बनती जा रही है और इससे निपटने के तरीकों को संरचित और समझने की आवश्यकता है। केवल यही बात दुनिया में मामलों के काम करने के तरीके पर बढ़ते दुख और घबराहट से बचाएगी। वित्त के क्षेत्र से एक उदाहरण स्थिति को स्पष्ट कर सकता है। यह इंगित करना एक स्पष्ट बात है कि जीवित रहने के लिए सभी को वित्त की आवश्यकता होती है और यदि कहीं से कमाया नहीं जाता है तो वित्त प्राप्त करना ही पड़ता है। वित्त या कमाई को समझने के इस व्यवसाय के लिए यह समझने की क्षमता की आवश्यकता होती है कि वित्त क्या है और इसे कैसे कमाया जा सकता है।

वित्त कई रूपों और रंगों में आता है। सभी वित्त में एक सामान्य कारक यह है कि यह किसी के प्रयास को मौद्रिक मूल्य देता है और यह किसी सिस्टम को चालू रखने के लिए किए गए काम का प्रतिपूर्ति है। वित्त प्रयास और उसके प्रतिपूर्ति के बीच समीकरण निर्धारित करता है और वित्त बदले में खरीद और खरीद से परे जीवन की जरूरतों को प्राप्त करने दोनों के लिए एक उपकरण बन जाता है। ऐसा करने के लिए, किसी को मुद्रा, उसकी समतुल्यता और मुद्रा को प्रयास में कैसे मापा जाता है, यह समझने की आवश्यकता है।

यह हमारे प्रचलित स्कूल और कॉलेज प्रणाली की पहेली में से एक है कि इन मामलों को शायद ही कभी पाठ्यक्रम के माध्यम से या औपचारिक स्थिति में समझाया जाता है। वित्त के बारे में बहुत कुछ अवलोकन और घरेलू वातावरण के माध्यम से सीखा जाता है जिसमें कोई बड़ा हुआ है, जिसे परिचालन जीवन में लेन-देन में बदल दिया जाता है और किसी के जीवन में काफी पहले ही यह सीख लिया जाता है कि पैसे कमाने और इसलिए वित्त से निपटने के लिए उसके पास क्षमताएँ होनी चाहिए। प्रत्येक प्रणाली में प्रयासों और मुआवज़े के बीच समतुल्यता के अपने तरीके होते हैं और इसे निर्धारित करने वाली शक्तियों को अक्सर बाज़ार की शक्तियाँ कहा जाता है। यह अपने आप में एक कला है जिसे जीवन कभी-कभी सरलता से और अक्सर परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से सिखाता है। इस प्रकार, यह है कि वित्त न केवल पेचीदा है, बल्कि यह समझने की ओर ले जाता है और फिर भी यह किसी के जीवन की आधारशिलाओं में से एक है। बातचीत को आगे बढ़ाते हुए, यह महसूस करने की आवश्यकता है कि वित्त के कुछ बुनियादी घटक हैं जैसे कमाई, बचत, निवेश, मूर्त संपत्ति में परिवर्तित करना और बहुत कुछ। प्रत्येक क्षेत्र समय के साथ सीखने और वास्तव में किसी के अस्तित्व की खुशी या अन्यथा का एक विशेष क्षेत्र बन गया है। स्कूल की उच्च कक्षाओं में वित्त में कुछ ताकतें हैं जहाँ कुछ बुनियादी अवधारणाओं को समझाया जाता है और वित्त पर कुछ आवश्यक आधारभूत विचार साझा किए जाते हैं। जरूरत है इसे एक व्यावहारिक अभिविन्यास देने और फील्डवर्क के माध्यम से लोगों को वित्त के मूल्य और मानव जीवन में इसकी केंद्रीय भूमिका सिखाने की। अधिकांश कक्षाएँ सोच के उस चरण या उस तरह की सोच तक नहीं पहुँची हैं जिसका सीधा सा मतलब है कि अधिकांश लोग वित्त की अनिवार्यताओं और जीवन की नींव के बीच संबंध को समझे बिना ही अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर लेते हैं। स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब कोई कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर से स्नातक होता है और फिर जब तक कोई वित्त में कोई विशिष्ट पाठ्यक्रम नहीं करता है, तब तक वह स्कूल में वित्त के बारे में जो कुछ भी सीखा है, उससे आगे कभी कुछ नहीं सीख सकता है। यह एक नुकसान है क्योंकि, जैसा कि ऊपर बताया गया है, स्कूल में वित्त के बारे में जो पढ़ाया जाता है, वह वित्त के अभ्यास में बहुत दूर तक नहीं जाता है। हर किसी को यह जानने की जरूरत है कि कौशल और जानकारी को संभालने में किसी के मूल्य और पर्यावरण द्वारा वित्तीय रूप से इसकी भरपाई कैसे की जाती है, के बीच संबंध क्या है। यह अपने आप में एक पेचीदा प्रस्ताव है और जैसा कि पहले सुझाया गया है, इसके लिए फील्डवर्क की आवश्यकता है। फिर वित्त के अंतिम क्षेत्र हैं जिन्हें व्यावहारिक दुनिया से अवगत कराए बिना नहीं सीखा जा सकता है और यह ऐसा विषय नहीं है जिसे कक्षा में लाया जा सके। साथ ही, एक सामान्य शिक्षा प्रणाली में, फिर से अंतराल होते हैं जहां यह सीखना डिफ़ॉल्ट रूप से होता है और लोगों को परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से खुद के लिए भुगतान करने के लिए छोड़ दिया जाता है। इससे न केवल बहुत सी समस्याएं पैदा होती हैं, बल्कि कई तरह की जटिलताएं भी पैदा होती हैं। किसी को धोखा दिया जा सकता है या उसे यह नहीं पता हो सकता है कि कई मामलों में, किसी तरह के मुआवजे के बिना सेवाएं प्रदान नहीं की जा सकती हैं और वह मुआवजा अक्सर पैसे के रूप में ही दिया जाता है। लोगों को पैसे, वित्त और प्रयास के बीच के संबंध को समझाना एक सार्थक दृष्टिकोण होगा।

ऐसा दृष्टिकोण न केवल स्कूलों बल्कि कॉलेजों के पाठ्यक्रम को भी सार्थक और व्यक्ति के अपने जीवन में अधिक व्यावहारिक बनाने में मदद करेगा। जैसा कि मामला है, अगर कोई भौतिकी, रसायन विज्ञान, इतिहास, मनोविज्ञान, भूगोल या किसी अन्य विषय में विशेषज्ञता हासिल करता है, तो उसे शायद ही यह एहसास हो कि तथाकथित विशेषज्ञता से परे, उसे एक सामान्य शिक्षा की आवश्यकता है। यह सामान्य शिक्षा दूसरों के प्रति व्यवहार, स्वयं का प्रबंधन, आय को समझना, व्यय को समझना, बचत को समझना आदि हो सकती है। इसे सरल शब्दों में कहें तो वयस्कता में प्रवेश करने और आर्थिक रूप से व्यवहार्य इकाई बनने से पहले सीखने की सीमा पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसा कि पहले बताया गया है, यह सब परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से हो रहा है, एक विधि को अपनाना; जो कुछ मामलों में काम करती है लेकिन अन्य में नहीं। औपचारिक इनपुट के माध्यम से वास्तविक जीवन में समायोजन के लिए खजाने को कम करने की स्पष्ट आवश्यकता है, इससे पहले कि कोई वयस्कता में स्नातक हो और खुले समुद्र में फेंक दिया जाए - जैसे कि खुद की देखभाल करना।

> जरूरत है इसे एक व्यावहारिक अभिविन्यास देने और फील्डवर्क के माध्यम से लोगों को वित्त के मूल्य और मानव जीवन में इसकी केंद्रीय भूमिका सिखाने की। अधिकांश कक्षाएँ सोच के उस चरण या उस तरह की सोच तक नहीं पहुँची हैं जिसका सीधा सा मतलब है कि अधिकांश लोग वित्त की अनिवार्यताओं और जीवन की नींव के बीच संबंध को समझे बिना ही अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर लेते हैं। स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब कोई कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर से स्नातक होता है और फिर जब तक कोई वित्त में कोई विशिष्ट पाठ्यक्रम नहीं करता है, तब तक वह स्कूल में वित्त के बारे में जो कुछ भी सीखा है, उससे आगे कभी कुछ नहीं सीख सकता है।

सेफोरा किड्स सिन्ड्रोम

> सौंदर्य उद्योग लगातार विकसित हो रहा है, ब्रांड रुझानों, जनसांख्यिकी और उपभोक्ता व्यवहार के अनुकूल हो रहे हैं।

शाइनी शर्मा
(लेखिका, शिक्षाविद हैं)

ऐसे मामलों पर कुछ मौलिक सोच के लिए समय सही है, और जितनी जल्दी यह किया जाएगा, उतना ही बेहतर होगा। इसी तरह, उसे बचपन, किशोरावस्था और उसके जीवन के अन्य चरणों के माध्यम से प्रौद्योगिकी की प्रकृति और सामग्री के बारे में एक व्यक्ति बनाने में समान चिंतन की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रौद्योगिकी हमारे जीवन के हर पहलू को छूती है, न केवल उस चश्मे से जिसे किसी को अपनी दृष्टि को सही करने के लिए पहनना पड़ सकता है, बल्कि हर उस चीज़ तक जो किसी की आजीविका और अस्तित्व का इतना अनिवार्य हिस्सा बन गई है। स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी की मूल प्रकृति को शामिल करने और समझने पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। हालांकि, यह एक ऐसा विषय हो सकता है जिसे अलग से और स्वतंत्र रूप से माना जाना चाहिए।

सौंदर्य उद्योग लगातार विकसित हो रहा है, ब्रांड रुझानों, जनसांख्यिकी और उपभोक्ता व्यवहार के अनुकूल हो रहे हैं। एक उल्लेखनीय प्रवृत्ति युवा दर्शकों, जिनमें बच्चे और प्री-टीन शामिल हैं, के बीच स्किनकेयर और सौंदर्य में बढ़ती रुचि है, जिन्हें लोकप्रिय रूप से सेफोरा किड्स के रूप में जाना जाता है। जबकि सेफोरा के पास कोई विशिष्ट किड्स लाइन नहीं है, यह शब्द सांस्कृतिक बदलाव को दर्शाता है क्योंकि बच्चे सौंदर्य और स्किनकेयर बाजार में सक्रिय भागीदार बन रहे हैं।

सेफोरा किड्स का विचार बच्चों के सोशल मीडिया, ब्यूटी ट्यूटोरियल और प्रभावशाली लोगों के बढ़ते संपर्क से जुड़ा है। टिकटॉक और यूट्यूब जैसे प्लेटफ़ॉर्म ने युवा दर्शकों के लिए ब्यूटी रूटीन को सामान्य बना दिया है, जिससे स्किनकेयर और मेकअप सुलभ और आकांक्षी बन गए हैं। प्री-टीन, जिन्हें अक्सर जेनरेशन अल्फा कहा जाता है, आत्म-अभिव्यक्ति और सामाजिक जुड़ाव के

तरीके के रूप में सौंदर्य उद्योग की ओर आकर्षित होते हैं।

माता-पिता भी इस प्रवृत्ति में भूमिका निभाते हैं, कुछ माता-पिता भविष्य में मुंहासे जैसी समस्याओं को रोकने के लिए शुरुआती स्किनकेयर आदतों को प्रोत्साहित करते हैं। इसके अलावा, इस जनसांख्यिकी को लक्षित करने वाले ब्रांड जैसे कि बबल और फ्लोरेंस बाय मिल्स, कोमल, आयु-उपयुक्त स्किनकेयर प्रदान करते हैं, जो युवा उपभोक्ताओं की रुचि को और अधिक पुष्ट करता है? सौंदर्य ब्रांड अब युवा दर्शकों और उनके परिवारों की क्रय शक्ति को पहचान चुके हैं। मार्केटिंग अभियान अक्सर बच्चों और प्री-टीन को आकर्षित करने के लिए समावेशिता, मज़ेदार पैकेजिंग और सोशल मीडिया दृश्यता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उदाहरण के लिए, किड इन्फ्लुएंसर और ब्यूटी क्रिएटर स्किनकेयर रूटीन और उत्पादों को बढ़ावा देते हैं, जो उनके साथियों के बीच रुझान को बढ़ाते हैं जबकि बबल और [illegible] जैसे ब्रांड युवा त्वचा के लिए सुरक्षित, त्वचा विशेषज्ञ द्वारा अनुमोदित उत्पादों पर जोर देते हैं। इसके अलावा, टिकटॉक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म ब्यूटी रूटीन को प्रदर्शित करके और लक्जरी ब्रांडों को बढ़ावा देकर इस प्रवृत्ति को बढ़ाते हैं। इसने सौंदर्य उत्पादों पर किशोरों और किशोरों के बीच खर्च में वृद्धि में योगदान दिया है, अनुमान है कि स्किनकेयर और मेकअप के लिए प्रति बच्चा सालाना .119 से .140 तक खर्च होता है।

इतना ही नहीं, बल्कि कई माता-पिता रेटिनॉल और एसिड जैसे शक्तिशाली अवयवों वाले उन्नत स्किनकेयर उत्पादों का उपयोग करने वाले बच्चों की सुरक्षा के बारे में भी चिंता व्यक्त करते हैं, जो युवा त्वचा के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञों ने इन उत्पादों से जुड़ी त्वचा संबंधी समस्याओं, जैसे जलन और एलर्जी प्रतिक्रियाओं में वृद्धि की रिपोर्ट की है। माता-पिता भी मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बारे में चिंतित हैं, जैसे अवास्तविक सौंदर्य मानकों के अनुरूप होने का दबाव और उपभोक्ता संस्कृति के समय से पहले संपर्क? वे ध्यान देते हैं कि सौंदर्य दिनचर्या में भाग लेने से उनके बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ सकता है और यह एक रचनात्मक आउटलेट के रूप में काम कर सकता है। हालाँकि, इसके साथ ही हानिकारक त्वचा देखभाल की आदतें अपनाने, अधिक खर्च करने और सामाजिक सौंदर्य आदर्शों के दबाव में आने का जोखिम भी जुड़ा हुआ है? सेफोरा किड्स का उदय नैतिक प्रश्न उठाता है कि सौंदर्य उद्योग को बच्चों पर कितना प्रभाव डालना चाहिए। एक ओर, आलोचकों का तर्क है कि युवा दर्शकों के लिए सौंदर्य उत्पादों का विपणन उनकी प्रभावकारिता का शोषण करता है और उपभोक्तावाद को बढ़ावा देता है, जबकि दूसरी ओर, अधिवक्ताओं का मानना है कि जब जिम्मेदारी से प्रबंधित किया जाता है, तो यह रचनात्मकता और आत्म-देखभाल को बढ़ावा दे सकता है। ब्रांड और नियामकों को पारदर्शिता, सुरक्षा और उम्र के अनुसार संदेश पर जोर देना चाहिए। माता-पिता को भी कभी-कभी अपने बच्चों को संयम और आत्म-स्वीकृति के महत्व को समझने में मार्गदर्शन करना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सेफोरा किड्स' की अवधारणा सौंदर्य उद्योग में सांस्कृतिक और पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है। जबकि यह युवा दर्शकों के लिए रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति के द्वार खोलता है, यह नैतिक और विकासात्मक निहितार्थों के बारे में सावधानीपूर्वक मार्गदर्शन की भी मांग करता है। सुरक्षित प्रथाओं को बढ़ावा देने और सकारात्मक आत्म-छवि को बढ़ावा देने के द्वारा, सौंदर्य उद्योग, माता-पिता और समाज यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह प्रवृत्ति युवा उपभोक्ताओं का शोषण करने के बजाय उन्हें लाभ पहुँचाए।

आप की बात

सत्ता का खेल

सत्ता के इस परिदृश्य में साम, दाम दंड, भेद सब जायज है पर इतने वर्षों की राजनीति की रंगत में निखार आने से ज्यादा बंदरग क्यों होती जा रही है। कहीं जो इसका फायदा उठाते है उनके वारे-न्यारे हो हो जातें हैं। इसमें मध्यमवर्गीय परिवार ही का नुक़सान होता है जो ईमानदारी से आम नागरिक का फ़र्ज़ निभाता है। राजनीति रेवड़ी का यह क्या खेला हो रहा है हर तरफ खैरात बांटने वाले राजनेताओं की भीड़ लगी हुई है। कहीं लाड़ली लक्ष्मी है कहीं लाड़ली बहना वहीं मुफ्त इलाज मुफ्त अनाज सभी के लिए यह समझ से परे है? मेहनतकश जनता जब अपना हक़ मांगेगा तो यह सरकारें नहीं दे पाएंगी। जिस प्रकार से कोई भी समान्य सी मिठाई को हर कोई लेना चहता है पर राजनीति के क्षेत्र में यह बहुत कामन बात हो गई है। हर राज्य में पूरे देश में इस के बिना मझधार पार होना वर्तमान समय में बहुत मुश्किल हो गया है। तभी तो हर एक पार्टी व राजनीतिक दलों को उनके मुखिया इस रेवड़ी कल्चर को बढ़ावा देने में सभी आगे है। अगर इसके लिए उन्हें सरकार का खाजाना खाली करना पढ़ें तो भी इसकी चिंता किसी को नहीं है। वर्तमान समय में हर कोई इस मुफ्त की रेवड़ी की मिठास में घिरे जा रहे हैं। क्योंकि यह एक फार्मूला है जनमत को पाने का सस्ता व सुलभ संसाधन इसे कह सकते हैं। इस पर सभी दलों को पुनर्विचार करना चाहिए।

-हरिहर सिंह चौहान, इन्दौर

जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन का दंश इस पृथ्वी के तमाम जीवों पर पड़ना शुरू हो चुका है। बावजूद इसके, दुनिया भर के देश, राजनेता इस पर आजतक खानापूर्ति ही कर रहे हैं। कोई भी गंभीर नहीं है। विकसित देशों ने इस सम्मेलन में एक बार फिर विकासशील देशों को झुनझुना दिखा दिया। जलवायु शिखर सम्मेलन अतिरिक्त समय तक चलने के बावजूद, समझौते के मसौदे में प्रस्तावित किया गया था कि विकसित देश 2035 तक वार्षिक जलवायु वित्त में 250 बिलियन प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे, जिसकी सभी पक्षों ने आलोचना की और इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया गया। नागरिक समाज के सदस्यों ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में मौन मार्च निकाला, जिसमें उन्होंने 2035 तक वार्षिक जलवायु वित्त को बढ़ाकर मात्र 250 बिलियन डॉलर करने के विकसित देशों के प्रस्ताव की निंदा की। उन्होंने विकासशील देशों से इस अपमानजनक और अन्यायपूर्ण सौदे को अस्वीकार करने का आह्वान किया। विकासशील देश अपनी बढ़ती जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए 2025 से शुरू होने वाले सालाना कम से कम 1.3 खरब डॉलर की मांग कर रहे हैं। जो 2009 में वादा किए गए 100 अरब डॉलर से 13 गुना अधिक है। उन्होंने कहा है कि इस 1.3 खरब डॉलर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विकसित देशों से सीधे सार्वजनिक वित्त पोषण में आना चाहिए। **-जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

अडानी पर आरोप

अमेरिकी नियामक एजेंसी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमिशन ने अडानी ग्रुप पर भारत में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के ठेके हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने और अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। अमेरिका की एजेंसी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद दुनिया भर में हलचल मच गई। लोकसभा चुनाव परिणाम के वक्त भी और इस बार भी निवेशकों का अरबों रुपया डूब गया। हमारी भारतीय नियामक संस्थान ऐसे मामलों क्या सो रही थी क्या? एक और तो भारतीय शेयर बाजार नित नई ऊंचाइयां प्राप्त कररहा है, तो दूसरी ओर ऐसे मामले निवेशकों के विश्वास को धक्का पहुंचाते हैं। हमारे देश में भ्रष्टाचार के चलते कुछ भी संभव है। मगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख को धक्का पहुंचा है। और यदि यह अमेरिकी संस्थाओं की साज़िश बताई जा रही है तो विश्व की तीसरी आर्थिक पोजीशन वाले देश को ऐसे नियम बनाने चाहिए कि कोई विदेशी संस्थान देश की अर्थव्यवस्था को इतना भारी धक्का नहीं पहुंचा सके। आगे ऐसा न होने पाए इसके पुख्ता इंतजाम किए जाने चाहिए। भारत एक उभरती हुई शक्ति है और उसको ऐसा अवश्य करना चाहिए कि राष्ट्रीय हितों को विदेशी शक्तियों द्वारा नुकसान न पहुंचे।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

चुनाव परिणाम

23 नवंबर को महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव एवं विभिन्न राज्यों के 47 विधानसभाओं के उप चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। महाराष्ट्र की जनता ने एनडीए को और झारखंड में इंडिया ब्लॉक को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मौका दिया है। यह स्थित भारतीय लोकतंत्र के लिए भी अच्छी है। अब पूर्ण बहुमत की सरकार जनता के हितों पर काम करेंगे और दीर्घकालिक और लघु योजना के माध्यम से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। महाराष्ट्र की जीत पर कांग्रेस के नेताओं ने उपभोक्ता संस्कृति की जीत बताया है। वास्तव में यहां भाजपा ने जहां रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन किया और उसके सहयोगियों ने भी अपना जलवा कायम रखा। वहीं कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार को बड़ा झटका लगा है। दूसरी ओर झारखंड में हेमंत सोरेन का जलवा कायम रहा। भाजपा के द्वारा चंपई सोरेन और सीता सोरेन को शामिल करने के बावजूद भी झारखंड उनके हाथ में नहीं आया है, यह भाजपा के लिए चिंता का सबब रहेगा। फिर भी जो भी सरकारें बनें, उनके लिए जनता का हित सर्वोपरि होना चाहिए

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से **responsemail.hindipioneer@gmail.com** पर भी भेज सकते हैं।

मतदाता सूची में जोडा जाए महिला एव युवाओं का नाम : डीएम

जिलाधिकारी नें मतदेय स्थलों का किया निरीक्षण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी एन सिंह ने निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत विधानसभा राबर्ट्सगंज के विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान बी0एल0ओ0 के कार्यों की गुणवत्ता का आकलन करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मतदान केन्द्र आदर्श इण्टरमीडिएट इण्टर कालेज बूथ संख्या-14,बूथ संख्या-12 के तथा बूथ संख्या-137 कम्पोजिट विद्यालय, रामगढ़-प्रथम का निरीक्षण किया गया, इस दौरान बी0एल0ओ0 नीरज सिंह, सफाई कर्मचारी के पास 6 फार्म-6 के पाये गये, जिसका रजिस्टर पर कोई भी रिकार्ड अंकित नही है, जिसके सम्बन्ध में बी0एल0ओ0 को निर्देशित किया गया कि परिवर्धन एवं अपमार्जन के सम्बन्ध में सभी रिकार्ड को रजिस्टर पर अंकित किया जाय। इसी प्रकार सेबूथ संख्या-139 कम्पोजिट विद्यालय, रामगढ़-3 पर बी0एल0ओ राजकुमार सफाई कर्मचारी के पास 6 फार्म-6 व 6 फार्म-7 के पाये गये, इनके कोई भी रिकार्ड उपलब्ध नही कराये गये, जिसके सम्बन्ध में उक्त बी0एल0ओ0 को निर्देशित किया गया कि परिवर्धन एवं अपमार्जन के सम्बन्ध में सभी रिकार्ड रजिस्टर मेन्टेन किया जाय। बूथ संख्या-138 कम्पोजिट विद्यालय, रामगढ़-2 व 140-कम्पोजिट विद्यालय, रामगढ़-4 के मतदान स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित बी0एल0ओ0, सुपरवाइजर को मतदाता सूची के जेण्डर रेशियो सुधार हेतु अधिकाधिक महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने एवं घर-घर सम्पर्क कर नये युवा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने निर्देशित किया को 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं का नाम जोड़ते समय उनसे इस बात की पुष्टि करा ली जाय कि उनका नाम कहीं अन्यत्र दर्ज नहीं है, यदि है तो उनका फार्म 6 न भरकर फार्म-8 पर आवेदन लिया जाय। निरीक्षण के दौरान सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल रामआधार बी0एल0ओ0 सुपरवाइजर सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र द्वारा विधानसभा ओबरा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली तथा बीएलओ, सुपरवाइजर को आवश्यक निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने बूथ पर मौजूद बीएलओ से अब तक भरे गए फार्म तथा डोर टू डोर सर्वे की स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित करते हुए कहा कि मतदाता पुनरीक्षण विशेष अभियान दिवस पर सभी बूथ खुले रहने चाहिए और मतदाता पुनरीक्षण कार्य को निष्पक्ष एवं सुचारू ढंग से संपन्न कराया जाए, जिससे 18 वर्ष या उससे ऊपर के कोई भी मतदाता का नाम सूची में छूटने न पाए, इस दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा बूथ पर मौजूद बीएलओ से अब तक भरे गए फॉर्म की जानकारी ली गई तथा विशेष तिथियों को अपने-अपने बूथों पर उपस्थित रहकर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य करने के निर्देश दिए गए।

मालिन का पुरवा स्थित पेट्रोल पंप के सामने बस को ओवरटेक के चक्कर में ट्रक से लड़ी कार, दो की मौत चार घायल

रायबरेली। रायबरेली में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां रोडवेज बस को ओवरटेक करने के चक्कर में एक अनियंत्रित हुई कार ट्रक से टकरा गई हादसा इतना भयानक था कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हुए हैं जिनका इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रायबरेली जनपद के मिल एरिया थाना क्षेत्र के मलिन का पुरवा स्थित पेट्रोल पंप के सामने रोडवेज बस को ओवरटेक करने के चक्कर में एक अनियंत्रित हुई बलेनो कार ट्रक से टकरा गई जिसमें सवार छह लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है यहां भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा है वहीं दोनों सबों को पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई हेतु भेज दिया है। राही के ग्राम प्रधान अमन जयसवाल ने बताया कि यह अमेठी जनपद के कटियावा गांव के रहने वाले रण बहादुर सिंह अपने भांजे की शादी में शामिल होने के लिए परिवार के साथ मोहनलालगंज गए हुए थे और बारात विदा होने के बाद वापस अमेठी जा रहे थे तभी बस को ओवरटेक करते समय ट्रक से टकराकर कार भिड़ गई कार में सवार 6 लोगों में से दो की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हुए हैं जिला अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉक्टर दीपेंद्र सिंह ने बताया कि दो युवतियों में काव्या सिंह और साक्षी सिंह की दर्दनाक मौत हो गई है पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल हुए 4 लोगों को जिला अस्पताल के वार्ड में भर्ती कर दिया गया है। इलाज जारी है चार घायलों में एक की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। घायलों में धान्या सिंह हरिहर सिंहएअनुज सिंह किशन सिंह है।

अवधी साहित्य संस्थान अमेठी ने किया कवि गोष्ठी का आयोजन

अमेठी। रविवार को अवधी साहित्य संस्थान अमेठी की ओर से अभिनव मिश्र के यहां कवि गोष्ठी का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी एवं गोस्वामी जी की प्रतिमा पर पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष अवधी साहित्य संस्थान डॉ अर्जुन पाण्डेय ने कहा कि हमारी हिन्दी सागर से भी गहरी हैएजो आज विश्व की भाषा बन चुकी है।गोस्वामी तुलसीदास जी की कृति श्रीरामचरितमानस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है।हमें निज भाषा एवं निज देश पर गर्व होना चाहिए।अध्यक्षता करते हुए अवधी पुरोधा अनीस देहाती ने पढ़ा अनीस है वही अफ्जल सभी परिन्दों मेंए रंग जिस सख्स पर चढ़ जाये कबीरी साहब। रामेश्वर सिंह निरास ने पढ़ा यदि बाण निकल कर प्रत्यंचा पर चढ़ जायेगीएतो सिन्धु नदी की धारा का पानी बहना रुक जायेगा। ओज कवि अभिजीत त्रिपाठी ने पढ़ा बलिदान हुए पुरखे जिस खातिरए हमने मन्दिर वहीं बनाया है। डॉ केशरी शुक्ल अविग्य ने पढ़ा मेरी संजीदगी मुझे कभी हंसने नही देतीए तमन्ना दूर जाने की मुझे रुकने नही देती। सुरेश चन्द्र शुक्ल नवीन ने पढ़ा ये कदम मेरे जब बढ़ जायेंगेएपैर सारे दुश्मन के उखड़ जायेंगे। मोहम्मद शब्बीर अहमद सूरी ने पढ़ा मोहब्बत है वो दौलत जिसमें दौलत कम नही होती।ओज कवि अनिरुद्ध मिश्र ने पढ़ा कभी अपनों को झुकने का दम नही रखतेएदूसरों के लिए जज़्बात कम नही रखते।कवयित्री रामकुमारी संस्मृति ने पढ़ा कब तक दर्द छुपाऊं राधाएकब तक दर्द छुपाऊं।कवि गोष्ठी में चन्द्र प्रकाश पाण्डेय मंजुलएसमीर मिश्र,अमरबहादुर सिंह अमरएआशुतोष गुप्ताए पप्पू सिंह कसक आदि ने अपनी रसभरी कविताओं से स्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर डॉ दीपक मिश्र,राम लखन मिश्र,डॉ अभिमन्यु पाण्डेयएरीता पाण्डेयए कालिका प्रसाद तिवारी एवं चन्द्र शेखर शुक्ल आदि की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

भगवान श्रीराम के जन्म पर देवताओं ने आकाश से की थी पुष्प वर्षा : आचार्य शांतनु जी महाराज

तिलोई,अमेठी। आरवीएस इण्टर कालेज तिलोई के प्रांगण में राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के तृतीय दिवस की कथा में आचार्य शान्तनु जी महाराज ने जन्मोत्सव की बधाई के साथ प्रारम्भ किया। आचार्य शान्तनु जी महाराज ने कहा कि जब भगवान प्रगट हुये तो देवता भी आकाश मार्ग से पुष्प की वर्षा करने लगे और अयोध्या के नागरिक भगवान के दर्शन के लिये दौड़ पड़े। इसी प्रसंग के अंतर्गत महाराज जी ने अयोध्या वासियों का उदाहरण देकर भगवान के दर्शन की आचार संहिता बताई की जो जैसैई तैसेइ उठि धावा। भगवान को प्राप्त करने के लिये किसी भी प्रकार की बनावट दिखावट की आवश्यकता नही है आप जैसे हो उसी प्रकार से बस परमात्मा को पाने के लिये दौड़ जाओ और भजन में भक्ति में परमार्थ में स्वार्थी होना ही पड़ता है और जो जितना भजन में स्वार्थी हो जाता है संसार के व्यवहार में परमार्थी हो जाता है।आचार्य शान्तनु जी महाराज ने नामकरण संस्कार की चर्चा करते हुये कहा कि नाम संतोंएशास्त्रोंएबड़े बुजुर्गों और विद्वानों से पूंछकर ही रखना चाहिये क्योंकि हमारे यहां पुरानी कहावत है यथा नाम तथा गुण: नाम से ही पालक में किस प्रकार के गुणों का निर्माण होने लगता है इसीलिये वशिष्ठ जी ने चारों भाइयों का नामकरण विशेष प्रकार से किया।उन्होंने भारत के प्राचीन महान वैदिक गुरुकुल शिक्षा परंपरा के ऊपर भी प्रकाश डाला कि भगवान चारों भाइयों के सहित गुरुकुल में पढ़ने गये इसलिए आज भी वह गुरुकुल वैदिक परंपरा प्रासंगिक है क्योंकि आज हम शिक्षित तो बना पा रहे हैं समझदार नही बना पा रहे हैं शिक्षा और समझदारी में अंतर है और नये भारत का निर्माण यदि करना है शिक्षा के साथ ही साथ संस्कार की भी अत्यंत आवश्यकता है हम आने वाली पीढ़ियों को पैसे कमाने की मशीन बना रहे हैं और ऐसे बालक कभी भी अपने माता पिता परिवार समाज राष्ट्र महत्व नही समझते अत: भारत को यदि पुन: स्थापित करना है इन छोटी छोटी बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिये। आचार्य शान्तनु जी महाराज ने विश्वामित्र यज्ञ रक्षा के प्रसंग में कहा कि भगवान विश्वामित्र जी के साथ जाकर उनके यज्ञ की रक्षा करते हैं अर्थात जिस को भी अपने जीवन रूपी यज्ञ कि यदि की रक्षा करना है उसको राम और लक्ष्मण अवश्य साथ रखने होंगे राम यानी सत्य लक्ष्मण यानी वैराग्य त्याग समर्पण तो जीवन में सत्य की सुगंध भी आनी चाहिये वैराग्य समर्पण भी बनना चाहिये।महाराज जी ने कहा कि गंगा गीता गौरी गायत्री यह भारत के प्राण की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है।यजमान रमई की ग्राम प्रधान अंकिता सिंह ने व्यास पीठ पूजन के साथ ही कथा व्यास का स्वागत किया।श्रीराम कथा के तीसरे दिन समाज सेवी मनीष सिंह गौरीगंज के द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। कथा व्यास ने भाजपा के जिलाध्यक्ष राम प्रसाद मिश्राए विजय किशोर तिवारीए अमरेन्द्र सिंहएसुधांशु शुक्लाए दलजीत सिंहएकेशव सिंहए धनवंत सिंहए अभय प्रताप सिंहए शशिकांत तिवारीएरागिनी तिवारीएगीता सिंह को अंगवस्त्र भेंट किया।कुंवर उत्कर्ष शरण सिंह ने अतिथियों को प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट किया।इस मौके पर ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंहए सीओ अजय कुमार सिंहएअखण्ड प्रताप सिंहए ज्ञानेन्द्र सिंहए देवी शरण बाजपेईए सज्जन पाण्डेय,अमिता गौतम, प्रमोद त्रिपाठीएराजेश त्रिवेदी, सुजीत पाण्डेयए आशीष नंदन त्रिपाठीए मनीष सिंहएअरुण प्रताप सिंहएमोनू जायसवालए प्रवेश शुक्लाएसुरेश सिंहएदिग्विजय सिंह मौजदूद रहे।

क्विक न्यूज

लाइनमैन झटका मशीन की करंट की चपेट में आया

ऊंचाहार। बिजली के पोल पर चढ़कर डिस्कनेक्शन कर रहा लाइनमैन झटका मशीन में संचालित करंट की चपेट में आकर पोल से नीचे गिरकर घायल हो गया जिसे सीएचसी से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।पक्का तालाब मजरे पट्टी रहस कैथवल गाँव निवासी बबलू पुत्र सीताराम 22 वर्ष निजी तौर पर लाइनमैन है।जो रविवार की दोपहर बिजली विभाग की टीम के साथ बगल के गाँव रानी का पुरवा मजरे पट्टी रहस कैथवल में अभियान के तहत डिस्कनेक्शन करने के लिए बिजली के पोल पर चढ़ा था।जहां पहले से ही पोल पर बंधी झटका मशीन में संचालित हो रहे करंट की चपेट में आकर पोल से नीचे गिरकर घायल हो गया।जिसे साथी कर्मियों की मदद से सीएचसी लाया गयाए जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

मनसा देवी के निकट आबकारी विभाग की मनमानी के चलते अंग्रेजी शराब की दुकान में खुलेआम पिलाई जा रही शराब

रायबरेली। रायबरेली में आबकारी विभाग की लापरवाही व मनमानी के चलते यहां नियमों को ताक पर रखकर अंग्रेजी शराब की दुकान में खुलेआम शराब पिलाई जा रही है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।जनपद के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के रेलवे कॉलोनी मनसा देवी मंदिर के निकट आबकारी विभाग की लापरवाही व मनमानी के चलते यहां अंग्रेजी शराब की दुकान में खुलेआम शराब पिलाई जा रही है जो नियमों के विरुद्ध है जबकि दुकान में सिर्फबेचने के लिए लाइसेंस दिया गया है ना कि पिलाने के लिए नियमों को तक पर रखकर दुकानदार द्वारा शराब पिलाई जा रही है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है वीडियो बनाने के दौरान दुकान से बाहर शराब पीने वाले निकलते देख जा सकते हैं वीडियो बनाने का दुकानदार व कुछ लोगों ने विरोध भी किया है।

इन्दिरा आईवीएफ अब नये परिसर में

गोरखपुर। इन्दिरा आईवीएफ ने गोरखपुर में तीसरी मंजिल पेंटालुन के ऊपर, सिनेमा रोड, पुर्दिलपुर में नये और विशाल परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ हॉस्पिटल को शिफ्ट किया है। यह इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप का उत्तरप्रदेश में यह 19वां हॉस्पिटल है। हॉस्पिटल का उद्घाटन मुख्य अतिथि गोरखपुर महापौर मंगलेश श्रीवास्तव पूर्व एचओडी बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर डॉ राधा जीना और हॉस्पिटल हेड डॉ शिखा मुखिजा ने फीता काटकर किया । विशिष्ट अतिथियों डॉण् मधु गुलाटीए डा स्मिता जायसवाल और डॉण् रीना श्रीवास्तव ने बाल शिशु गृह के अनाथ बच्चों और इन्दिरा आईवीएफसे उपचार लेकर गर्भधारण करने वाले दम्पतियों का उपहार प्रदान किये। इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप के एमडी एंड कॉ.फाउण्डर डा. नितिज मुर्डिया ने अपने संदेष में कहा कि अर्न्स्ट एंड यंग की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 27.5 मिलियन दम्पती गर्भधारण करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उन्हें नि:संतानता संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन्दिरा आईवीएफ गोरखपुर हेड शिखा मुखिजा ने कहा कि इन्दिरा आईवीएफनवीन तकनीकों, खर्च कम करने और पहुंच बढ़ाने के लिए नवीन मॉडल तलाश कर रहा हैं हमारा लक्ष्य एक स्वास्थ्य देखभाल इकोसिस्टम बनाने का है जहां प्रत्येक व्यक्ति कोए उनकी पृष्ठभूमि की चिंता किए बिनाए माता.पिता बनने की खुशी प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध हो।

कच्ची शराब का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल ग्रामीणों ने थाने में की शिकायत

रायबरेली। रायबरेली में लगातार आबकारी विभाग की मनमानी वाला प्रवाही के चलते यहां अवैध कच्ची शराब बनाने और बेचने का धंधा जोरों पर है खुलेआम एक महिला द्वारा अवैध कच्ची शराब बेची जाने का वीडियो वायरल हुआ है और ग्रामीणों द्वारा इसकी शिकायत पुलिस से की गई है जिसका ऑडियो भी सामने आया है आपको बता दें कि जनपद के गुरबक्श गंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत सूजन का पुरवा गांव में सरस्वती नाम की एक महिला द्वारा खुलेआम अवैध रूप से कच्ची शराब बेची जा रही है महिला द्वारा कच्ची शराब बेची जाने का वीडियो वायरल हुआ है जिसको लेकर यहां के रहने वाले भी नाम के युवक ने पुलिस से शिकायत की है जिसका ऑडियो भी सामने आया है फिलहाल पुलिस अपने शिकायतकर्ता को बताया है कि तत्काल मामले को संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है वीडियो में आप साफदेख सकते हैं किस तरह से महिला दरवाजे पर बैठकर लोगों को गिलास में शराब दे रही है और लोग उसके यहां से पीकर बाहर निकल रहे हैं।

उत्कर्ष बैंक ने विस्तार किया

सोनभद्र। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने मधुपुरए सोनभद्रए उत्तर प्रदेश में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। इस लॉन्च के साथए बैंक उत्तर प्रदेश में 208 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 988 आउटलेट तक पहुँच गया है। मधुपुर सोनभद्र के निवासियों को बचत खाते,चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सेट से लाभ होगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता हैए जैसे कि आवास ऋणए व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफऋण,ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। इस अवसर पर उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा कि मधुपुर सोनभद्र में हमारा विस्तार उत्तर प्रदेश के कम बैंकिंग वाले क्षेत्रों में आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के हमारे मिशन में एक कदम आगे है। सोनभद्र, अपने विविध जनसांख्यिकीय और जीवंत समुदाय के साथए आर्थिक विकास के लिए पर्याप्त क्षमता प्रदान करता है। यह नया आउटलेट बचतए ऋण और माइक्रो.बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगाए जिससे व्यक्तियों और व्यवसायों को समान रूप से सशक्त बनाया जा सकेगा। एक मजबूत वित्तीय आधार स्थापित करकेए हम आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने और सोनभद्र की सामाजिक.आर्थिक प्रगति में योगदान करने की आकांक्षा रखते हैं। बैंक अपने ग्राहकों को बचत और चालू खातेए सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

कवाड़ बीनने वाले युवक की नाले में गिरने से मौत

कुरारा(हमीरपुर) कस्बा निवासी एक कबाड़ी की कबाड़ बीनते समय नाले में गिरकर डूबने से मौत हो गई।कस्बा निवासी रामकिशोर उर्फपप्पू पुत्र देबीशंकर जो कि कस्बे में रहकर कबाड़ आदि बीनकर अपना भरण पोषण करता था। रविवार को परमेश्वर तालाब के पास बने एक नाले में उसकी लाश लोगो ने देखी तो पुलिस को सूचना दी जिसपर मौके पर पहुची पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाकर सीएचसी कुरारा ले गए जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सब इंस्पेक्टर रिंकू तिवारी ने बताया कि मृतक नशेड़ी था और कबाड़ बीनने का काम करता था। प्रथम दृश्यता लग रहा है जैसे कि मृतक कबाड़ बीनते समय नाले में गिर गया हो और नशे में होने के चलते उसी में डूब गया है। शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है।

भूमि विवाद में प्रधान पुत्र के मारी गोली

फर्रुखाबाद। भूमि विवाद में प्रधान पुत्र के गोली मारकर घायल कर दिया गयाद्य घायल को सीएचसी राजेपुर में भर्ती किया गयाद्य पुलिस नें मौके से एक को हिरासत में भी लिया हैद्यथाना अमृतपुर के फक्करपुर निवासी प्रधान शिवदत्त तिवारी के पुत्र अनूप तिवारी से भूमि कब्जे को लेकर विवाद हो गयाद्यजिससे अनूप के गाँव के ही लोगों ने गोली मार दीद्य अनूप का हाथ घायल हुआ हैद्य घायल अनूप को सीएचसी लाया गया।

कर्तव्यों के प्रति उदासीन डलमऊ पुलिस, क्षेत्राधिकारी नेतृत्व विहीन

डलमऊ रायबरेली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गौवंशों के प्रति सुरक्षा के सभी पैमानों और उपायों के प्रति सजगता और सुरक्षा को ठेंगा दिखाते डलमऊ पुलिस के प्रभारी जिन्हें गौवंशो की सुरक्षा के प्रति सजगता की भावना शून्य से ज्यादा नही है और मुख्यमंत्री जी के स्वयं मुख से इनकी सुरक्षा का दंभ भरा जा रहा है मामला

रविवार की सुबह मुराई बाग चौकी क्षेत्र का है जहां गौवंशो से लदी खड़ी लावारिश वाहन संख्या न्च21 ।छ2011पर बेतरतीब लदे गौवंशो की दुर्दशा अपने स्वयं के हालात पर रोना रो रहे थे पर डलमऊ पुलिस के जिम्मेदार लोग चैन की नींद सो रहे थे न कर्तव्य पालन की चिंता न मुख्यमंत्री के आदेशों के अनुपालन का खौफ जबकि ये एक बानगी मात्र है हकीकत इसके काफी ज्यादा भयावह है अब होगा इसे गुडवर्क बनाने की जद्दोजहद और खुद की पीठ थपथपाने की नाहक कोशिश इसे गुडवर्क बनाने की पुरजोर कोशिश में कितने झूठ बोलेगी डलमऊ पुलिस ये तो वक्त के गर्भ में है पर इतना तय है कि मानवता की बात पर मरी हुई आत्माओं के साथ कर्तव्यों को ढो रही है डलमऊ पुलिस क्षेत्राधिकारी व प्रभारी का अपने मातहतों पर बिल्कुल भी नियंत्रण नही रह गया बस कर्तव्यों का निर्वहन के नाम पर अवैध कमाई का जुगाड़ और मजलूमो पर कार्यवाही करना ही शेष बचा हैण्गौवंशों की लदी गाड़ियों पर कितनी सख्त कार्यवाही होगी ये तो बात की बात है पर ऐसे सैकड़ों वाहन इसी मार्ग से गुजर जाते होंगे और डलमऊ पुलिस हाथ पर हाथ रखकर बैठी रह जाती है क्योंकि डलमऊ प्रभारी का सीयूजी व चौकी प्रभारी किसी भी स्थित पर तय वक्त से पहले फोन तक उठाना जरूरी नही समझते फिर वो कोई सूचना हो या इसके स्थान पर बड़ी घटना भी हो सकती हैण

जिला कारागार में गायत्री शक्तिपीठ के तत्वाधान में युग निर्माण योजना विचार क्रांति अभियान के तहत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रायबरेली । रायबरेली के जिला कारागार जेल अधीक्षक अधिकछक की मौजूदगी में सैकड़ो कैदियों व बंदियों की उपस्थिति में गायत्री शक्तिपीठ के तत्वाधान में योग निर्माण योजना विचार प्रांतीय अभियान के कार्यक्रम का आयोजन हवन पूजन कर किया गया आपको बता दे जनपद के जिला कारागार में जेल अधीक्षक अमन कुमार सिंह वह जेलर हिमांशु रौतेला की अध्यक्षता में गायत्री शक्तिपीठ के तत्वाधान में योग निर्माण योजना विचार क्रांति अभियान के अंतर्गत गायत्री परिवार रायबरेली के द्वारा आचार्य राकेश सिंह एवं सदस्य मनोरमा शुक्ला संजीव पांडे व अन्य साथियों के द्वारा व्यक्तित्व के निर्माण निर्मित गायत्री उपासना परिवारों की संस्कारिक भावना से सकारात्मक ऊर्जा के संचार हेतु हवन पूजन तथा गायत्री मंत्र का उच्चारण विधि विधान पूर्वक किया गया है इस कार्यक्रम में कारगर के सैकड़ो बंधिया ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने का काम किया मौके पर जेल अधीक्षक अमन कुमार सिंह जेलर हिमांशु रौतेला अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में प्राइवेट एंबुलेंस चालकों की मनमानी चरम पर

परिसर में प्राइवेट एंबुलेंस प्रतिबंध होने के बाद भी अस्पताल में खड़ी रहती हैं प्राइवेट एंबुलेंस

रायबरेली। रायबरेली में प्राइवेट एंबुलेंस चालकों की मनमानी को लेकर अस्पताल की जिम्मेदार कौन दिखाई दे रहे हैं यहां कई बार हो चुकी घटनाओं से सबक ना तो अस्पताल की चौकी ले रही है ना ही अस्पताल का प्रशासन पाताल परिसर में प्राइवेट एंबुलेंस प्रतिबंध होने के बाद भी दर्जनों एम्बुलेंस खड़ी रहती हैं आपको बता दे कि जनपद के जिला अस्पताल में जिला अस्पताल के चौकी इंचार्ज हुआ अस्पताल प्रशासन की लापरवाही व मनमानी के चलते अस्पताल परिसर में प्राइवेट एंबुलेंस प्रतिबंध होने के बाद भी दर्जन भर एम्बुलेंस अस्पताल परिसर में खड़ी रहती हैं लेकिन कार्यवाही के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति की जाती है इन्हें एंबुलेंस के चलते कई बार यहां फायरिंग की घटनाएं और मारपीट भी हो चुके हैं शाम होते ही यहां जिला अस्पताल से रेफर किए गए मरीज को सरकारी अस्पतालों में ना ले जाकर प्राइवेट अस्पतालों में ले जाकर धन होगा ही की जा रही है प्राइवेट एंबुलेंस चालक मरीज और तीमारदारों को बरगलाकर निजी अस्पतालों में ले जाकर फूल हो जाते हैं जिसमें जिला अस्पताल चौकी की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है अगर समय पर इन प्राइवेट एंबुलेंस को कड़ाई से प्रतिबंध न किया गया तो फिर घटना हो सकती है। फ्लिहाल अभी इस पूरे मामले पर जिला अस्पताल के सीएमएस ने कुछ भी जवाब देने से इनकार किया है कहा है कि जांच कर कर ही आगे की कोई कार्रवाई की जाएगी।

अधिक रेट में खाद विक्री करते एसडीएम ने दुकानदार को धर दबोचा

जिला कृषि अधिकारी को कार्यवाही के लिये लिखा पत्र,जिले में खाद की हो रही है कालाबाजारी

कुरारा(हमीरपुर)। कस्बा कुरारा के भौली रोड में प्राइवेट खाद विक्रेता द्वारा किसानो को अधिक रेट पर खाद की बिक्री करते हुए सदर एसडीएम ने छापा मारकर खाद विक्रेता को मौके पर पकड़ लिया। तथा उसके खिलाफकार्यवाही के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गय है। छापे मारी की खबर कस्बे में फैलते ही खाद विक्रेता अपनी दुकानें बंद कर दिए। कस्बा आधा दर्जन से अधिक प्राइवेट खाद बिक्री की दुकानें संचालित है। इनसे किसान खाद खरीद कर फसल की बुवाई करते है।सरकारी संस्थाओं से खाद न मिलने के कारण निजी खाद विक्रेता मनमानी रेट पर किसानो को खाद की बिक्री कर रहे है। डीएपी खाद की बोरी का दाम सरकार द्वारा तेरह सौ पचास रुपया निर्धारित है। लेकिन खाद विक्रेता डीएपी खाद की बोरी अठारह सौ रूपया की बिक्री कर रहे है। दोपहर में एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक भौली रोड स्थित शिव कृपा ट्रेडर्स की दुकान पर गए तथा एक किसान को भेजकर खाद के दाम पता किया तो उसने अठारह सौ रूपया प्रति बोरी बताया। तब उन्होंने दुकान में जाकर खाद खरीद रहे किसानो से जानकारी की तो उन्होंने बताया कि अठारह सौ रुपए प्रति बोरी खरीदी है। महंगी दर पर खाद बिक्री करने पर दुकान संचालक रमेश कुमार को थाने लेकर आए। तथा किसानो के बयान दर्ज किए। तथा कार्यवाही के लिए जिला कृषि अधिकारी को सूचित किया गया है। खाद की दुकानों में छापेमारी की खबर फैलते ही अन्य खाद विक्रेता अपनी दुकानें बंद कर इधर उधर हो लिए।

हथियारबंद युवकों का बारातियों पर हमला, गाड़ियों के शीशे तोड़े दूल्हे के नाना व मामा घायल

अचानक हमले से लोग भौचक्का,पुलिस के आने से हथियारबंद लोग भागे

सुमेरपुर(हमीरपुर)। कस्बे के धर्मेश्वर बाबा मोहाल में आई बारात में एके.47 गैंग के हथियारबंद छह.सात युवकों ने हमला बोलकर जमकर तांडव मचाया। जिससे दूल्हे के नाना लल्लू व मामा रामऔतार घायल हो गए और कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस के पहले हमलावर मौके से भाग निकले। कन्या पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देने की बात कही है। मोहाल के नवलकिशोर वर्मा की बेटी शिखा की बरात कुरारा थानाक्षेत्र के खरौंज गांव निवासी दूल्हा सागर वर्मा लेकर आए थे। बरात पहुंचने पर कन्या पक्ष के लोग उन्हें नाश्ता आदि कराने के बाद जब वापस चले गए। तभी आधा दर्जन हथियारबंद युवक बरात पर हमला बोल कर जमकर तांडव मचाया। जिससे दूल्हे के नाना लल्लू मामा रामऔतार घायल हो गए। साथ ही हमलावरों ने बरात की कई गाड़ियों के शीशे आदि तोड़ दिए। हमलावरों ने महिलाओं के साथ भी अभद्रता की। नवलकिशोर ने बताया कि की आधा दर्जन् लोग हथियार बंद भाला रॉड व तमंचा आदि लेकर आए थे और अकारण ही बरातियों पर टूट पड़े। जिससे बराती घायल हो गए और कई गाड़ियां के शीशे चकनाचूर हो गए।बताया कि डायल 112 को जानकारी दी।लेकिन पुलिस के आने के पहले हमलावर मौके से भाग निकले। कुछ प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि यह कस्बे के एके.47 गैंग से जुड़े युवक थे। जिन्होंने हमला किया था।बेटी के पिता ने बरात विदाई के बाद तहरीर देने की बात कही है।थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि रात में मारपीट की सूचना मिली थी।मौके पर पुलिस भेजी गई थी।

प्रेमिका ने प्रेमी व उसके माता पिता भाई पर मारपीट की दर्ज करायी रिपोर्ट

राठ(हमीरपुर)। नोएडा से आई प्रेमिका ने प्रेमी व उसके माता.पिता भाई पर मारपीट कर घर से निकाल देना का आरोप लगाते हुए कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने घायल युवती का मेडिकल परीक्षण कराया है।मुंबई के शिवाजी नगर थाना अंतर्गत गोवन्डी गांव निवासी आफरीन पुत्री जहांगीर ने बताया कि वह नोएडा की एक फैक्ट्री में सुपरवाइजर है। राठ कोतवाली के कस्बा खेड़ा गांव निवासी रामसिंह यादव भी वहीं फैक्ट्री में काम करता है। तीन साल से रामसिंह शादी का झांसा दे रहा है। शादी के लिए जब उसने दबाव बनाया तो वह वहां से भाग गया। सात नवंबर को वह नोएडा से रामसिंह घर आई थीं। तभी से वह रामसिंह के यहां है। शनिवार की शाम सात बजे रामसिंह भाई जितन संतोष पिता मुन्ना व मां ने गाली गलौज कर उसे मारा.पीटा है। उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी देते हुए घर से निकालने की कोशिश की।

पुलिस बल ने पैदल गश्त कर दिया सुरक्षा का भरोसा

संवाददाता। कानपुर देहात

एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति के निर्देश पर जनपद के सभी थाना पुलिस ने सॅवेदनशील स्थानों पर पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिया। रूरा कस्बे में एसओ जेपी शर्मा, चौकी इॅचार्ज राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने डेरापुर रोड, स्टेशन रोड, केबिन रोड, मेन रोड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य सॅवेदनशील स्थानों पर दो घण्टे से अधिक पैदल मार्च किया।

रूरा रेलवे स्टेशन पर गश्त करते एसओ जेपी शर्मा, चौकी इॅचार्ज राकेश कुमार सिंह व पुलिस बल

सर्दियों की शुरूआत में अराजकतत्वों द्वारा चोरी सहित अपराधिक घटनाओं को प्रमुखता से अॅजाम दिया जाता है, बाहरी अराजकतत्व व घुमॅतू समुदाय के लोग भी सर्दियों में अपराध की घटनाओं को अॅजाम देने में सफ्ल हो जाते है, पूर्व की घटनाओं से सबक लेते हुये एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति ने जनपद की पुलिस को ग्राउण्ड लेवल पर सक्रिय कर दिया है। जनपद के सभी थाना पुलिस ने पुलिस बल के साथ सभी प्रमुख स्थानों, मार्गों पर पैदल मार्च किया तथा लोगों को सुरक्षा का सॅदेश दिया। इसी क्रम में रूरा कस्बे में एसओ जेपी शर्मा, चौकी इॅचार्ज राकेश कुमार सिंह, एसआई चैनपाल सोलॅकी, आरक्षी यतेन्द्र चाहर सहित अन्य पुलिस बल ने कस्बे के मुख्य तिराहे तक पैदल मार्च किया, उसके बाद पुलिस बल केबिन रोड की तरफबढ गया, वहॉ से कस्बे के मेन रोड, स्टेशन रोड होते हुये रूरा रेलवे स्टेशन सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर पैदल मार्च किया, एसओ के नेतृत्व में करीब दो घण्टे तक पैदल मार्च की ड्रिल की गयी। पुलिस के पैदल मार्च से लोगों में राहत के भाव देखे गये। रूरा एसओ ने बताया कि एसपी के निर्देश पर लम्बे, सघन पैदल मार्च की ड्रिल कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया है।

जमीनी विवाद में रिक्शा चालक को पीट पीट कर मार डाला

संवाददाता। मौदहा (हमीरपुर)

शनिवार देर रात चकदहा गांव में ई रिक्शा चालक को दबंगो ने घर से बुलाकर पीट पीट कर मार डाला रविवार सुबह रिक्शा चालक का शव पुलिस ने गांव के किनारे झाडियों के पास से बरामद किया है। घटना में पुलिस की लापरवाही पूरी तरह सामने आयी है।

पुलिस के मुताबिक चकदहा गांव निवासी ई रिक्शा चालक जगन्नाथ(45) अभी हाल में ही कुछ जमीन बेची है। वह जमीन बेचकर घर का भी निर्माण करा रहा है।जगन्नाथ के भाई पंचम लाल ने पुलिस को बताया कि शनिवार को लरौद गांव निवासी एक युवक जगन्नाथ को बाइक से अपने साथ ले गया था जब वह देर रात नही लौटा तो पुलिस को सूचना दी गयी मगर पुलिस ने कोई कार्यवाही नही की जब संबंधित व्यक्ति से फोन से बात की गयी तो वह गाली गलौच करने लगा. जगन्नाथ के ससुर राजू ने बताया कि उसका दामाद गांव में घर बनवा रहा था कल शाम उसे घर से बुलाकर ले जाया गया था और पीट पीट कर हत्या कर दी गयी है। लाश को लरौद गांव के पास फेका गया है। मृतक के शरीर में चोट के निशान थे। गांव के लड़के जब दौड़ लगाने जा रहे थे तब उन्होने लाश देखी और पुलिस को सूचना दी गयी है। पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने बताया कि मामले की जांच पडताल की जा रही है मामला जमीनी विवाद का है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवा दिया है। मृतक की पत्नी जयदेवी का कहना है कि यदि पुलिस समय से कार्यवाही कर देती तो यह घटना को टाला जा सकता था। पुलिस ने कुछ लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है।

किसानों को खून के आंसू रुला रही है बेलरायां चीनी मिल

संवाददाता। निघासन खीरी

हर बार की तरह इस बार भी बेलरायां चीनी मिल किसानों को खून के आंसू रुला रही हैए नवंबर माह समाप्ति की ओर अग्रसर है लेकिन अभी तक मिल का चक्का जाम है ए अन्नदाता की उपाधि से विभूषित किसान करें भी तो क्या करे। गौरतलब है कि बेलरायां चीनी मिल स्थानीय किसानों की आर्थिक समृद्धि का द्योतक मानी जाती है लेकिन मिल प्रबंधन की लापरवाही की वजह से यह कभी समय से संचालित नहीं हो पाती हैए अभी मेंटीनेंस का कार्य चल रहा है भगवान जाने यह काम नवंबर की इतिश्री होने से पहले पूरा हो पाएगा या नहीं जबकि बाढ़ की विनाशलीला से बर्बाद हो चुके यहां के हजारों किसान अपना बचा खुचा गन्ना कोल्हू और क्रेशरों पर औने पौने दाम में बेंचने को मजबूर है। मिल न चलने से किसान गेहूं की बुआई नहीं कर पा रहा है बाढ़ की बर्बादी के बाद जो गन्ना बचा है बेलरायां चीनी मिल प्रशासन को समय से मिल चलाकर किसानों को कुछ राहत प्रदान करनी चाहिए लेकिन हर बार की तरह इस बार भी बेलरायां चीनी मिल इस समाचार के लिखे जाने तक नहीं संचालित हो सकी है । बेलरायां चीनी मिल के पूर्व उपाध्यक्ष अमनदीप सिंह के अनुसार मिल न चलने की वजह से किसानों की परेशानी काफी बढ़ गई है ए बाढ़ की वजह से किसान पहले से बर्बाद हो चुका है उन्होंने मिल समय से संचालित न हो पाने की वजह मिल प्रशासन की लापरवाही बताया । पूर्व उपाध्यक्ष अमनदीप सिंह के मुताबिक 27 या 28 नवंबर तक शायद मिल का संचालन शुरू हो सकता है ।

ज्ञातव्य है कि बेलरायां चीनी मिल से 33 गन्ना सेंटर कनेक्ट हैं जिनसे हजारों किसानों का भविष्य जुड़ा है। क्षेत्र के प्रतिष्ठित गन्ना किसान राम कृपाल लोधी विनोद वर्मा ए नेकीराम शुक्ला ए अनिल मौर्या ए जसवन्त वर्माएके के तिवारीए हरीश पाण्डेयएधनीराम मौर्या ए दुष्यंत मौर्या ए श्रीराम वर्मा तथा विधासभा भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक रत्तीराम लोधी ने नवंबर में ही हर हाल में मिल चलवाने की मांग मिल प्रशासन से की है ।

राजनीतिक दबाव में युवक की हत्या की रिपोर्ट दर्ज न होने से हंगामा

संडीला (हरदोई)। एक युवक की पिटाई के बाद हुई मौत के मामले में आक्रोशित युवक के परिजन ने शव वाहन को सड़क के बीचोबीच खड़ा कर मार्ग जाम कर दिया और जमकर नारेबाज़ी की। किसी प्रकार पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर यह जाम खुलवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अतरौली के अंतर्गत ग्राम कुरौन निवासी 25 वर्षीय संजीव पाण्डेय अपने पुत्र आरव का मुंडन कराने के लिए विगत 20 नवंबर को अपने भाई राजीव पाण्डेय के साथ सीतापुर गए थे। वापस लौटते समय ग्राम कौड़िया के पास 8 10 लोगों ने दोनों को रोका और जमकर उनकी पिटाई की जिससे दोनों भाईयों को चोटें आईं। बाद में संजीव पाण्डेय की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें लखनऊ ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। युवक की मौत के बाद मृतक के चाचा श्रवण कुमार पाण्डेय ने घटना की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी लेकिन पुलिस ने यह कहकर उन्हें टरका दिया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद एफ्आईआर दर्ज की जाएगी। मृतक युवक का शव लखनऊ से आ गया। चूंकि तब तक एफ्आईआर नहीं हुई थी इसलिए मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंनें शव वाहन को अतरौली चौराहे पर सड़क के बीचोबीच खड़ा करा दिया और तमाम लोग सड़क पर बैठकर नारेबाज़ी करने लगे। आक्रोशित परिजनों का आरोप था कि क्षेत्रीय विधायक के दबाव में पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। जाम लगने की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खुलवाने का प्रयास किया लेकिन मृतक के परिजन उसके लिए तैयार नहीं हुए। बाद में सीओ सत्येन्द्र कुमार सिंह और भारी संख्या में पुलिसबल मौके पर पहुंचा और सीओ ने काफ़ी समझा बुझाकर तथा कार्रवाई का आश्वासन देकर यह जाम खुलवाया।

प्रेमी जोड़े ने संदिग्ध परिस्थितियों में की आत्महत्या

फर्रुखाबाद। थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र में एक गांव स्थित अधबने मकान में प्रेमी जोड़े के शव पड़े होने की सूचना पर देखने बालों की भीड़ जुट गई।निर्माणाधीन मकान के कमरे में अर्धनग्न अवस्था में किशोरी का शव पड़ा थाएमकान के अहाते में युवक का शव पड़ा मिला।निर्माणाधीन मकान के बाहर झाड़ियां में एक बाइक खड़ी मिली। पुलिस अधीक्षकए एएसपी समेत भारी फोर्स मौके पर पहुंचा।प्रेमी जोड़े के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया। थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र के एक गांव में खेतों के पास अधबने मकान में रविवार सुबह दो शव पड़े मिलने से हड़कंप मच गया।सूचना पर मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अधबने मकान के आंगन में युवक की शव पड़ा मिला।वही मकान के एक कमरे में अर्धनग्न किशोरी का शव मिला।सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी नगर ऐश्वर्या उपाध्याय और फोरेंसिक टीम भी आ गई।घटना स्थल को सुरक्षित करने के बाद जांच पड़ताल की गई।लगभग आधा घंटा बाद अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय कुमार और पुलिस अधीक्षक अशोक प्रियदर्शी मौके पर पहुंचे।घटनास्थल का जायजा लिया।आस पास के लोगों को बुलाकर पहचान के प्रयास किए गए।जिसके बाद युवक और किशोरी की गांव के ही गली के निवासी की तौर पर पहचान हुई।दोनों के घरों में लगभग दो सौ मीटर पर है।

सूचना पर किशोरी की चाची और उसकी मांए दादी घटना स्थल पर आ गए। युवती की चाची ने बताया कि शुक्रवार शनिवार की रात युवती ने घर वालों को खाने में नशे की गोली मिलाकर दे दी थी।नशीला खाना खाने के बाद लड़की के माता पिता सो गए उसके बाद रात में किसी समय युवती घर से चली आई थी।इसके बाद कल यानी शनिवार को थाने में प्रार्थना पत्र देने गए तो एक दरोगा जी ने अभद्रता की और मुकदमा नहीं लिखा।युवती के परिजनों ने पुलिस पर थाने में अभद्रता करने व मुकदमा दर्ज न करने का आरोप लगाया है।

शुक्रवार शनिवार रात किशोरी अपने घर से गायब हो गई।लड़का भी अपने घर दो दिन से नहीं आ रहा था।वही लड़के का पिता भी अपने किराए के मकान में ताला डाल कर गायब हो गया।घटना के बाद उसके किराए के घर के सामने पड़ोसियों की भीड़ लगी रहीएकई तरह की कानाफूसी होती रही।घर कुछ दूर ही मृतक युवक की बुजुर्ग दादी बैठी थी।जो नाती की मौत की सूचना पर गमगीन दिखी।उन्होंने बताया कि वह अलग बेटे के साथ रहती है।

एसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि एक अधबने मकान में एक लड़का और एक लड़की के शव मिले है।उनके पास से दो पुड़िया सल्फास व युवक के पास से एक पुड़िया सल्फास मिला है।दोनों की शिनाख्त कर ली गई है। दोनों घर से भागे हुए हैं संभवत: इन दोनों का प्रेम प्रसंग था। आगे की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से निकल कर आएगी कार्रवाई की जा रही है।

शादी की तैयारी कर रहे छोटे भाई की हार्ट अटैक से मौत

सुमेरपुर (हमीरपुर)। छोटे भाई की शादी की तैयारियों के बीच बड़े भाई की हृदयाघात से मौत हो गई। यह दुखद घटना ललपुरा थानाक्षेत्र के नदेहरा गांव में हुई। घटना से परिवार में खुशी का माहौल मातम में बदल नदेहरा गांव निवासी कारेलाल वाल्मीकि ने बताया कि उसके तीसरे बेटे जितेंद्र कुमार की शादी की तैयारियां जोरों पर थीं। 25 नवंबर को बरात जानी थी। इसी खुशी में बड़ा भाई रामस्वरूप जो नोएडा में एक निजी कंपनी में इंजीनियर थे अपनी पत्नी विनीता और पुत्री सौम्या के साथ गांव पहुंचे थे। शनिवार को मंगल गीतों और मंडप गाड़ने की तैयारी के बीच रामस्वरूप को अचानक हार्ट अटैक हुआ। परिजन उन्हें तुरंत सदर अस्पताल लेकर गएए लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया जिससे पूरे परिवार और रिश्तेदारों में कोहराम मच गया। रामस्वरूप अपने पीछे पत्नी और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उनके छोटे भाई रामकिशोर यूपी पुलिस में एसआई हैं।

क्विक न्यूज

पुलिस प्रशासन ने रूटमार्च कर कराया सुरक्षा का अहसास

गुरसहायगंज, कन्नौज। पुलिस प्रशासन ने दल बल के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रूट मार्च कर जहां एकओर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया वहीं दूसरी ओर पुलिस के रूटमार्च से अराजक तत्वों में हडकम्प मच गया। संभल मामले को लेकर सतर्क हुये अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, सीओ सदर कमलेश कुमार नें नगर के जीटी रोड, रेलवे रोड, तिर्वारोड, रामंगज, समधन व मलिकपुर सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों पर सवार होकर भारी मात्रा में पुलिस बल के साथ रूटमार्च कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुये आम लोगों में कानून के प्रति भरोसा करनें का अहसास कराया। इस दौरान उन्होनें कहा कि अराजकता एवं अफ्वाह फैलानें वालों के विरुद्ध कडी कार्रवाई की जायेगी।

सड़क दुर्घटना में जीजा की मौत, साला गंभीर

संडीला (हरदोई)। बाइक से जा रहे दो लोगों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे एक युवक की मौत हो गयी तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना कासिमपुर के अंतर्गत ग्राम झौनीखेड़ा निवासी जसवंत कुमार एक वैवाहिक समारोह में भाग लेने के लिए घर आया था। वह चंडीगढ़ में रहकर काम करता था। जसवंत रात के समय अपनी पत्नी के भाई मुकेश के साथ अपनी ससुराल ग्राम कुरना टिमरुख जा रहा था। संडीला बांगरमऊ मार्ग पर ग्राम असही के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से जसवंत और मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को गंभीर हालत में सीएचसी संडीला लाया गया जबकि गंभीर रूप से घायल मुकेश को ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया।

बकरा चोरों के आतंक से ग्रामीण भयभीत

संडीला (हरदोई)। क्षेत्र में बकरा चोरों के आतंक के चलते ग्रामीण बुरी तरह परेशान हैं। चोरों ने 7 बकरे चोरी कर लिए। ग्राम सरांय मारुखपुर निवासी दिलदार हुसैन का एक बकरा घर के बाहर बंधा था। रात के समय अज्ञात चोर उसे उठा ले गए। मीतौ निवासी मोतीलाल पुत्र नारायन के घर के बाहर बंधे 4 बकरे चोर ले उड़े। ग्राम मुरारनगर निवासी माशूक अली के दो बकरे अज्ञात चोरों ने उठा लिए। क्षेत्र में बकरा चोरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। चोरों का यह गिरोह 4 पहिया वाहन से आता है और घरों के बाहर बंधे हुए जानवरों को खोल ले जाता है। पुलिस को सूचना दी गयी है।

पुरानी बिल्डिंग तोड़ते समय छत ढहने से युवक की मौत

फतेहपुर। शहर के शादीपुर मुहल्ला निवासी गफ्फार का 32 वर्षीय पुत्र अमजद खान ठेकेदार करन सिंह चौधरी के साथ काम करता है। तेलियानी ब्लाक परिसर में पुरानी सरकारी बिल्डिंग तोड़ रहा था तभी अचानक छत ढह गई। जिसके मलबे के नीचे वह दब गया। घायल का भाई आजम व आस-पास के लोगों ने तत्काल मलबा हटाकर घायल को सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के रारी गांव निवासी पद्युम तिवारी की पत्नी गुड़िया ने शनिवार की शाम उस वक्त फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जब परिवार के सभी लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त थे। मृतक के भाई ने बताया कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जिस पर उसने बहन को मारा-पीटा था जिसके चलते उसकी बहन ने घटना को अंजाम दिया है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

फतेहपुर। खागा रेलवे स्टेशन के सुजरही के समीप शनिवार की शाम रेलवे लाइन पार करते समय 30 वर्षीय युवक ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। किशनपुर थाना क्षेत्र के दसईपुर गांव निवासी देवपाल का पुत्र धीरेन्द्र प्रयागराज जाने के लिए घर से निकला था बताते हैं कि जब वह सुजरही के समीप रेलवे लाइन पार कर रहा था तभी ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

एडिशनल कमिश्नर ने पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया

गुरसहायगंज, कन्नौज। आगामी चुनावों की तैयारी को लेकर कानूपर मण्डल की एडिशनल कमिश्नर रेनू देवी ने नायब तहसीलदार व लेखपाल के साथ कस्बा समधन के विभिन्न पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण के तहत बन रहे नये वोटो की जानकारी ली। रविवार को क्षेत्र के कस्बा समधन स्थित विद्यालय में पहुंची कानपुर मण्डल की एडिसनल कमिश्नर रेनू देवी नें चुनावी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पोलिंग बूथों पर चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। बीएलओ से बूथवार जानकारी लेने के उपरान्त मतदाताओं से सूची का अवलोकन करनें की अपील करते हुये कहा कि मतदाता सूची में कोई त्रुटि न हो और सभी मतदाताओं को चुनाव में भाग लेने का अवसर मिल सके।

मारपीट में घायल वृद्ध की उपचार दौरान मौत, पुलिस में शुरु की जांच पडताल

सुमेरपुर(हमीरपुर)। सौंखर गांव में 15 दिन पहले मकान की दीवार को लेकर हुए विवाद में घायल वृद्ध ने इलाज के दौरान कानपुर में दम तोड़ दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने पूर्व में चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज किया था और अब गैर इरादतन हत्या की धारा जोड़कर मामले की विवेचना की जा रही है। सौंखर गांव निवासी मैयादीन का 10 नवंबर की रात करीब 9 बजे पड़ोसी से मकान की दीवार बढ़ाने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि पड़ोसी आशीषए दीपकए मालती और गीता ने एक राय होकर लोहे की रॉड से मैयादीन पर हमला कर दियाए जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मैयादीन को इलाज के लिए कानपुर ले जाया गयाए जहां रविवार को उनकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र प्यारेलाल ने चारों आरोपियों के खिलाफ पहले ही मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था।

विवाहिता का फांसी के फंदे पर लटका मिला शव

- परिजनों ने लगाया ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के निहालपुर सानी गांव निवासी हरी प्रसाद यादव के घर 24 वर्षीय विवाहिता महिला जलसा देवी का संदिग्ध अवस्था में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ शव मिला। घर वालों ने शव को देखा तो कोहराम मच गया। खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। जब इसकी जानकारी मायके पक्ष को हुई तो मानो उनके पैरों तले जमीन ही खिसक गई हो। मायके पक्ष के लोग लड़की की ससुराल पहुंचे और देखा कि शव जमीन पर पड़ा है। मायके पक्ष की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर लिखापढ़ी कर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

खागा कोतवाली क्षेत्र के बंशु का पुरवा मजरे कस्बा सोहन गांव के रहने वाले रामन सिंह ने सुल्तानपुर घोष थाना में लिखित शिकायती पत्र देते हुए बताया कि अपनी 24 वर्षीय पुत्री जलसा देवी की शादी सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के निहालपुर सानी गांव के रहने वाले हरी प्रसाद यादव के पुत्र शिवकुमार के साथ 31 मई सन् 2023 को हिंदू रीति रिवाज के साथ किया था। अपनी क्षमता के अनुसार पूरा दान दहेज भी दिया था लेकिन ससुरालीजन इससे खुश नहीं थे। आए दिन किसी न किसी बात को लेकर बेटी से वाद विवाद किया करते थे। मायके से एक लाख रूपये लेकर आने की बात कहते थे। पीता ने बताया कि शनिवार की शाम लगभग पांच बजे दामाद शिव कुमार ने फोन करके बताया कि जलसा देवी की मृत्यु हो गई है। दहेज के लोभी शिव कुमार, हरी प्रसाद यादव, विद्या देवी, राज कुमार व राजकुमार की पत्नी इन सभी लोगों ने मिलकर बेटी को फांसी के फंदे पर लटकाकर मार दिया है। थानाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर लिखापढ़ी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मौत कैसे हुई है।

गंगा स्वच्छता में पांचाल घाट पर 50 लोगो ने की सफाई

फर्रुखाबाद। रविवार सुबह कादरीगेट थाना क्षेत्र के पांचाल घाट पर गंगा नदी के तटों की सफाई के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार सिंहए क्षेत्राधिकारी नगर ऐश्वर्या उपाध्याय और कादरीगेट थाना अध्यक्ष आमोद कुमार सिंह ने किया। इस पहल का उद्देश्य गंगा नदी की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखना था।अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों और व्यापारियों से अपील की कि वे गंगा नदी को साफसुथरा रखने में सहयोग करें। कचरा प्रबंधन और तटों पर गंदगी न फैलाने के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक संदेश दिए गए।थाना अध्यक्ष आमोद कुमार सिंह ने अभियान के दौरान कहाए श्गंगा केवल एक नदी नहीं हैए यह हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर है। इसे स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। स्वच्छ तट न केवल पर्यावरण के लिए फायदेमंद हैंए बल्कि यह पर्यटन को भी बढ़ावा देगा।

इस अभियान में 50 से अधिक स्थानीय निवासियोंए स्वयंसेवकों और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। सफाई के दौरान करीब 200 किलोग्राम कचरा एकत्र किया गयाए जिसमें प्लास्टिकए पॉलिथीन और अन्य गैर.बायोडिग्रेडेबल वस्तुएं शामिल थीं। कचरे को अलग कर निपटाने के लिए नगर निगम के सहयोग से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र भेजा गया। अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार सिंह ने कहाए श्गंगा को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। यह अभियान सिर्फ शुरुआत है। भविष्य में भी ऐसे स्वच्छता अभियान नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्राधिकारी नगर ऐश्वर्या उपाध्याय ने कहाए श्हमारा उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि उनकी छोटी.छोटी आदतें जैसे कि तट पर कचरा न फेंकनाए गंगा को स्वच्छ रखने में बड़ा योगदान दे सकती हैं।

अधिकारियों ने घोषणा की कि इस तरह के स्वच्छता अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे। गंगा नदी के तटों को साफ रखने के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनाई जा रही हैए जिसमें स्थानीय समुदायए सरकारी एजेंसियों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

एनसीसी युवाओं को शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त बनाता है: अर्पित शुक्ला

एनसीसी कैडेटों का उत्साहबर्धन करते ग्राम प्रधान/सपा नेता।

- ग्राम प्रधान ने एनसीसी दिवस पर कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया

गुरसहायगंज, कन्नौज। एनसीसी दिवस के मौके पर समाजवादी पार्टी के युवा नेता/ग्राम प्रधान अर्पित शुक्ला उर्फ गोलू ने एनसीसी के कैडेट्स से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। एनसीसी के योगदान की सराहना की और युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं समाज सेवा में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। रविवार को क्षेत्र के ग्राम अमोलर स्थित शारदा देवी इण्टर कॉलेज में एनसीसी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में युवा सपा नेता/ग्राम प्रधान अर्पित शुक्ला नें कहा कि एनसीसी भारतीय युवाओं को देश की सेवा में उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान करने का एक सशक्त मंच है। एनसीसी न केवल युवाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्हें मानसिक रूप से भी दृढ़ और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। एनसीसी कैडेट्स के प्रशिक्षण, उनके साहस और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह युवा राष्ट्र की ताकत हैं और वे आने वाले समय में देश की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस दौरान सीएचवीआईएस इण्टर कॉलेज प्रधानाचार्य चौधरी सूर्य प्रताप सिंह यादव, राहुल यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

दहेज लोभी नहीं लाए बारात चार पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र अंतर्गत औरई गांव का एक मामला प्रकाश में आया है, जिसमें अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर वर पक्ष द्वारा वधू पक्ष पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था और जब वधू के पिता ने अतिरिक्त दहेज की मांग को दे पाने में असमर्थता जाहिर की तो वर पक्ष द्वारा शादी से इंकार करते हुए इस मामले की शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी दी है। वधू के पिता पर क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों के द्वारा दबाव भी बनाया जा रहा है। पीड़ित पिता थरियाव थानाध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत हुआ। थानाध्यक्ष ने वर पक्ष के चार लोगों के खिलाफ डीपी एक्ट 3/4 समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज करते हुए न्याय दिलाने का भरोसा दिया है।

थरियांव थाना क्षेत्र के औरई गांव निवासी शिवनारायण पुत्र स्वर्गीय सिद्धार कैथल ने अपनी पुत्री अनीता देवी की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व खागा कोतवाली क्षेत्र के तिलकापुर गांव निवासी हरिश्चंद्र कैथल के पुत्र कुलदीप के साथ तय की थी। पीड़ित पिता के द्वारा शादी के लिए तय किए गए बयाना परीक्षा के तौर पर दो लाख दस हज़ार रूपये वर पक्ष को पूर्व में दे दिए गए थे। अन्य सामान बारात आने पर देने पर सहमति बनी थी। पीड़ित ने बताया कि बीती 23 नवंबर को बेटी की बारात दरवाजे आनी थी, किंतु बेटी के ससुरालीजनों ने अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर बीती 15 नवंबर को उनके घर आकर मांग की अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी करने पर असमर्थता जाहिर करने पर वर पक्ष नाराज हो गया और गाली-गलौज करते हुए मांग पूरी न होने पर बारात लाने से मना कर दिया। इस मामले की शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। एक बेटी का बाप होने के नाते पीड़ित ने वर पक्ष से काफी मिन्नतें एवं गुहार लगाई, किंतु उसकी एक न सुनी गई और बारात लाने से मना करते हुए शादी से इंकार कर दिया।

नगर पॅचायत कर्मियों ने कस्बे के मुख्य तिराहे के पास खराब जलापूर्ति लाइन की मरम्मत का काम जारी

रूरा, कानपुर देहात। सॅवेदनशील व जागरूक नगर पॅचायत अध्यक्ष रामजी गुप्ता के निर्देशन में नगर पॅचायत कर्मियों ने कस्बे के मुख्य तिराहे के पास खराब जलापूर्ति लाइन की मरम्मत का काम सारी रात्रि किया। सुबह साढे छह बजे हलॉकि जलापूर्ति शुरू होने के कुछ देर बाद फिर पाइप लाइन में छोडे गये पानी के वेग से लीकेज हो गया। सुबह कडी मशक्कत के बाद नियमित जलापूर्ति शुरू कर दी गयी। रूरा चैयरमैन रामजी गुप्ता अपनी विनम्रता, सौजन्यता के साथ जनता की परेशानियों की सॅवेदनशीलता के लिये जाने जाते है। कस्बे के दक्षिणी हिस्से में बीते दो तीन दिनों से जलापूर्ति लाइन में बालू के अवरोध के चलते लो प्रेशर की समस्या चल रही थी, चैयरमैन ने पहले सीवर लाइन खाली करने वाली मशीन के माध्यम से पाइप लाइन में फॅसे मलबे, बालू इत्यादि को हटाने का भरसक प्रयास किया, तीन दिनों के इस अभियान के बावजूद लोगों को निर्बाध जलापूर्ति सम्भव नहीं हो पा रही थी।

पाइप लाइन की मरम्मत करते नपॅ0 कर्मी

शनिवार की शाम को कस्बे के मुख्य तिराहे पर जेसीबी मशीन के माध्यम से खुदाई कर आधा दर्जन से अधिक नगर पॅचायत कर्मियों की टीम को चैयरमैन ने लगाया। सारी रात्रि खुदाई व पाइप लाइन की मरम्मत का काम चलता रहा। सुबह छह बजे के करीब जलापूर्ति शुरू कर दी गयी परन्तु कुछ देर बाद दोनों पानी की टॅकियों से छोडे गये पानी के वेग से पाइप लाइन फिर से लीकेज हो गयी, रविवार की सुबह 10 बजे पर्याप्त प्रेशर के साथ जलापूर्ति शुरू कर दी गयी। पाइप लाइन की मरम्मत के दौरान प्रमुख रूप से लिपिक सैनूर अहमद, विकास कुशवाहा, ओम सहित अन्य नगर पॅचायत कर्मी मौजूद रहे। पाइप लाइन में बालू व अन्य अवरोधों के चलते जलापूर्ति ऑशिक रूप से प्रभावित थी, जिसको शनिवार व रविवार की रात्रि अभियान चलाकर दुरूस्त कर दिया गया है, कस्बे के दक्षिणी हिस्से के लोगों को अब नियमित निर्बाध जलापूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुसार की जायेगी।

महायुति के नेता, भाजपा नेतृत्व तय करेगा- कौन होगा महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री : बावनकुले

मुंबई (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता और भाजपा का नेतृत्व यह तय करेगा कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। बावनकुले ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने कांग्रेस को खारिज कर दिया है और इसकी प्रदेश इकाई के प्रमुख नाना पटोले मात्र 200 मतों के अंतर से चुनाव जीते हैं। महाराष्ट्र में 288 सदस्ईय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। चुनाव परिणाम शनिवार को घोषित किए गए। महायुति गठबंधन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल हैं। विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) सिर्फ 46 सीट ही जीत सका। एमवीए में कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) शामिल हैं। भाजपा को 132 सीट मिलीं, शिवसेना को 57, जबकि राकांपा को 41 सीट मिलीं। एमवीए में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 सीट जीतीं, कांग्रेस ने 16 सीट जीतीं, जबकि शिवसेना (उबाठा) ने 20 सीट पर जीत दर्ज की।

बावनकुले ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में समाज के सभी वर्गों ने भाजपा का समर्थन किया। राज्य के अगले मुख्यमंत्री को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, इस संबंध में निर्णय महायुति के नेताओं और भाजपा संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया गठबंधन की शासन योजना के अनुरूप होगी। बावनकुले ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने कांग्रेस को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पटोले को अपने कुछ सहयोगियों की बात पर ध्यान देना चाहिए जो प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के पद से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष के नेता पद के लिए किसी भी पार्टी को पर्याप्त सीट नहीं मिलने के लिए कांग्रेस के झूठ को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की भारी जीत के बाद राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद किसी को नहीं मिल सकेगा, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के बाहर कोई भी दल इसके लिए अनिवार्य 29 सीट हासिल नहीं कर सका है। बावनकुले ने कहा, इस विधानसभा चुनाव में जनता का जनादेश कांग्रेस के खिलाफ है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष का नेता न होना कांग्रेस के कर्म का फल है। उन्होंने कांग्रेस की पिछली सफलताओं, विशेषकर इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए दावा किया कि विपक्षी दल लोगों को गुमराह कर रहा है। बावनकुले ने कहा, कांग्रेस लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को मूर्ख बनाने में सफल रही, लेकिन इस विधानसभा चुनाव में वह उस सफलता को दोहराने में विफल रही। उन्होंने पटोले पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे थे, लेकिन वह किसी तरह डाक मतपत्रों की मदद से अपनी सीट जीतने में कामयाब रहे। भाजपा नेता ने कहा, यदि वह इस परिणाम से सबक नहीं सीखते हैं, तो अगले विधानसभा चुनाव के बाद वह सदन में नहीं रहेंगे। बावनकुले ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र में एक बड़ा सदस्यता अभियान शुरू करने की योजना बना रही है। भाजपा नेता ने भविष्य में होने वाले चुनावों को लेकर पार्टी का विस्तार करने की वकालत करते हुए कहा, हमारा लक्ष्य पार्टी में 1.51 करोड़ नए प्राथमिक सदस्यों को शामिल करना है।

सीआरपीएफ ने छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा प्रभावित इलाकों में तीन नए शिविर स्थापित किए

रायपुर (भाषा)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सली हिंसा प्रभावित जिलों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने तीन नए अग्रिम शिविर स्थापित किए हैं ताकि सुरक्षा बलों को नक्सल रोधी अभियान शुरू करने के लिए रणनीतिक केंद्र बनाने के वास्ते स्थान उपलब्ध कराया जा सके। सुकमा जिले के तुम्पलपाड़ एवं रायगुडेम और निकटवर्ती बीजापुर जिले के कोंडापल्ली में अग्रिम संचालन केंद्र (एफओबी) स्थापित किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में इन शिविरों का संचालन शुरू कर दिया गया है। केंद्रीय बल राज्य के उन अत्यधिक नक्सल प्रभावित इलाकों में पैठ बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है, जहां वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) के खिलाफ लड़ाई अंतिम चरण में है।उन्होंने बताया कि ए एफओबी सीआरपीएफ और राज्य पुलिस इकाइयों सहित सभी सुरक्षा बलों के लिए कार्वाई की शुरुआत करने के रूप में कार्य करेगा, जहां मुख्य क्षेत्रों में विशिष्ट और खुफिया-आधारित नक्सल रोधी अभियान शुरू करने के लिए रणनीति तैयार की जा सकेगी।

झारखंड में हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल के चार मंत्री विधानसभा चुनाव हारे

रांची (भाषा)। झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के साथ लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटने के बावजूद हेमंत सोरेन सरकार के चार प्रमुख मंत्रियों को शनिवार को करारी हार का सामना करना पड़ा। विधानसभा चुनाव में जो मंत्री हारे हैं उनमें कई विवाद खड़े करने वाले स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और जल संसाधन मंत्री मिथिलेश ठाकुर शामिल हैं। अन्य दो मंत्रियों में शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम और समाज कल्याण मंत्री बेबी देवी शामिल हैं। देवी के विभाग ने लोकलुभावन मंईयां सम्मान योजना शुरू की थी जिसने राज्य में झामुमो नीत गठबंधन की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस योजना के तहत 18-50 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है और झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने इसे बढ़ाकर 2,500 रुपए प्रति माह करने का वादा किया है। वर्तमान में इस योजना से झारखंड में लगभग 57 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस के बन्ना गुप्ता जमशेदपुर पश्चिम सीट से जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के सरयू रॉय से 7,863 मतों से हार गए। झामुमो के मिथिलेश कुमार ठाकुर को गढ़वा में भाजपा के सत्एंद्र नाथ तिवारी ने 16,753 मतों से हराया। लातेहार से चुनाव लड़ रहे झामुमो के बैद्यनाथ राम भाजपा के प्रकाश राम से 434 मतों के मामूली अंतर से हार गए। डुमरी सीट पर झामुमो की बेबी देवी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के जयराम कुमार महतो से 10,945 मतों के अंतर से हार गईं। देवी को अप्रैल 2023 में कोविड-19 संबंधी जटिलताओं के कारण उनके पति जगरनाथ महतो के निधन के बाद मंत्री के रूप में शामिल किया गया था।

पुरी जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने एएसआई से रत्न भंडार का मरम्मत कार्य शुरू करने का आग्रह किया

भुवनेश्वर(भाषा)। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों से पुरी स्थित 12वीं सदी के मंदिर के संपूर्ण रत्न भंडार की मरम्मत, रखरखाव और संरक्षण कार्य तुरंत शुरू करने का अनुरोध किया है। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पधी ने शनिवार को कहा कि मंदिर प्रशासन रत्न भंडार की मरम्मत और रखरखाव में एएसआई को अपना पूरा सहयोग देगा। पधी ने कहा, हमें एएसआई द्वारा किए गए रत्न भंडार के जीपीआर-जीपीएस सर्वेक्षण की रिपोर्ट मिल गई है। उन्होंने कहा कि एसजेटीए हमेशा से मंदिर की स्थिरता और सुरक्षा को लेकर सतर्क रहा है। इससे पहले, एएसआई ने हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) की सहायता से 12वीं सदी के मंदिर के रत्न भंडार का जीपीआर-जीपीएस सर्वेक्षण किया था। पधी ने कहा कि एएसआई ने सर्वेक्षण पर 45 पन्नों की रिपोर्ट दी है। उन्होंने कहा, रत्न भंडार के फर्श और दीवार को नुकसान पहुंचने का संकेत मिला है। हालांकि, तकनीकी रिपोर्ट का हमारी टीम द्वारा और अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है। अधिकारियों ने कहा कि रत्न भंडार को मूल्यवान सामान की सूची तैयार करने और इसकी संरचना की मरम्मत के लिए 46 साल बाद इस साल जुलाई में फिर से खोला गया था।

कैलाश मकवाना होंगे मध्यप्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक

भोपाल (भाषा)। मध्यप्रदेश सरकार ने 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना को राज्य का अगला पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। शनिवार देर रात जारी एक आदेश में कहा गया कि मकवाना मौजूदा डीजीपी सुधीर सक्सेना का स्थान लेंगे। सक्सेना 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मकवाना वर्तमान में एमपी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष हैं। वह एक दिसंबर को राज्य के नए डीजीपी का पदभार संभालेंगे। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1987 बैच के अधिकारी सक्सेना को मार्च 2022 में मध्यप्रदेश का डीजीपी नियुक्त किया गया था।

मणिपुर में विधायकों के आवासों पर आगजनी के मामले में सात और लोग गिरफ्तार

इंफाल (भाषा)। मणिपुर की इंफाल घाटी में विधायकों के आवासों पर 16 नवंबर को हुई तोड़फोड़ तथा आगजनी की घटना में शामिल होने के आरोप में सात और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि पिछले दो दिनों में ए गिरफ्तारियां की गईं। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि काकचिंग जिले से शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया कि इस मामले में सात और लोगों की गिरफ्तारी के साथ अब तक कुल 41 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 16 नवंबर को प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ कानूनी कार्वाई शुरू कर दी गई है। सिंह ने संवाददाताओं से कहा, लोकतांत्रिक आंदोलन के नाम पर कुछ गिरोहों ने मंत्रियों एवं विधायकों के घरों में लूटपाट तथा आगजनी की। सीसीटीवी के जरिए संदिग्धों की पहचान की गई और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मुझे सार्वजनिक रूप से यह कहते हुए शर्म आती है कि मणिपुर में ऐसी चीजें हो रही हैं।

केंद्र ने एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांग आरक्षण के लिए दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्र ने कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण और पदों की पहचान सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें ऐसे पदों की समय-समय पर पहचान और उनका मूल्यांकन करने के लिए समितियों का गठन अनिवार्य किया गया है। दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि यदि कोई पद दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उपयुक्त समझा जाता है, तो उसके बाद के सभी पदोन्नति वाले पद भी दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित रहेंगे। ए दिशानिर्देश दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप हैं। यह कदम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 के कार्यान्वयन में विसंगतियों को चिन्हित करने तथा पदों की पहचान करने में अनधिकृत कार्यों के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) जैसी संस्थाओं की आलोचना करने के बाद उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में टिप्पणी की थी कि केवीएस ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए स्वतंत्र रूप से पदों की पहचान करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया है और विभिन्न विभागों के बीच अधिनियम की समझ में विसंगतियों को उजागर किया है। अदालत ने इसके साथ दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को एक समान दिशानिर्देश स्थापित करने का आदेश दिया। अद्यतन दिशानिर्देशों का उद्देश्य केंद्र सरकार के प्रतिष्ठानों में दिव्यांग व्यक्तियों के रोजगार में समावेशिता, निष्पक्षता और एकरूपता सुनिश्चित करना है।

महाराष्ट्र चुनाव की हार पर सामूहिक रूप से आत्मचिंतन करेंगे: कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम, नई दिल्ली (भाषा)। भाजपा नीत गठबंधन महायुति की महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के एक दिन बाद कांग्रेस ने रविवार को कहा कि वह और महा विकास आघाडी (एमवीए) के अन्य सहयोगी दल इन चुनावों में अपनी चौंकाने वाली हार के कारणों का पता लगाने के लिए मिलकर आत्मचिंतन करेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्ईय विधानसभा की 230 सीट पर जीत दर्ज की। कांग्रेस नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) महज 46 सीट पर सिमटकर रह गई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले और अविश्वसनीय हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा, हमें समझ में नहीं आ रहा कि क्या हुआ। यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की हार नहीं है, बल्कि पूरे महा विकास आघाडी की हार है। पहले हमें यह स्पष्ट रूप से समझ लेने दीजिए कि हुआ क्या है। वेणुगोपाल ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में हार के बाद वह पूरी चुनाव प्रक्रिया को लेकर हैरान हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों में किसी तरह की गड़बड़ी की आशंका है, उन्होंने कहा कि वे हार के तुरंत बाद ऐसा कोई आरोप नहीं लगा रहे। उन्होंने कहा, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के गढ़ों में हमें बड़ा झटका लगा है। यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे गठबंधन की विफ्लता है इसलिए हम साथ बैठकर (इसके कारणों का) सामूहिक रूप से आत्मनिरीक्षण करेंगे। निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि भाजपा ने 132 सीट, शिवसेना ने 57 और राकांपा ने 41 सीट जीती हैं। एमवीए में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 सीट, कांग्रेस ने 16 और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 20 सीट जीती हैं। वायनाड में प्रियंका गांधी वाद्रा की भारी बहुमत से जीत के बारे में पूछे जाने पर एआईसीसी महासचिव ने कहा कि यह पूरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास का नतीजा है।

संसदीय समिति लेटरल एंट्री के मुद्दे की पड़ताल करेगी

नई दिल्ली (भाषा)। सरकारी विभागों में प्रमुख पदों को भरने के लिए लेटरल एंट्री के मुद्दे की एक संसदीय समिति द्वारा पड़ताल की जाएगी। इस साल की शुरुआत में इन पदों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं किए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। लोकसभा सचिवालय द्वारा सार्वजनिक किए गए विवरण के अनुसार, कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थाई समिति द्वारा 2024-25 में पड़ताल के लिए चुने गए विषयों में सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री भी शामिल है। इस वर्ष अगस्त में संघ लोक सेवा आयोग ने 45 पदों के लिए विज्ञापन दिया था, जिन्हें अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भरा जाना था। इनमें से 10 संयुक्त सचिव और 35 निदेशक एवं उप सचिव के पद थे। इस विज्ञापन पर विपक्षी दलों के साथ-साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) और जनता दल (यूनाइटेड) जैसी सहयोगी पार्टियों ने भी विरोध जताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बसपा प्रमुख मायावती और सपा के अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं करने पर सरकार की नीति की आलोचना की थी। इसके बाद सरकार ने यूपीएससी से अपना विज्ञापन रद्द करने को कहा। नौकरशाहों की भर्ती आमतौर पर सिविल सेवा परीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है, लेकिन लेटरल एंट्री के जरिए सीमित अवधि के लिए सीधे भर्ती की जाती है।

अपने चाचा की छाया से बाहर निकले अजित पवार, बारामती में पकड़ बरकरार रखी

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने राजनीतिक जीवन के अंत की भविष्यवाणियों को गलत साबित करते हुए विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को शानदार जीत दिलाकर और मतों के भारी अंतर से अपनी सीट बरकरार रखकर महायुति में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। राकांपा संस्थापक शरद पवार के खिलाफ बगावत करने के एक साल से अधिक समय बाद वह अब अपने चाचा की छाया से बाहर आ गए हैं और उन्होंने राज्य की राजनीति में अपनी जगह मजबूत कर ली है। विभिन्न सरकारों में कई बार उपमुख्यमंत्री रह चुके 65 वर्षीय अजित पवार की मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा छिपी नहीं है लेकिन उनका यह सपना अब भी अधूरा है।

अजित पवार ने इस वर्ष के शुरू में जब लोकसभा चुनाव में अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ बारामती से चुनाव मैदान में उतारा तो उनकी राजनीतिक सूझबूझ पर संदेह पैदा हो गया था। सुप्रिया सुले राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार की बेटी हैं। सुनेत्रा पवार चुनाव हार गईं और बाद में अजित पवार को उन्हें मैदान में उतारने पर अफसोस हुआ। बहरहाल, शरद पवार द्वारा अजित के खिलाफ आक्रामक प्रचार किए जाने के बावजूद राकांपा प्रमुख ने अब पारिवारिक गढ़ बारामती विधानसभा क्षेत्र पर अपनी पकड़ बरकरार रखी है।

राज्य की 288 सदस्ईय विधानसभा के चुनावों के परिणामों के अनुसार, अजित पवार की पार्टी ने 59 सीट पर चुनाव लड़कर 41 सीट जीतीं और 9.01 प्रतिशत मत प्रतिशत हासिल किए। यह 2024 के लोकसभा चुनाव में राकांपा के खराब प्रदर्शन के बिलकुल विपरीत है। पार्टी ने राज्य की चार लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ा था जिनमें उसे केवल एक सीट मिली थी। अजित पवार ने अपने भतीजे और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार युगेंद्र पवार को बारामती सीट पर एक लाख से अधिक मतों से हराया। अजित पवार ने पुणे जिले में स्थित अपने पारिवारिक गढ़ बारामती से आठवीं बार चुनाव लड़ा और उन्हें 1,81,132 वोट मिले, जबकि युगेंद्र पवार को 80,233 वोट हासिल हुए। इस तरह अजित पवार ने अपने छोटे भाई के बेटे युगेंद्र को 1,00,899 के अंतर से हरा दिया।

पेज 1 का शेष

संभल में ...

सरकार शासन की विफलताओं और चुनाव संबंधी कदाचार पर चर्चा को दरकिनार करने के लिए ऐसी घटनाओं का उपयोग कर रही है। हिंसा के बाद, ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मुस्लिम समुदाय से शांति बनाए रखने और हिंसा से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'इस्लाम शांति को बढ़ावा देता है और हमें पैगंबर के संदेश का पालन करना चाहिए। ऐतिहासिक जामा मस्जिद को लेकर कानूनी लड़ाई अदालत में मजबूती से लड़ी जाएगी।'

हंगामेदार होगा...

किसी भी 'तकनीकी' आधार पर उनकी मांग को अस्वीकार या अनदेखा नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह भारतीय संस्थानों और निवेशकों से जुड़ा मामला है। अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी, जिनके समूह में बिजली से लेकर बंदरगाहों तक के क्षेत्रों को कवर करने वाली कई कंपनियाँ शामिल हैं, पर अमेरिकी अभियोजकों ने चार भारतीय राज्यों में सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन अमरीकी डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने की योजना का कथित रूप से हिस्सा होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भी कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर प्राथमिकता के आधार पर चर्चा करने के लिए अन्य व्यवसायों को अलग रखना चाहिए। मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाते हुए, गोगोई ने कहा कि सत्तारूढ़ सरकार ने झारखंड के मुख्यमंत्री (हेमंत सोरेन) को जेल में डाल दिया और जम्मू-कश्मीर में कई कारणों से बदलाव किए, लेकिन हिंसा में कथित संलिप्तता के बावजूद मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह पर अपना भरोसा बनाए रखा। उन्होंने कहा कि इस मामले पर संसद में बहस होनी चाहिए। शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा। बैठक में आंध्र प्रदेश से भाजपा के दो सहयोगी दलों - तेलुगु देशम पार्टी और जन सेना पार्टी - ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत 2014 में राज्य के विभाजन के दौरान किए गए वादों के लंबित कार्यान्वयन का मुद्दा उठाया और कहा कि संसद को उनकी वर्तमान स्थिति पता होनी चाहिए। टीडीपी नेता लावु श्री कृष्ण देवरायलु ने कहा, 'हम चाहते हैं कि सरकार स्थिति को रिकॉर्ड में रखे।' उन्होंने कहा कि कुछ वादे पूरे हो गए हैं और कुछ पर काम चल रहा है, लेकिन कुछ अभी भी अधूरे हैं। जन सेना नेता बालाशॉरी वल्लभनेनी ने भी इसी तरह की बात कही। डीएमके ने केंद्र से वक्फ (संशोधन) विधेयक वापस लेने को कहा, जिसे सरकार कई मुस्लिम संगठनों के विरोध के बावजूद सत्र में पेश करने की इच्छुक है। वक्फ पैनल में विपक्षी सदस्य अपनी रिपोर्ट जमा करने के लिए समयसीमा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। जेपीसी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल पर समिति की बैठकों में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से हस्तक्षेप की मांग की। इस मामले पर टिप्पणी करते हुए रिजिजू ने कहा कि जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाने का प्रावधान है लेकिन अब तक इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जेपीसी की समयसीमा बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति सही मंच है। वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक समेत आठ विधेयक लोकसभा में लंबित हैं। लोकसभा बुलेटिन के अनुसार दो विधेयक राज्यसभा में लंबित हैं। राज्यसभा बुलेटिन में कहा गया है कि लोकसभा द्वारा पारित एक अतिरिक्त विधेयक - भारतीय वायुयान विधेयक - उच्च सदन में लंबित है। देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रस्तावित विधेयकों का एक सेट अभी सूची का हिस्सा नहीं है, हालांकि कुछ रिपोर्टों ने सुझाव दिया है कि सरकार आगामी सत्र में प्रस्तावित कानून ला सकती है।

भविष्य पर...

सहयोगी दलों के नेताओं के बीच बैठकें भी जरूरी हो गई हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने शनिवार को 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें जीतकर राज्य में सत्ता बरकरार रखी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का सत्ता हासिल करने का सपना चकनाचूर हो गया, क्योंकि विपक्षी गठबंधन सिर्फ 46 सीटें हासिल करने में कामयाब रहा। भाजपा को 132 सीटें मिलीं, एसएस ने 57, जबकि एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। एमवीए में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) (एनसीपी-एसपी) के उम्मीदवारों ने 10 सीटें जीतीं। बावनकुले ने कहा कि सीएम पर फैसला महायुति के नेताओं और भाजपा के संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'चयन प्रक्रिया गठबंधन की शासन योजनाओं के अनुरूप होगी।' उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में महायुति की भारी जीत के बाद राज्य विधानसभा विपक्ष के नेता के बिना रह जाएगी, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के बाहर कोई भी पार्टी अनिवार्य न्यूनतम 29 सीटें नहीं जीत पाई है। बावनकुले ने कहा, इस विधानसभा चुनाव में लोगों का जनादेश कांग्रेस के खिलाफ है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष का नेता न होना कांग्रेस का कर्म है। एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि लड़की बहन योजना, बड़ी संख्या में मतदान में महिलाओं की भागीदारी और धार्मिक ध्रुवीकरण ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महायुति की जीत में भूमिका निभाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि शनिवार को घोषित चुनाव परिणाम अपेक्षित लाइनों पर नहीं हैं, लेकिन वह अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करेंगे। सक्रिय राजनीति से अपने संन्यास के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए पवार ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के सहयोगी फैसला करेंगे। एसएस (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा महायुति के पक्ष में आए बड़े फैसले पर संदेह व्यक्त करने के एक दिन बाद ईवीएम पर एक प्रश्न का जवाब देते हुए पवार ने कहा कि वह ईवीएम के बारे में तभी बोलेंगे जब उनके पास आधिकारिक आंकड़े होंगे।

हेमंत 28...

दी है। उन्होंने कहा, 'आज हमने मौजूदा सरकार के लिए अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है और अगली सरकार बनाने का प्रस्ताव रखा है। अब हम अगले कदमों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।' सोरेन ने यह भी बताया कि शपथ ग्रहण समारोह बृहस्पतिवार, 28 नवंबर को रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में होगा, हालांकि उन्होंने नए मंत्रिमंडल की संरचना के बारे में विवरण साझा करने से इनकार कर दिया। इससे पहले दिन में इंडिया ब्लॉक के विधायकों ने मुख्यमंत्री के आवास पर बैठक की, जहाँ सोरेन को सर्वसम्मति से गठबंधन का नेता चुना गया। माना जा रहा है कि झामुमो से सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही छह विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। इनमें कांग्रेस से चार, राजद से एक और झामुमो से एक विधायक शामिल हैं। गठबंधन सरकार में भाकपा माले को शामिल करने और मंत्रिमंडल में नए चेहरे शामिल किए जाने की संभावना पर भी चर्चा चल रही है। हेमंत सोरेन के मंत्रिमंडल के चार मंत्री विधानसभा चुनाव हार गए हैं, ऐसे में मंत्रिमंडल में नए चेहरे शामिल किए जाने की संभावना है। कहा जा रहा है कि झामुमो के वफादार चेहरों के अलावा हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन या उनके भाई बसंत सोरेन को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। कांग्रेस की ओर से प्रदीप यादव, रामेश्वर उरांव, आरके किशोर जैसे वरिष्ठ नेताओं और शिल्पी नेहा तिर्की, सोना राम सिंकू, श्वेता सिंह और जयमंगल सिंह जैसे युवा नेताओं को मंत्री पद के लिए संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव 28 नवंबर को सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद हेमंत सोरेन ने रांची के मोरहाबादी मैदान में एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जहां उनके साथ महागठबंधन के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

किंग कोहली...

बड़ी जीत का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के नाम है जिसने मई 2003 में सेंट जोंस में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात विकेट पर 418 रन बनाकर जीत दर्ज की थी।ऑस्ट्रेलिया में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम है जिसने दिसंबर 2008 में पर्थ के ही वाका मैदान पर चार विकेट पर 406 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। भारत की दूसरी पारी में तीसरे दिन का दूसरा सत्र ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे सफल रहा जिसमें टीम ने चार विकेट चटकाए। भारत ने सत्र की शुरुआत एक विकेट पर 275 रन से की और 321 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। कोहली और सुंदर ने इसके बाद पारी को संभाला। कोहली ने स्टार्क जबकि सुंदर ने ट्रेविस हेड पर छक्का मारा। कोहली ने कमिंस की गेंद पर तीन रन के साथ 94 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। सुंदर लियोन की गेंद को स्लॉग स्वीप करने की कोशिश में बोल्ड हुए। पदार्पण कर रहे रेड्डी ने मार्श पर छक्का जड़ने के बाद उनके ओवर में लगातार तीन चौके भी मारे।कोहली ने लियोन पर छक्का मारा और फिर लाबुशेन पर चौके के साथ 143 गेंद के शतक पूरा किया जिसके बाद कप्तान बुमराह ने पारी घोषित कर दी। एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पहले देवदत्त पडिक्कल (25) और ध्रुव जुरेल (01) के पास खुद को साबित करने का मौका था लेकिन ए दोनों इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। दूसरे टेस्ट में इन दोनों की जगह कप्तान रोहित शर्मा और चोटिल शुभमन गिल की वापसी लगभग तय है। पडिक्कल ने चाय के बाद जोश हेजलवुड (28 रन पर एक विकेट) की पहली ही गेंद पर स्लिप में स्मिथ को कैच थमाया।

भारत को सबसे बड़ा झटका जायसवाल के रूप में लगा जो मिशेल मार्श (65 रन पर एक विकेट) की गेंद को प्वाइंट पर सीधे स्मिथ के हाथों में खेल गए। ऋषभ पंत (01) ने एक बार फिर आक्रामक रवैया अपनाने की कोशिश की लेकिन नाथन लियोन (96 रन पर दो विकेट) की गेंद पर स्टंप हो गए। कमिंस ने जुरेल को पगबाधा करके भारत को पांचवां झटका दिया।ठीक 32 साल पहले 17 साल के सचिन तेंदुलकर ने वाका की टूटती पिच पर अंतिम दो दिन बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़कर दुनिया का ध्यान खींचा था। इसके बाद तेंदुलकर ने क्रिकेट के मैदान पर जो किया वह इतिहास के पन्नों में दर्ज है। और अब जायसवाल ने दुनिया को दिखा दिया है कि भारत का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। वह तेंदुलकर के बाद पर्थ में शतक जड़ने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं।जायसवाल ने हेजलवुड की बाउंसर को विकेटकीपर के ऊपर से छह रन के लिए भेजकर अपना चौथा टेस्ट शतक पूरा किया जो एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में उनका पहला शतक है। उन्होंने अपने चारों शतक के दौरान 150 से अधिक रन बनाए हैं।

इस छक्के के साथ जायसवाल और राहुल की सलामी जोड़ी ने भारत की ओर से 191 रन की पिछली सर्वश्रेष्ठ साझेदारी को पीछे छोड़ा जो 1986 में सुनील गावस्कर और कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बनाई थी।दूसरे दिन रक्षात्मक होकर खेलने वाले राहुल ने 60 ओवर से अधिक पुरानी गेंद के खिलाफ तेज रन बनाने की कोशिश की। उन्होंने मिशेल स्टार्क की गेंदों पर कुछ रन जुटाए लेकिन शतक से चूक गए।

ऑस्ट्रेलिया में 200 रन की साझेदारी पूरी करने वाली पहली भारतीय सलामी जोड़ी बनने के बाद राहुल ने स्टार्क की कोण लेती गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच थमाया।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 25 नवम्बर 2024

पूर्वी राज्यों को पहले पिछड़ा माना जाता था, मैं उन्हें देश के विकास इंजन के रूप में देखता हूं : मोदी

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार भारत के पूर्वी क्षेत्र को देश का विकास इंजन मानती है, जबकि पहले इस क्षेत्र को पिछड़ा माना जाता था। यहां ओडिशा पर्व कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में नई सरकार के गठन के 100 दिनों के भीतर 45,000 करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, ओडिशा हमेशा से ही संतों और विद्वानों की भूमि रही है। जिस तरह से यहां के विद्वानों ने हमारे धार्मिक ग्रंथों को घर-घर तक पहुंचाया और लोगों को उनसे जोड़ा, उसने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, एक समय था जब भारत के पूर्वी क्षेत्र और वहां के राज्यों को पिछड़ा कहा जाता था। हालांकि, मैं भारत के पूर्वी क्षेत्र को देश के विकास का इंजन मानता हूं। इसीलिए हमने भारत के पूर्वी क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी है।

मोदी ने कहा, अब हम ओडिशा को जो बजट आवंटित कर रहे हैं, वह 10 साल पहले की तुलना में तीन गुना अधिक है। हम ओडिशा के विकास के लिए हर क्षेत्र में तेजी से काम कर रहे हैं और इस वर्ष बजट में 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ओडिशा में कारोबार को आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के 100 दिनों के भीतर 45,000 करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, पिछले साल जी20 शिखर सम्मेलन भारत में आयोजित किया गया था। जी20 शिखर

सम्मेलन के दौरान हमने सूर्य मंदिर (कोणार्क में) की तस्वीर दिखाई थी। मुझे इस बात की भी खुशी है कि जगन्नाथ मंदिर (पुरी में) के सभी चार दरवाजे अब खुल गए हैं। इसके अलावा मंदिर का रत्न भंडार भी खुला है। ओडिशा पर्व उड़िया समाज द्वारा आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो दिल्ली स्थित एक न्यास है जो ओडिया विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए बहुमूल्य समर्थन प्रदान करने में लगा हुआ है। इस वर्ष, ओडिशा की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने, रंगारंग सांस्कृतिक रूपों को प्रदर्शित करने और राज्य के जीवंत सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक लोकाचार को प्रदर्शित करने के लिए 22 नवंबर से 24 नवंबर तक ओडिशा पर्व का आयोजन किया गया।

मोदी ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की भी सराहना की और कहा, एनसीसी का नाम हमें स्कूल एवं कॉलेज के दिनों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा, मैं स्वयं एनसीसी कैडेट रहा हूं, इसलिए मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इससे मुझे जो अनुभव मिला वह मेरे लिए अमूल्य है। एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना पैदा करती है। मोदी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की मदद करने में भारत की युवा शक्ति की करुणा और ऊर्जा सराहनीय है। इस संदर्भ में उन्होंने लखनऊ के एक युवा का उदाहरण दिया जो जीवन प्रमाणपत्र डिजिटल माध्यम से जमा करने में बुजुर्गों की मदद करता है। उन्होंने अहमदाबाद के एक व्यक्ति का भी जिक्र किया जो बुजुर्गों को डिजिटल अरेस्ट सहित साइबर अपराधों के बारे में जागरूक बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने मन की बात के पिछले एपिसोड में डिजिटल अरेस्ट पर चर्चा की थी। बुजुर्ग लोग इस तरह के अपराधों के सबसे अधिक शिकार होते हैं। ऐसे में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें जागरूक करें और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रहने में उनकी मदद करें।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने दलबदलुओं के मन से कानून का डर समाप्त किया: राउत

मुंबई (भाषा)। शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने महाराष्ट्र में दल-बदल करने वाले नेताओं के मन से कानून का डर खत्म कर दिया था। राउत ने दावा किया कि अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय नहीं करके चंद्रचूड़ ने दलबदल के लिए दरवाजे और खिड़कियां खुली रखीं। शिवसेना (उबाठा) के नेता राउत का यह बयान राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की करारी हार के बाद आया है, जहां महा विकास आघाडी (एमवीए) के तहत उसने 95 सीट पर चुनाव लड़ा था लेकिन केवल 20 सीट पर ही जीत हासिल कर सकी।

एमवीए के अन्य गठबंधन सहयोगियों का प्रदर्शन भी कुछ बेहतर नहीं रहा। कांग्रेस ने 101 में से केवल 16 सीट जीतीं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने 86 सीट में से केवल 10 सीट जीतीं। राउत ने पत्रकारों के साथ बातचीत में आरोप लगाया, उन्होंने (चंद्रचूड़) दलबदलुओं के मन से कानून का डर खत्म कर दिया। उनका नाम इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। वर्ष 2022 में अविभाजित शिवसेना में विभाजन के बाद, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले पार्टी के गुट ने एकनाथ शिंदे के साथ दलबदल करने वाले पार्टी विधायकों की अयोग्यता पर उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। शीर्ष अदालत ने अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने का दायित्व विधानसभा अध्यक्ष पर छोड़ था। विधानसभा अध्यक्ष ने शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को असली राजनीतिक दल घोषित किया था।

राउत ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के नतीजे पहले से तय थे। उन्होंने कहा कि अगर तत्कालीन पूर्व न्यायाधीश ने अयोग्यता याचिकाओं पर समय पर फैसला किया होता, तो परिणाम अलग होते। उन्होंने कहा, हम दुखी हैं, लेकिन निराश नहीं हैं। हम लड़ाई को अधूरा नहीं छोड़ेंगे। मतों का विभाजन भी एक कारक था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहरीले अभियान ने हम पर नकारात्मक प्रभाव डाला। राउत ने कहा कि नई सरकार का शपथग्रहण समारोह पड़ोसी गुजरात में होना चाहिए। इस बीच, पार्टी के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक स्तंभ रोखठोक में शिवसेना (उबाठा) नेता राउत ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग के प्रति संवेदना व्यक्त करने का समय आ गया है, जिसने धनबल के इस्तेमाल पर आंखें मूंद लीं। उन्होंने आरोप लगाया, अदालतें लंबे समय से आईसीयू में हैं।

कांग्रेस के दिग्गज नेता पृथ्वीराज चव्हाण अपने गढ़ में हारे

मुंबई(भाषा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गृह जिले कराड में मिली हार उनके दशकों लंबे राजनीतिक जीवन के लिए एक बड़ा झटका है। राज्य के सबसे शिक्षित विधायकों में से एक चव्हाण अपने राजनीतिक करियर में राज्य के मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री भी बने। साफ-सुथरी और गैर-विवादास्पद छवि के लिए जाने जाने वाले चव्हाण (78) 2010 में उस समय राज्य के मुख्यमंत्री बने थे जब कांग्रेस भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रही थी। हाल ही में जब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कराड दक्षिण विधानसभा सीट पर प्रचार किया तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि चव्हाण अंतरराष्ट्रीय स्तर के राजनेता हैं और राज्य विधानसभा के लिए अनुपयुक्त हैं। चव्हाण के आलोचकों को भी यह जानकर आश्चर्य हुआ कि शनिवार को घोषित विधानभा चुनाव के परिणामों में उन्हें भाजपा के अतुल भोसले से लगभग 40,000 मतों से हार मिली है। यह हार चव्हाण के साथ-साथ कांग्रेस के लिए भी एक बहुत बड़ा झटका है, जिसे राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में मात्र 16 सीट पर जीत मिली। यह कांग्रेस की अब तक की सबसे बुरी हार है। बिट्स पिलानी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाले चव्हाण ने 1991 में पूरी तरह राजनीति में आने से पहले चार साल तक अमेरिकी वैमानिकी उद्योग में अनुसंधान इंजीनियर के रूप में काम किया। भारत में उन्होंने रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और विशेष प्रयोजन कंप्यूटर विकसित करने के लिए एक कंपनी की स्थापना की तथा भारतीय भाषा कंप्यूटिंग के क्षेत्र में अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महायुति की जीत में लाडकी बहिन योजना, ध्रुवीकरण ने बड़ी भूमिका निभाई: शरद पवार

कराड (भाषा)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि लाडकी बहिन योजना, मतदान में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी और धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की जीत में संभवत: भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि शनिवार को घोषित चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे, लेकिन वह पार्टी को फिर से मजबूत करेंगे। सक्रिय राजनीति से अलग होने के बारे में पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के सहयोगी इस बारे में फैसला करेंगे। सतारा जिले के कराड शहर में पत्रकारों से बातचीत में शरद पवार ने स्वीकार किया कि उनके भतीजे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने उनकी पार्टी (राकांपा-एसपी) से अधिक सीट पर जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि राकांपा की स्थापना किसने की थी। उन्होंने कहा, लाडकी बहिन योजना और धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण ने इसमें भूमिका निभाई। महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी महाराष्ट्र में महायुति की जीत का कारण हो सकती है। हम हार के कारणों पर विचार-विमर्श करेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे। पवार ने कहा कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) नए नेतृत्व की नई ऊर्जा के साथ लोगों के बीच जाएगी।

ईवीएम पर पूछे गए सवाल के जवाब में पवार ने कहा कि वह ईवीएम के बारे में तभी बोलेंगे जब उनके पास आधिकारिक आंकड़े होंगे। एक दिन पहले शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने महायुति के पक्ष में आए बड़े जनादेश के पीछे गड़बड़ी का संदेह जताया था। पवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने राजनीतिक जीवन की सबसे करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। उनके नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) को 288 सदस्यीय विधानसभा में केवल 10 सीटें मिलीं, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को 41 सीटें मिलीं। महायुति ने भारी जीत हासिल की जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 132, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और राकांपा ने 41 सीटें जीतीं। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) 46 सीटों पर ही सिमट गया। राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा, महा विकास आघाडी गठबंधन ने बहुत मेहनत की, लेकिन वांछित परिणाम नहीं मिले, भले ही लोगों ने चुनाव प्रचार के दौरान एमवीए को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

बीजद ने सरकार से वक्फ (संशोधन) विधेयक वापस लेने की मांग की

भुवनेश्वर (भाषा)। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने वक्फ (संशोधन) विधेयक वापस लेने की मांग करते हुए रविवार को यहां एक रैली निकाली। बीजद के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने राजभवन के पास इस रैली का आयोजन किया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विधेयक वापस लेने की मांग करते हुए नारे लगाए, क्योंकि उनका दावा है कि इससे (विधेयक से) समुदाय के बीच सद्भाव प्रभावित होगा। सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा के लिए वक्फ संशोधन विधेयक समेत 16 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। प्रदर्शनकारियों ने खुर्दा के जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें उन्होंने कुछ सुझाव दिए और वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में चिंता व्यक्त की। ज्ञापन में कहा गया है, हम आग्रह करते हैं कि इस प्रस्तावित विधेयक को वापस लिया जाए।

जम्मू में रोहिंग्याओं को शरण देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

जम्मू (भाषा)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को बताया कि बिना किसी दस्तावेज और संभावित सुरक्षा खतरा पैदा करने वाले रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण देने के मामले में स्थानीय मकान मालिकों के खिलाफ पांच मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने इस कार्रवाई को रोहिंग्या शरणार्थियों की अवैध घुसपैठ को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया। पुलिस ने यहां एक बयान में बताया, जम्मू पुलिस ने कई मामलों की पहचान की और उन मकान मालिकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए, जिन्होंने जानबूझकर या अनजाने में बिना किसी दस्तावेज के रोहिंग्या शरणार्थियों को अपने मकान किराए पर दिए। इससे सुरक्षा को खतरा होने की आशंका है। बयान के मुताबिक, जम्मू के जिला आयुक्त ने जिले के सभी संपत्ति मालिकों को किराएदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य करने का आदेश जारी किया। यह निर्देश असामाजिक तत्वों और गैर कानूनी तरीके से रह रहे लोगों द्वारा उत्पन्न संभावित खतरे के बारे में बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर आया है। आशंका है कि ए लोग किराए के मकानों का अवैध गतिविधियों के लिए उपयोग कर सकते हैं। पुलिस ने बताया कि उसने इस संबंध में एक व्यापक जांच शुरू की है और जम्मू के फरमान अली व श्रीनगर के आजम मलिक के खिलाफ नोवाबाद थाने में मुकदमे दर्ज किए हैं। बयान के मुताबिक, जम्मू के बठिंडी क्षेत्र के रहने वाले असीमा लतीफ, मोहम्मद शकील और जाकिर हुसैन के खिलाफ बहू फोर्ट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत तीन और मुकदमे भी दर्ज किए गए हैं।

जालसाजों ने डिजिटल अरेस्ट के प्रयास में इंदौर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को कर दी वीडियो कॉल

इंदौर (भाषा)। फर्जी पुलिस वाले बन लोगों को ठगने वाले कुछ ऑनलाइन ठगों का पाला डिजिटल अरेस्ट की कोशिश के दौरान रविवार को मध्य प्रदेश में इंदौर के असली वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से पड़ गया। जालसाजों ने पुलिस अधिकारी को क्रेडिट कार्ड के दुरुपयोग के आरोप में फोन कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करने का प्रयास किया जबकि वे अपने कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इंदौर अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) राजेश दंडोतिया ने पीटीआई-भाषा को बताया, फोन करने वाले ने बताया कि मैंने अपने क्रेडिट कार्ड का दुरुपयोग किया है और इसके परिणामस्वरूप मुंबई के अंधेरी वेस्ट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। मैं उस समय प्रेस ब्रीफिंग कर रहा था। मुझे बताया गया कि मेरा बैंक खाता ब्लॉक कर दिया जाएगा और दो घंटे के भीतर पुलिस थाने आने को कहा गया। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने फोन करने वाले को बताया कि वह इतने कम समय में इंदौर से मुंबई नहीं आ पाएंगे। अधिकारी के मुताबिक, कॉल करने वाले ने मुझसे कहा कि वह पुलिस थाने के किसी व्यक्ति से मेरी बात कराएगा। फिर उसने एक अन्य व्यक्ति से मेरी बात कराई, जिसने मुझे इंतज़ार करने को कहा। उसने कहा कि वह अपने वरिष्ठ अधिकारी से बात करके देखेगा कि क्या मेरा बयान वीडियो कॉल के जरिए रिकॉर्ड किया जा सकता है। जब उसने मुझे पुलिस की वर्दी में देखा, तो उसने तुरंत वीडियो कॉल काट दिया। दंडोतिया ने कहा कि उन्होंने मीडियाकर्मियों से एक वीडियो रिकॉर्ड करने को कहा ताकि लोगों को ऐसे साइबर अपराधों और डिजिटल गिरफ्तारी के बारे में जागरूक किया जा सके।

कुपवाड़ा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

श्रीनगर(भाषा)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में रविवार को सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया, हंदवाड़ा में पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर मुगलपुरा क्रेमहोरा के वन क्षेत्र में आतंकवादियों के एक ठिकाने का पता लगाया और वहां से गोला-बारूद तथा विस्फोटक बरामद किए। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जचलदारा पुलिस चौकी के अंतर्गत मुगलपोरा क्रेमहोरा के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया था।

भाजपा, जद (एस) नेताओं ने चन्नापटना उपचुनाव जीतने में मदद की : शिवकुमार

रामनगर (भाषा)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के भीतर कलह का संकेत देते हुए चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव में जद (एस) उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी की हार का श्रेय इन पार्टियों के नेताओं को दिया। कांग्रेस उम्मीदवार सी.पी. योगीश्वर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और राजग उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी के खिलाफ शनिवार को घोषित परिणामों में 25,413 मतों के अंतर से चन्नापटना उपचुनाव में जीत हासिल की। कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक के सभी तीन विधानसभा क्षेत्रों - चन्नापटना, संडूर और शिग्गाओं में जीत हासिल की, जहां उपचुनाव हुए थे।

निखिल कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते हैं। पिछले साल सितंबर में, जद (एस) भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई थी। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस चुनाव (चन्नापटना) में सभी पार्टियों के कई लोगों ने हमारी मदद की है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पास केवल 16,000 वोट थे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, अगर भाजपा और जद (एस) नेताओं ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमारा समर्थन नहीं किया होता, तो हमें इतने वोट नहीं मिलते। मैं उन्हें बधाई देता हूं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कर्नाटक विधानसभा में जद(एस) की 19 सीट थीं, जो अब घटकर 18 रह गई हैं।

घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करना सरकार का संवैधानिक कर्तव्य

भाषा। गुवाहाटी

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की करारी हार के एक दिन बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उन्होंने कभी यह दावा नहीं किया था कि पार्टी राज्य के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करेगी। हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की और 81 सदस्यीय सदन में 56 सीट पर जीत दर्ज की। वहीं, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को केवल 24 सीट पर ही जीत हासिल हुई। शर्मा, झारखंड चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन से घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के अपने संवैधानिक कर्तव्य को निभाने का आग्रह किया। शर्मा ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, जब भी आप (मीडिया) ने मुझसे झारखंड के बारे में पूछा तो मैंने कहा था कि यहां चुनाव मुश्किलों भरा रहने वाला है। मैंने कभी दावा

नहीं किया कि हम जीतेंगे। हमारी पार्टी के लिए वहां चुनाव लड़ना कठिन काम था, लेकिन हमने मौजूदा परिस्थितियों में अच्छा काम किया।

शर्मा विधानसभा चुनाव से पहले ही पार्टी के प्रचार के लिए झारखंड में डेरा डाले हुए थे। उन्होंने दावा किया कि घुसपैठिए झारखंड के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करने की आवश्यकता दोहराई। भाजपा नेता ने कहा, घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करना सरकार का संवैधानिक कर्तव्य है। वे क्या करेंगे, यह मेरे लिए पहले से तय करना सही नहीं होगा। असम के मुख्यमंत्री के तौर पर मैं इस मामले पर अब और टिप्पणी नहीं करूंगा। जब मैं पार्टी का सह प्रभारी था, तब मुझे जो कुछ भी कहना था मैंने कह दिया। उन्होंने कहा, किसी भी सरकार को घुसपैठ के मामले में समझौता नहीं करना चाहिए क्योंकि इसका अंतिम परिणाम जनसांख्यिकीय परिवर्तन होगा, जिसका असर सभी पर पड़ेगा। शर्मा ने शनिवार देर रात फेसबुक लाइव में नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों से विधानसभा में घुसपैठ के मुद्दे को उठाने की भी अपील की। उन्होंने कहा, मुझे अब भी विश्वास है कि घुसपैठ की समस्या आने वाले दिनों में झारखंड को बहुत नुकसान पहुंचाएगी। यह आपकी (झामुमो) सरकार है और मैं आपसे इन घुसपैठियों को वापस भेजने या कम से कम उनकी पहचान करने की अपील करता हूं। यह आपका संवैधानिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि झारखंड सरकार इस जिम्मेदारी को पूरा करेगी। शर्मा ने नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों से विपक्ष के रूप में अपना कर्तव्य निभाने और विधानसभा में घुसपैठ के मुद्दे को उठाने की भी अपील की।

महाराष्ट्र में महिलाओं का अपमान करने की वजह से हारी एमवीए: कंगना

नई दिल्ली, शिमला(भाषा)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन द्वारा महा विकास आघाडी (एमवीए) को करारी शिकस्त देने के एक दिन बाद, भाजपा सांसद कंगना रनौत ने रविवार को विपक्षी गठबंधन की तुलना दैत्य से की और कहा कि महिलाओं का अपमान करने के कारण उसे यह हश्र झेलना पड़ा। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए रनौत ने कहा, मुझे उद्धव ठाकरे की ऐसी बुरी विफलता की उम्मीद थी। हम पहचान सकते हैं कि कौन देवता है और कौन दैत्य है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे महिलाओं का सम्मान करते हैं या उनके कल्याण के लिए काम करते हैं।

रनौत और तत्कालीन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ठाकरे की महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार के बीच 2020 में तब कड़वाहट भरी झड़प हुई थी, जब तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के नेतृत्व वाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने उनके बांद्रा स्थित बंगले में कथित अवैध

निर्माण को ध्वस्त कर दिया था। मंडी से लोकसभा सदस्य रनौत ने कहा कि उनका भी वही हश्र हुआ जो दैत्य का हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया, जो लोग महिलाओं का सम्मान नहीं करते, वे कभी नहीं जीत सकते। उन्होंने मेरा घर तोड़ दिया और मेरे साथ गाली-गलौज की। अपने बंगले में तोड़फोड़ की कार्वाई से पहले रनौत ने यह भी कहा था कि उन्हें मूवी माफिया से ज्यादा मुंबई पुलिस से डर लगता है और उन्होंने महाराष्ट्र की राजधानी की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से की थी। भारतीय जनता पार्टी नीत महायुति ने शनिवार को महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस नीत एमवीए का सत्ता हासिल करने का सपना टूट गया और विपक्षी गठबंधन सिर्फ 46 सीटें हासिल करने में कामयाब रहा। एमवीए के किसी भी घटक को विधानसभा में विपक्ष के नेता के पद का दावा करने के लिए आवश्यक न्यूनतम सीटें हासिल नहीं हुईं। पहले हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में भुंतर हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए रनौत ने कहा कि लोगों ने देश को तोड़ने के बारे में बात करने वालों को सही सबक सिखाया।

मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए अभिनय जगत से राजनीति में आईं रनौत ने कहा कि उनका मानना है कि उनका जन्म देश के उद्धार के लिए हुआ है और वह अजेय हैं। रनौत ने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने विकास और स्थिर सरकार के लिए वोट दिया है। उन्होंने महायुति की चुनावी सफलता के लिए मोदी को बधाई दी और कहा कि भाजपा आलाकमान महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री का फैसला करेगा। रनौत ने कहा, चुनाव प्रचार के दौरान मैंने देखा कि हर बच्चा मोदी-मोदी का नारा लगा रहा था। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े नेता हैं। भाजपा एक ब्रांड है और आज भारत के लोग इस ब्रांड पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री का जन्म देश के उद्धार के लिए हुआ है और वह अजेय हैं। रनौत ने दावा किया कि आजादी के बाद कांग्रेस भी एक ब्रांड थी लेकिन आज यह एक क्षेत्रीय पार्टी बन गई है क्योंकि लोगों का इसमें विश्वास खत्म हो गया है।

महायुति ने पश्चिमी महाराष्ट्र के गन्ना उत्पादक क्षेत्र में जीत दर्ज की, एमवीए को बड़ा झटका

पुणे (भाषा)। महायुति गठबंधन ने पश्चिमी महाराष्ट्र के गन्ना उत्पादक क्षेत्र की 70 विधानसभा सीट में से 53 पर कब्जा किया और विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) का इस क्षेत्र में बेहद खराब प्रदर्शन रहा। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। महायुति गठबंधन राज्य में एक मजबूत ताकत के रूप में उभरा। एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे और राकांपा (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। एमवीए को पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र में सिर्फ 12 सीट से संतोष करना पड़ा। इस क्षेत्र में पुणे, सातारा, सांगली, कोल्हापुर, सोलापुर और अहिल्यानगर जिले के निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। राज्य विधानसभा के लिए 20 नवंबर को हुए चुनाव के नतीजे शनिवार को घोषित किए गए। कांग्रेस ने 2019 में इस क्षेत्र में 12 सीट पर जीत हासिल की थी लेकिन इस बार उसे सबसे अधिक नुकसान हुआ और वह केवल दो सीट जीतने में सफल रही। सांगली के पलुस-कडेगांव निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के विश्वजीत कदम ने भाजपा के संग्राम देशमुख को 30,064 मतों से हराया और अहिल्यानगर के श्रीरामपुर में कांग्रेस नेता हेमंत ओगले ने शिवसेना के भाऊसाहेब कांबले को 13,373 मतों से हराया। पृथ्वीराज चव्हाण, बालासाहेब थोराट, संग्राम थोपटे जैसे कांग्रेस के दिग्गजों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों क्रमश: सातारा के कराड दक्षिण, अहिल्यानगर के संगमनेर और पुणे जिले के भोर में हार का सामना करना पड़ा। विपक्षी शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे भी इस क्षेत्र में केवल दो सीट जीतने में सफल रही। इसके उम्मीदवार बाबाजी काले ने पुणे जिले के खेड-आलंदी निर्वाचन क्षेत्र में राकांपा के दिलीप मोहिते पाटिल को हराया और इसके दिलीप सोपाल ने सोलापुर के बार्शी निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना के राजेंद्र राउत को हराया। राज्य भर में शरद पवार की राकांपा (शरदचंद्र पवार) द्वारा जीती गई कुल 10 सीट में से आठ पश्चिमी महाराष्ट्र में हैं। दूसरी ओर, महायुति के अधिकतर प्रमुख नेताओं ने इस क्षेत्र में अपनी सीट जीतीं। बारामती में, राकांपा नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने भतीजे एवं राकांपा (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार युगेंद्र पवार को हराया। भाजपा नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शिरडी में जीत हासिल की और उनके पार्टी सहयोगी चंद्रकांत पाटिल ने पुणे में कोथरुड सीट जीती। इसके शिवेंद्रराजे भोसले सातारा में और पार्टी नेता सुभाष देशमुख सोलापुर दक्षिण में विजई हुए। पुणे जिले की अम्बेगांव सीट पर राकांपा नेता दिलीप वलसे पाटिल ने जीत हासिल की।

निर्वाचन आयोग ने राज्यपाल को चुनाव परिणामों का राजपत्र और अधिसूचना सौंपी

मुंबई(भाषा)। भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें राज्य विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के नामों वाले राजपत्र की प्रतियां भेंट कीं। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उप निर्वाचन आयुक्त हृदेश कुमार और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें राजपत्र और आयोग की अधिसूचना की प्रतियां सौंपी। राज्य चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए और निर्वाचित विधानसभा सदस्यों के नाम भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के तहत महाराष्ट्र सरकार के राज्य राजपत्र में प्रकाशित किए गए। यह कार्य जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 73 के प्रावधानों के अनुसार किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी किरण कुलकर्णी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोहर पार्कर, निर्वाचन आयोग के सचिव सुमन कुमार दास और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भारत नाराज, अनुचित जलवायु वित्त समझौते को नकारा

भाषा। बाकू (अजरबैजान)

भारत ने ग्लोबल साउथ के लिए 300 अरब डॉलर के मामूली जलवायु वित्त पैकेज को रविवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सीओपी29 अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यालय ने उसे अपनी आपत्तियां व्यक्त करने का मौका दिए बिना ही इस समझौते को जबरन पारित करा दिया। ग्लोबल साउथ का संदर्भ दुनिया के कमजोर या विकासशील देशों के लिए दिया जाता है। आर्थिक मामलों के विभाग की सलाहकार चांदनी रैना ने यहां संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के समापन सत्र में भारत की ओर से कड़ा बयान देते हुए इस प्रस्ताव को अपनाने की प्रक्रिया को अनुचित और पहले से प्रबंधित करार दिया तथा कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में भरोसे की चिंताजनक कमी को दर्शाती है। विकासशील देशों के लिए यह नया जलवायु वित्त पैकेज या नए सामूहिक

परिमाणित लक्ष्य (एनसीक्यूजी) 2009 में तय किए गए 100 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य का स्थान लेगा। समझौते पर वार्ता के बाद जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश विभिन्न स्रोतों– सार्वजनिक और निजी, द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय तथा वैकल्पिक स्रोतों से कुल 300 अरब अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष मुहैया कराने का लक्ष्य 2035 तक हासिल करेंगे। वित्तीय मदद का 300 अरब अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा उस 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बहुत कम है, जिसकी मांग ग्लोबल साउथ देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पिछले तीन साल से कर रहे हैं। दस्तावेज में 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा है, लेकिन इसमें सार्वजनिक और निजी सहित सभी कारकों से 2035 तक इस स्तर तक पहुंचने के लिए एक साथ काम करने का आह्वान किया गया है। इसमें केवल विकसित देशों पर ही जिम्मेदारी नहीं डाली गई है। भारत ने कहा कि जलवायु वित्त पैकेज को अपनाए जाने से पहले अपनी बात रखने के उसके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया गया। रैना ने कहा, हमने अध्यक्ष को सूचित किया था, हमने सचिवालय को सूचित किया था कि हम कोई भी निर्णय लेने से पहले बयान देना चाहते हैं, लेकिन यह सभी ने देखा कि यह सब कैसे पहले से तय करके किया गया।

ग्लोबल साउथ के लिए नए वित्त पैकेज पर सहमति बनी, लेकिन सभी देश खुश नही

बाकू (अजरबैजान)। ग्रीनहाउस गैसो के उत्सर्जन मे कमी लाने और जलवायु अनुकूलन मे ग्लोबल साउथ की मदद के लिए यहां संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन मे देशो ने 300 अरब अमेरिकी डॉलर के एक नए वित्तीय पैकेज पर सहमति जताई है, लेकिन घटनाक्रम पर आ रही प्रतिक्रियाओ से पता चलता है कि इससे हर कोई खुश नही है। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशो से है, जिन्हे अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप मे जाना जाता है और ए मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका मे स्थित है। न्यूनतम विकसित देशो (एलडीसी) समूह के अध्यक्ष इवांस नजेवा ने नए जलवायु वित्त पैकेज को निराशाजनक करार दिया। उन्होने एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, "हमने जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील लोगो को बचाने और पृथ्वी की सेहत सुधारने का मौका गंवा दिया। नए जलवायु वित्त लक्ष्य को लेकर चिंताएं बरकरार है। उन सभी का आभार, जो हमारे साथ खड़े रहे। हम लड़ते रहेगे। अफ्रीकी वार्ताकारो के समूह (एजीएन) के अध्यक्ष ने कहा कि यह समझौता "कड़वे मन सै किया गया। नाइजीरिया की एक वार्ताकार नकिरूका मडुकेवे ने शनिवार को बाकू मे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान कहा, विकसित देशो का 2035 तक 300 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ प्रगति करना एक मजाक है।

जॉर्डन के सुरक्षा बलों ने इजराइली दूतावास के पास गोलीबारी करने के आरोपी को ढेर किया

अम्मान। जॉर्डन के अधिकारियों ने इजराइली दूतावास के पास पुलिस दल पर गोलीबारी करने के आरोपी को ढेर कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दूतावास के पास गोलीबारी की घटना में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे। गोलीबारी की यह घटना रविवार तड़के जॉर्डन की राजधानी अम्मान के रबियाह इलाके में हुई। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने एक बयान में कहा कि एक व्यक्ति क्षेत्र में गोलीबारी कर रहा था सुरक्षा बलों ने सूचना मिलने पर हमलावर का पीछा किया। बयान में कहा गया, हमलावर का पीछा किया गया और उसे घेर लिया गया, जिसके बाद उसने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्वाई की जिसमें हमलावर मारा गया। हमलावर की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है।

रोमानियाः राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान जारी, दक्षिणपंथी व वामंपथी उम्मीदवारों के बीच टक्कर

बुखारेस्ट। रोमानिया के लोग रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान कर रहे है। माना जा रहा है कि चुनाव दूसरे चरण मे जाएगा और मुकाबला धुर-दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी और वर्तमान वामपंथी प्रधानमंत्री के बीच हो सकता है। यूरोपीय संघ और नाटो सदस्य रोमानिया मे राष्ट्रपति पद के लिए 13 उम्मीदवार मैदान में है और आठ दिसंबर को दूसरे दौर का मतदान होने की उम्मीद है। मतदान स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे (भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे) शुरू हुआ और रात नौ बजे (भारतीय समयानुसार देर रात साढ़े बारह बजे) समाप्त होगा। विदेश मे रहने वाले रोमानियाई शुक्रवार से ही मतदान कर रहे हैं। केंद्रीय चुनाव ब्यूरो के मुताबिक अपराह्न दो बजे तक (भारतीय समयानुसार शाम साढ़े पांच बजे) 48 लाख मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे, जो कुल मतदाताओ का करीब 27 प्रतिशत है। अंतिम मुकाबला घोर दक्षिणपंथी गठबंधन यूनिटी ऑफ रोमानियन (एयूआर) के नेता जॉर्ज सिमियन और देश की सबसे बड़ी पार्टी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के समर्थन वाले वर्तमान प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकू के बीच हो सकता है।राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है और उसके पास राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और न्यायिक नियुक्तियो जैसे क्षेत्रो में महत्वपूर्ण निर्णय लेने की शक्तियां होती है। रोमानिया मे एक दिसंबर को संसदीय चुनाव होगे, जिसके नतीजे देश की अगली सरकार और प्रधानमंत्री को तय करेंगे। सिमियन (38) अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुखर समर्थक है और एक विवादास्पद हस्ती माने जाते है।

दिसंबर में दुबई ने बनाई पर्यटकों के लिए नई योजनाएं

दुबई। दिसंबर के सर्द मौसम, आउटडोर एक्सपीरियंस और त्यौहारी मनोरंजनए दुबई घूमने के लिए एकदम सही समय है। साल के अंतिम महीने में दुबई में कई प्रमुख आयोजन होते हैं, जैसे यूएई नेशनल डे, दुबई शॉपिंग फेस्टिवलए एमिरेट्स दुबई 7 एस और न्यू ईयर सेलिब्रेशन। यहां दिसंबर 2024 में दुबई में होने वाले कुछ प्रमुख आयोजन और गतिविधियां दी गई। दुबई शॉपिंग फेस्टिवल का 30वां संस्करण 6 दिसंबर 2024 से 12 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा। यह वार्षिक आयोजन विशेष खरीदारी अनुभव और आकर्षक सौदों के लिए प्रसिद्ध हैए जहां विजेता जीवन बदलने वाले पुरस्कार जीत सकते हैं और परिवार के साथ मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं। डेज़र्ट सफारी-दुबई में विभिन्न उम्र और रुचियों के लिए कई बाहरी गतिविधियाँ हैं, जिनमें से एक लोकप्रिय गतिविधि डेज़र्ट सफारी है। हट्टा में गतिविधियां- हाइकिंगए माउंटेन बाइकिंग और ताज़े पानी की झीलों में कयाकिंग जैसी गतिविधियों के लिए हट्टा एक प्रसिद्ध स्थान है। हट्टा बांध में कयाकिंग और पैडल.बोटिंग का अनुभव शानदार होता है। कैंपिंग और ग्लैम्पिंग- रेगिस्तान में रात बिताना एक अविस्मरणीय अनुभव है। विलासिता चाहने वालों के लिए अल महाए लग्जरी डेजर्ट रिजॉर्ट एंड स्पा और बाब अल शम्स जैसी जगहों पर टेंट.स्टाइल विलाए निजी इनफिनिटी पूलए फाइन डाइनिंग और सूर्यास्त के समय ऊंट की सवारी जैसी गतिविधियां उपलब्ध हैं। आकर्षण स्थल- अगर आप एक रोमांचक अनुभव चाहते हैं, तो अटलांटिस, द पाम में एक्वावेंचर और जुमेराह में वाइल्ड वाडी जैसे लोकप्रिय वॉटरपार्क का मज़ा लें। यहां सिटी वॉक में स्थित ग्रीन प्लैनेट भी देखा जा सकता है, जो 3,000 से अधिक पौधों और जानवरों के साथ एक उष्णकटिबंधीय वर्षावन का अनुभव प्रदान करता है। दुबई में कई आकर्षक एक्वैरियम भी हैंए जिसमें अटलांटिस में द लॉस्ट चैंबर्स एक्वैरियमए द पाम और दुबई मॉल में दुबई एक्वेरियम और अंडरवाटर जू शामिल हैं। थीम पार्क- दुबई पार्क और रिसॉर्ट्स मध्य पूर्व में सबसे बड़ा थीम पार्क गंतव्य हैए जिसमें मोशनगेट दुबई, लेगोलैंड दुबइ, रियल मैड्रिड वर्ल्डए लेगोलैंड वॉटर पार्क और नियॉन गैलेक्सी में 100 से अधिक इनडोर और आउटडोर राइड्स उपलब्ध हैं। अब अपने 29वें सीज़न में,ग्लोबल विलेज एक फेमस फैमिली डेस्टिनेशन है, जो कल्चर, फूड, इंटरटेनमेंट और शॉपिंग का एक अद्वितीय मिश्रण प्रस्तुत करता है। शहर भर में कई विंटर मार्केट्स लगाए जाते हैं, जहां आप अनोखे उपहार और यादगार वस्तुएं खरीद सकते हैं। लोकप्रिय स्थलों में एक्सपो सिटी दुबई में विंटर सिटी 6-31 दिसंबर, दुबई मीडिया सिटी एम्फीथिएटर का विंटर डिस्ट्रिक्ट,14-22 दिसंबर सूक मदीनत जुमेराह का क्रिसमस मार्केट 6 दिसंबर से और हबटूर पैलेस दुबई का विंटर गार्डन शामिल हैं।

मशीन टूल व मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी शो जनवरी में

बेंगलुरु। इमटेक्स 2025ए इसके साथ आयोजित होने वाले टूलटेक और डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग शो के साथ कई मानकों पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भारतीय मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा बेंगलुरु इंटरनेशनल एक्सहिबिशन सेंटर में 23.29 जनवरी 2025 तक आयोजित होने जा रहा हैयह प्रदर्शनी सीएनसी मशीनीकरण, टूलिंग, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंगए सीएड,कैम, मेट्रोलॉजी, और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज के अत्याधुनिक समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करेगीए जो भारतीय मैन्युफैक्चरिंग उद्योग को बदलने में मदद करेगी शो के बारे में बताते हुए राजेंद्र एस राजामने अध्यक्ष आईएमटीएमए कहते हैं कि इमटेक्स भारतीय मशीन टूल उद्योग के लिए एक बहुप्रतीक्षित शो है क्योंकि यह कंपनियों के लिए नए उत्पाद लॉन्च करनेए विभिन्न मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों के लिए अपनी तकनीकी प्रगति प्रस्तुत करने का एक उपयुक्त मंच है। आज के एक प्रमुख वैश्विक मशीन टूल शो के रूप मेंए इमटेक्स भारत और अन्य कई देशों से आगंतुकों को आकर्षित करता है। हम इमटेक्स 2025 में 30 से अधिक देशों के आगंतुकों को देखने की उम्मीद कर रहे हैं। इमटेक्स एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र है जो पूरे मैन्युफैक्चरिंग समुदाय की विभिन्न गतिविधियों को समर्थन करता है। इमटेक्स में भाग लेने वाला हर कोई कुछ न कुछ लाभ प्राप्त करता है। हमारे पास सेमिनार, अंतरराष्ट्रीय खरीदार.बेचने वालों की मुलाकातए अकादमिक.उद्योग सहयोग, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधिमंडलए और कई अन्य गतिविधियाँ हैं। आगंतुक अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं और इन गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी के आंदोलन से जुड़े एनजीओ ने कानूनी दल को सम्मानित किया

जोहानिसबर्ग। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान उनके द्वारा शुरू किए गए कांग्रेस आंदोलन से जुड़े एक गैर सरकारी संगठन ने गाजा पर इजराइल के हमलो के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) मे देश का प्रतिनिधित्व करने वाली कानूनी टीम को सम्मानित किया है। गैर सरकारी संगठन कांग्रेस ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स (सीबीई) के वार्षिक भोज और पुरस्कार समारोह मे, दक्षिण अफ्रीका और कई देशो के नौ वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञो, साथ ही इस प्रक्रिया मे शामिल सरकारी विभागो को अहमद कथराडा उत्कृष्ट नेतृत्व पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार का नाम भारतीय मूल के दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर रखा गया है, जिन्होने अपने करीबी मित्र नेल्सन मंडेला के 27 वर्षो से एक वर्ष कम समय जेल मे बिताया था। सीबीई के अध्यक्ष अशफाक दाउद ने कहा, कथराडा और मंडेला, दोनो ही गांधीजी के सिद्धांतो से प्रेरित थे, कथराडा अपने जीवनकाल मे फलस्तीन मुद्दे के मुखर समर्थक थे। हमारा मानना है कि अगर गांधीजी आज जीवित होते, तो वह फलस्तीन में इजराइली उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे होते, ठीक उसी तरह जैसे दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने इस संबंध मे वैश्विक नेतृत्व किया है। उन्होंने कहा, सीबीई ने अपनी स्थापना के समय से ही एक कार्यकर्ता संगठन के रूप मे अपनी प्रतिष्ठा अर्जित की है, क्योंकि यह हमेशा समानता के सिद्धांतो पर अडिग रहा है तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के प्रति जरा भी सहिष्णुता नही रखता है। हमने हमेशा उन लोगो के हितो की रक्षा के लिए सरकार के साथ मिलकर काम किया है जिनके पास अपनी आवाज उठाने या अपने अधिकारो की रक्षा करने की क्षमता नही है। दाउद ने कहा, यह महज संयोग नही है कि सीबीई ने फलस्तीनी लोगो को आवाज देने और उस उत्पीड़ित राष्ट्र के मामले की पैरवी करने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता और आईसीजे टीम को मान्यता देने का निर्णय लिया है।

थ्रिलर कहानियों को आगे बढ़ाने में ओटीटी प्लेटफार्म मददगार

नई दिल्ली। अपनी मनोरंजक कहानियों के लिए मशहूर फिल्म निर्माता नीरज पांडे नेटफ्लिक्स की आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर के साथ एक बार फिर दर्शकों को रोमांचित करने के लिए तैयार हैं। एक विशेष बातचीत में निर्देशक ने नेटफ्लिक्स के साथ अपने सहयोग, फिल्म के पीछे की प्रेरणा और निर्माण के दौरान उनके सामने आई चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। नेटफ्लिक्स के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए पांडे ने अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि नेटफ्लिक्स के साथ मेरा सफर बहुत अच्छा रहा है। मेरी सीरीज खाकी ने इस प्लेटफ ॉर्म पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और अब खाकी का सीजन.2 भी बन रहा है। मैं इस प्लेटफॉर्म के लिए और अधिक कंटेंट बनाने के लिए उत्सुक हूं। सिकंदर का मुकद्दर के पीछे के विचार के बारे में पूछे जाने पर पांडे ने इसे एक मनोरंजक क्राइम थ्रिलर के रूप में बताया कि जो एक पुलिस वाले और एक संदिग्ध के बीच की यात्रा पर आधारित है। कहानी पुलिस वाले और संदिग्ध की मानसिकता, उनकी रणनीतियों और उनके बीच विकसित होने वाली गतिशीलता पर आधारित है। यह एक रोमांचकारी कहानी है, जिसे दर्शक पसंद करेंगेए उन्होंने बताया। पांडे ने फिल्म बनाने की चुनौतियों के बारे में बताया की भारत और विदेशों में 200 लोगों के साथ यात्रा करना, खासकर सर्दियों में, आसान नहीं था। लेकिन ये चुनौतियाँ फिल्म निर्माण का हिस्सा हैं, जो हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती हैं। फिल्म के शानदार कलाकारों के साथ काम करने परए पांडे ने कहा कि हर अभिनेता ने कुछ नया पेश किया। जिमी शेरगिल उनके लंबे समय से सहयोगी रहे हैंए और अविनाश के साथ वह पहले खाकी में काम कर चुके थे। दक्षिण भारतीय फिल्मों में तमन्ना का अनुभव अमूल्य थाए जबकि ज़ोयाए रिद्धिमा और राजीवए जो उनके लिए नए सहयोगी थेए उन्होंने भी बेहतरीन काम किया। पांडे को अपने द्वारा चुने गए कलाकारों पर गर्व था और उन्हें पूरा विश्वास था कि दर्शक उनके अभिनय का उतना ही आनंद लेंगे जितना उन्होंने फिल्म बनाते समय लिया। सिकंदर का मुकद्दर के साथए नीरज पांडे एक सिनेमैटिक अनुभव का वादा करते हैं जो साज़िशए एक्शन और शानदार अभिनय का मिश्रण हैए जो डिजिटल युग में एक मास्टर कहानीकार के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर विशेष रूप से स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने डिजिटल निगरानी से जुड़ा विधेयक वापस लिया

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने वह विधेयक वापस ले लिया है, जिसके तहत मीडिया संस्थानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म की निगरानी और गलत व भ्रामक सूचनाओ का रिकॉर्ड रखने का अधिकार दिया जाना था। संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने रविवार को कहा कि सरकार इस विधेयक को पारित करने के लिए आवश्यक समर्थन जुटाने मे असमर्थ रही। विपक्ष के प्रवक्ता डेविड कोलमैन ने कहा कि यह विधेयक हमारे लोकतंत्र के साथ विश्वासघात है और ऑस्ट्रेलिया मे सेंसरशिप कानून के समान है। रोलैंड ने कहा, "सार्वजनिक टिप्पणियों और सीनेट सदस्यों के साथ बातचीत के आधार पर, यह स्पष्ट है कि सीनेट के माध्यम से इस प्रस्ताव को कानून बनाने की गुंजाइश नहीं है। कोलमैन ने एक बयान मे कहा, "इस विधेयक के जरिए ऑस्ट्रेलिया के आम लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किया जाता, क्योंकि प्लेटफॉर्म बड़े जुर्माने के खतरे से बचने के लिए ऑनलाइन सामग्री को सेंसर कर देते।

बांग्लादेश में नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने शपथ ली

ढाका। बांग्लादेश के नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन और चार अन्य आयुक्तो ने रविवार को शपथ ली। लगभग तीन महीने पहले अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद तत्कालीन निर्वाचन आयोग के आयुक्तो ने पद से इस्तीफा दे दिया था। मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद ने उच्चतम न्यायालय परिसर में आयोजित एक समारोह मे नए निर्वाचन आयुक्तो को पद की शपथ दिलाई, जिसमे शीर्ष अदालत के न्यायाधीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार द्वारा नियुक्त एक खोज समिति द्वारा नए निर्वाचन आयोग के प्रमुख और उन सदस्यो के नामो की सिफारिश करने के कुछ दिनो बाद किया गया, जो पहले सिविल सेवक, सैन्य अधिकारी और निचली न्यायपालिका के न्यायाधीश के रूप मे कार्य कर चुके है। नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त सरकार के सेवानिवृत्त सचिव है।चार निर्वाचन आयुक्तो मे सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश मोहम्मद अनवारुल इस्लाम सरकार और अब्दुर्रहमान अल मसूद, सरकार की सेवानिवृत्त संयुक्त सचिव बेगम तहमीदा अहमद और सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद सनाउल्लाह शामिल है।

मध्य बेरूत में इजराइली हमलों में कम से कम 20 लोगों की मौत

भाषा। बेरूत

इजराइल ने बेरूत के मध्य क्षेत्र में शनिवार को कई मिसाइल हमले किए जिनमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में 66 लोग घायल हुए हैं। इजराइल ने लेबनान की राजधानी को एक सप्ताह से भी कम समय में चौथी बार निशाना बनाया है। लेबनान पर यह हमला ऐसे समय में किया गया है, जब इस सप्ताह अमेरिका के दूत अमोस होचस्टीन ने इजराइल और चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला के बीच संघर्ष–विराम समझौता कराने के लिए क्षेत्र की यात्रा की थी।मंत्रालय के मुताबिक, इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमलों में अब तक 3,500 से अधिक लोग मारे गए हैं, जबकि 15,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं और लगभग 12 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं, लेबनान से लड़ाई में इजराइल के 90 सैनिक और कम से कम 50 नागरिक मारे गए हैं। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, बेरूत पर स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे हमला किया गया, जिसमें आठ मंजिला एक इमारत ध्वस्त हो गई। हिजबुल्ला नेता अमीन शिरी ने कहा कि हमले के दौरान संगठन का कोई भी सदस्य इमारत के अंदर नहीं था। उन्होंने बताया कि हमले से आसपास की कुछ इमारतों की खिड़कियों के शीशे चटक गए और कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। इजराइल की सेना ने हताहतों की संख्या पर कोई टिप्पणी नहीं की। लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज एजेंसी के अनुसार, शनिवार को दक्षिणी लेबनान के बंदरगाह शहर टायर में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अन्य हवाई हमलों में पूर्वी शहर श्मस्टर में चार बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई और दक्षिणी क्षेत्र के रैमिन गांव में पांच लोग तथा उत्तरपूर्वी गांव बुदई में पांच लोग मारे गए।

इजराइल के हमले में लेबनान के सैनिक की मौत, 18 घायल

बेरूत।इजराइल के हमले मे रविवार को लेबनान के एक सैनिक की मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गए। लेबानान की सेना ने यह जानकारी दी। इस बीच, हिज्बुल्ला ने उत्तरी और मध्य इजराइल पर रॉकेट दागे, जिसमे कम से कम पांच लोग घायल हो गए। इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइली हमलो मे 40 से अधिक लेबनानी सैनिको की मौत हो चुकी है। हालांकि लेबनान की सेना इस युद्ध से मौटे तौर पर दूर रही है। इजराइली सेना की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नही आई है। इससे पहले लेबनानी सैनिको पर हुए हमलो को इजराइली सेना ने गलती से हुए हमले करार दिया था। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने हमले की निंदा करते हुए इसे अमेरिका के नेतृत्व में हो रहे संघर्ष विराम प्रयासों पर हमला बताया। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान मे उन्होने कहा, (इजराइल) फिर से लेबनानी खून से उस समाधान को बेशर्मी से खारिज कर रहा है जिस पर चर्चा की जा रही है। हजबुल्ला ने रविवार को उत्तरी और मध्य इजराइल मे रॉकेट दागे, जिनमे से कुछ को रोक दिया गया। इजराइल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि पेटाह टिक्वा शहर मे दो लोगो का इलाज किया जा रहा है, जिनमे से 23 वर्षीय एक व्यक्ति है जो विस्फोट मे मामूली रूप से घायल हो गया था जबकि 70 वर्षीय महिला कार में आग लगने के कारण घायल हुई है। इसके अलावा उत्तरी इजराइल मे तीन अन्य लोगो का इलाज किया जा रहा है, जिनमे से 60 वर्षीय व्यक्ति की

यूएई में लापता हुए रब्बी की हत्या की गईः इजराइल

तेल अवीव (इजराइल)। इजराइल ने रविवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) मे लापता हुए एक इजराइली-मॉल्डोवाई रब्बी (धर्मगुरु) की हत्या कर दी गई है और उनका शव बरामद किया जा चुका है। इजराइल ने इस घटना को यहूदी विरोधी जघन्य आतंकवादी घटना करार दिया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजराइल रब्बी की मौत के लिए जिम्मेदारी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। दुबई में एक दुकान के मालिक रब्बी ज्वी कोगान (28) बृहस्पतिवार को लापता हो गए थे। साल 2020 में अब्राहम समझौता होने के पश्चात इजराइल और यूएई के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से इजराइली व्यापार और पर्यटन के लिए दुबई का रुख कर रहे है। यूएई सरकार की ओर से हत्या के मामले पर कोई प्रतिक्रिया नही आई है। रविवार की सुबह यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम ने कोगान के लापता होने की बात स्वीकार की, लेकिन यह स्पष्ट रूप से स्वीकार नही किया कि उनके पास इजरायल की नागरिकता है। यूएई ने उन्हें केवल मोल्दोवन बताया था। यूएई के गृह मंत्रालय ने कोगान का लापता और संपर्क से बाहरै बताया था। गृह मंत्रालय ने कहा था, रिपोर्ट मिलने के बाद विशेष अधिकारियों ने तुरंत खोज और जांच अभियान शुरू कर दिया। कोगन की पत्नी रिवकी एक अमेरिकी नागरिक है जो उनके साथ संयुक्त अरब अमीरात में रहती थी। वह रब्बी गैवरियल होल्ट्जबर्ग की भतीजी हैं, जो 2008 के मुंबई हमलों में मारे गए थे।

मैं जलवायु संकट को कर्म और धर्म के नजरिए से देखता हूंः अमिताव घोष

लंदन। प्रसिद्ध लेखक अमिताव घोष को जलवायु परिवर्तन संकट के इर्द–गिर्द अकल्पनीय की कल्पना विषय पर उनके योगदान के लिए मंगलवार को एम्स्टर्डम के रॉयल पैलेस में एक भव्य समारोह में इरास्मस पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। घोष दक्षिण एशिया के पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। घोष का जन्म कोलकाता में हुआ था। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जिसे दशकों से चार्ली चैपलिन और इगमार बर्गमैन जैसे कलाकारों से लेकर ट्रेवर नोआ तक विभिन्न क्षेत्रों की महान हस्तियों को प्रदान किया गया है। प्रीमियम इरास्मियनम फाउंडेशन ने इस पुरस्कार के लिए घोष को चुना है।घोष ने अगले सप्ताह नीदरलैंड में होने वाले पुरस्कार समारोह से पहले पीटीआई के साथ साक्षात्कार में कहा, मैं आशावाद और निराशावाद या आशावाद और निराशा के बीच के इस पूरे द्वैतवाद में बहुत विश्वास नहीं करता। मुझे लगता है कि भारतीय पृष्ठभूमि से होने के नाते मैं इन चीजों के बारे में कर्म और धर्म के संदर्भ में सोचता हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हालात चाहे कैसे भी हों यह हमारा धर्म है कि हम जो भी कर सकते हैं, करें। यह हमारा कर्तव्य है कि हम जो भी कर सकते हैं, करें और उन भयानक व्यवधानों को रोकने की कोशिश करें जो भविष्य में हमारे सामने आने वाले हैं।

ट्रंप के नए कार्यकाल में मस्क, रामास्वामी की टीम बीजिंग के लिए सबसे बड़ा खतराः चीन के सलाहकार

भाषा। बीजिंग

प्रौद्योगिकी जगत के अरबपति एलन मस्क और भारतीय मूल के उद्यमी विवेक रामास्वामी की अध्यक्षता में एक नए विभाग के साथ सरकार में आमूलचूल परिवर्तन की अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना चीन के लिए सबसे बड़ा खतरा होगी, क्योंकि उसे कहीं अधिक कुशल अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। चीन सरकार के एक नीति सलाहकार ने यह टिप्पणी की। चीन के शीर्ष शैक्षणिक और नीति सलाहकार झेंग योंगनियान के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे

कार्यकाल के दौरान चीन के लिए सबसे बड़ा खतरा मस्क और रामास्वामी द्वारा संचालित अमेरिकी सरकार में फेरबदल होगा। हांगकांग के शेनझेन परिसर में चीनी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के डीन झेंग ने शनिवार को इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स (आईआईए) द्वारा आयोजित बाइचुआन फोरम में कहा, एक अधिक कुशल अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली चीन की वर्तमान प्रणाली पर भारी दबाव डालेगी। उन्होंने कहा, बेशक, दबाव सिर्फ चीन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अन्य देशों, खासकर यूरोप तक भी है। ट्रंप ने मस्क और रामास्वामी को नए सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करने के लिए नामित किया। दोनों ने पहले ही हजारों नियमों को खत्म करने और सरकारी कार्यबल के आकार को कम करने की योजना बना ली है। झेंग ने कहा, मध्यम से दीर्घ अवधि में, चीन पर सबसे बड़ा दबाव अमेरिका के भीतर होने वाले बदलावों से आ सकता है।

प्रकृति को बांधे रखने वाले बूढ़े जानवरों को मार रहे मानव

क्या बदलना जरूरी

भाषा। सिडनी

मानवों और अन्य जानवरों में उम्र के बढ़ने को आमतौर पर जैविक गतिविधियों में कमी से जोड़ कर देखा जाता है लेकिन वैज्ञानिकों ने अब पता लगाया है कि बूढ़े जानवर आबादी और पारिस्थितिकी तंत्र में अहम भूमिका निभाते हैं।दुर्भाग्य से बूढ़े जानवर ही इंसानी गतिविधियों का अधिक शिकार होते हैं, जिसमें तस्करी और शिकार दोनों शामिल हैं। और बूढ़े व बुद्धिमान जानवरों को तब महत्व नहीं दिया जाता जब हम जानवरों की आबादी को प्रबंधित करने और जैव विविधता को सुरक्षित रखने के तरीके तलाशते हैं।साइंस में आज प्रकाशित हमारी नई समीक्षा में दुनियाभर से जुटाए सबूतों पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि दीर्घायु संरक्षण नाम के एक नए दृष्टिकोण के पक्ष में तर्क रखा जा सके।बूढ़े व बुद्धिमान जानवरों की कम होती संख्या के प्रतिकूल वैश्विक परिणाम हैं। इसलिए उनके अस्तित्व को प्राथमिकता देने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए। लंबी उम्र के फायदेमछली और

सरीसृप जैसे जानवर बेहद शांत स्वभाव के होते हैं, जो अपनी पूरी जिंदगी बढ़ते रहते हैं। इसका मतलब यह है कि बूढे जानवर, नए जानवरों की तुलना में अधिक लंबे होते हैं।बड़े होने के भी कई फायदे हैं, विशेषरूप से जब भोजन और प्रजनन की बात हो तो।ऐसा व्यापक तौर पर माना जाता है कि मछलियों और कई अन्य सरीसृप जीवों में उम्र के साथ–साथ उनके वंश की संख्या बढ़ती जाती है। लेकिन हाल ही में यह जानकारी सामने आई है कि कुछ मछलियों और समुद्री कछुओं की बूढ़ी माताएं समय बीतने के साथ–साथ कई गुना ज्यादा संतान पैदा करने लगती हैं।उनके बच्चों के बचने की संभावना भी बेहतर हो सकती है। अन्य प्रजातियों में भी बूढ़ी माताओं से पैदा होने वाली संतानों में जीवित रहने की दर ज्यादा हो सकती है। उदाहरण के लिए पक्षियों में बूढ़े माता–पिता और उनके सहायक अक्सर अपने चूजों के लिए ज्यादा भोजन और बेहतर आवास प्रदान करते हैं, जिससे नवजात पक्षियों के बचने की दर में सुधार होता है।उम्र बढ़ने के साथ–साथ आती है समझदारी कुछ जानवर बेहतर निर्णय लेने के लिए अपने जीवनकाल में संचित अनुभव का उपयोग करते हैं। हाथियों में, माताएं और दादी ज्ञान का भंडार होती हैं। इस दादी प्रभाव का पहली बार मनुष्यों में अध्ययन किया गया था और यह व्हेल में भी होता है। वे व्हेल, जो प्रजनन नहीं कर पातीं अपने परिवारों को भोजन खोजने में मदद करती हैं खासकर उन परिस्थितियों में जब खाना ढूंढना दुर्लभ होता है। इससे उन्हें जीवित रहने में मदद मिलती है। प्रजातियों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आधारित इस नए शोध में यह बताया गया कि कैसे वृद्ध व्यक्ति सांस्कृतिक संचरण नाम की प्रक्रिया के माध्यम से अपने ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाता है। वृद्धावस्था के लाभ प्रवासी पक्षियों, शिकार करने वाले मांसाहारी और यहां तक कि मछलियों जैसे जानवरों तक भी फैले हुए हैं।बूढ़े जानवरों के न होने से नुकसान की जांच –हमारे शोध का उद्देश्य बूढ़े जानवरों की पारिस्थितिकी और संरक्षण की समझ तैयार करना था। हमने संबंधित सामग्री को ढूंढा और एक समीक्षा तैयार की। इसके अलावा हमने 9,000 से अधिक समीक्षा पत्रों को समझने के लिए एक मशीन लर्निंग विषय मॉडल का उपयोग किया।अधिकांश शोध में उम्र बढ़ने के नकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया और ए शोध विशेष रूप से मनुष्यों और कम समय तक जीवित रहने वाली मक्खियों पर आधारित थे। फिर भी सामने आए साक्ष्य ए बताते हैं कि कैसे बूढ़े जंगली जानवर आबादी और पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करते हैं। इनमें से कई कार्य लोगों को भी लाभ पहुंचाते हैं लेकिन जैसे–जैसे बूढ़े जानवरों को जंगल से हटा दिया जाता है, वे लाभ खत्म होते जाते हैं।

इमरान खान की पार्टी के प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले इस्लामाबाद में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों द्वारा रविवार को प्रस्तावित विरोध मार्च के मद्देनजर संघीय राजधानी इस्लामाबाद में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की है। प्रमुख सड़कों को सील कर दिया गया है और कुछ इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने जनता से गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए मार्च में शामिल होने का आह्वान किया है। खान की पत्नी बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के नेतृत्व में एक काफिला पेशावर से इस्लामाबाद के लिए रवाना हुआ है।समाचार चैनल जियो न्यूज के मुताबिक, बुशरा बीबी पेशावर से शुरू हुए काफिले का हिस्सा थीं, लेकिन खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे।इससे पहले कहा गया था कि बुशरा बीबी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगी।खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ ने कहा कि बाधाओं को हटाने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शनिवार रात पुलिस ने अवरोधक हटाने वाली मशीनरी पर गोलियां चलाईं और उसे आग लगाने की कोशिश की, लेकिन पीटीआई समर्थकों ने आगजनी की कोशिश को नाकाम कर दिया।सैफ ने कहा कि सरकार के पास उनकी मांगों को पूरा करने के लिए अब भी समय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यहां बांग्लादेश जैसी स्थिति हो सकती है, जहां अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के कारण लंबे समय से प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना की सरकार गिर गई थी।खान की पार्टी ने विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए विभिन्न शहरों से इस्लामाबाद के लिए रवाना हो रहे विभिन्न समूहों की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। संघीय राजधानी में पुलिस किसी को भी शहर में आने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। रावलपिंडी के फैजाबाद क्षेत्र से करीब 16 प्रदर्शनकारियों को तब गिरफ्तार किया गया, जब वे इस्लामाबाद में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। इंटरनेट पर निगरानी करने वाले नेटब्लॉक्स ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान में व्हाट्सऐप को प्रतिबंधित कर दिया गया है। नेटब्लॉक्स ने कहा, लाइव मेट्रिक्स से पता चलता है कि पाकिस्तान में व्हाट्सऐप को प्रतिबंधित कर दिया गया है।

आईपीएल नीलामी में रिकॉर्ड दाम पर बिके पंत व अय्यर

● वेंकटेश को मिले अप्रत्याशित दाम
● लखनऊ सुपर जाइंट्स ने 27 करोड़ में पंत को खरीदा

भाषा। जेद्दा (सऊदी अरब)

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत केकेआर को इस साल खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर को पछाड़कर इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए जिन्हें लखनऊ सुपर जाइंट्स ने यहां रविवार को मेगा नीलामी में 27 करोड़ रूपए में खरीदा लेकिन वेंकटेश अय्यर अप्रत्याशित तौर पर तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। केकेआर को इस साल आईपीएल खिताब दिलाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर 26 करोड़ 75 लाख रूपए में पंजाब किंग्स से जुड़े। पंत के लिए सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ के बीच जमकर होड़ लगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले 20 करोड़ 75 लाख रूपए पर राइट टू मैच का इस्तेमाल किया लेकिन लखनऊ ने आखिरी बोली 27 करोड़ रूपए की लगाई तो दिल्ली टीम पीछे हट गई। केकेआर का हिस्सा रहे वेंकटेश को इसी टीम ने 23 करोड़ 75 लाख रूपए में खरीदा। केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू में उनके लिए होड़ लगी थी। वहीं श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26 करोड़ 75 लाख रूपए में खरीदा। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब के बीच अय्यर को लेकर काफी समय तक होड़ रही लेकिन आखिर में पंजाब ने बाजी मारी। अय्यर ने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा था जिन्हें पिछली नीलामी में केकेआर ने 24 करोड़ 75 लाख रूपए में खरीदा था। स्टार्क को 11 करोड़ 75 लाख में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। अय्यर और पंत दोनों ने पिछले कुछ साल में विषम परिस्थितियों का सामना किया लेकिन जबर्दस्त साहस का परिचय देते हुए वापसी की। पंत दिसंबर 2022 में भयावह कार दुर्घटना के बाद सफल वापसी करने में कामयाब रहे जबकि अय्यर ने बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर किए जाने की निराशा से उबरते हुए केकेआर को तीसरा आईपीएल खिताब दिलाया। अय्यर और पंत 14 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 सत्र में अपनी अपनी टीमों के कप्तान हो सकते हैं। पंजाब किंग्स के नए कोच रिकी पोंटिंग ने कहा , मैंने अभी तक कप्तानी पर श्रेयस से बात नहीं की है। नीलामी से पहले उसे फोन किया था लेकिन उसने उठाया नहीं। वह आईपीएल में सफल कप्तान रहा है और उसके साथ फिर काम करके अच्छा लगेगा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पंजाब ने राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके 18 करोड़ रूपए में खरीदा। सनराइजर्स हैदराबाद ने आखिरी बोली 18 करोड़ रूपए की लगाई थी जिसे आरटीएम के जरिए पंजाब ने मैच किया। चेन्नई सुपर किंग्स ने दो करोड़ की बेसप्राइज पर नीलामी में सबसे पहले उतरे अर्शदीप पर पहली बोली लगाई थी। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को पंजाब किंग्स ने 18 करोड़ रूपए में खरीद लिया। चहल को आईपीएल मेगा नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स ने रिलीज कर दिया था। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने लियाम लिविंगस्टोन ने आठ करोड़ 75 लाख रूपए खर्च किए। भारत के स्टार खिलाड़ियों में केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रूपए में खरीदा। दिल्ली ने चेन्नई सुपर किंग्स से बोली के मुकाबले में बाजी मारी। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को गुजरात टाइटंस ने 12 करोड़ 25 लाख रूपए में खरीदा। फिटनेस समस्याओं के कारण पिछले कुछ समय से भारतीय टीम से बाहर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने दस करोड़ रूपए में खरीदा। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को गुजरात टाइटंस ने 10 करोड़ 75 लाख रूपए में और इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर को 15 करोड़ 75 लाख रूपए में खरीदा। लखनऊ सुपर जाइंट्स ने दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर को साढ़े सात करोड़ रूपए में खरीदा। यह दूसरी बार है कि आईपीएल की नीलामी विदेश में हो रही है। पिछले साल दुबई में नीलामी हुई थी। दूसरे सेट में भारत के अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को चेन्नई सुपर किंग्स ने नौ करोड़ 75 लाख रूपए में खरीदा। डेवोन कॉवे और रचिन रवींद्र को भी चेन्नई ने क्रमश: छह करोड़ 25 लाख रूपए और चार करोड़ रूपए में खरीदा। आस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज जेक फ्रेसर मैकगुर्क को फिर दिल्ली कैपिटल्स ने आरटीएम के जरिए नौ करोड़ रूपए में खरीदा। आईपीएल दिग्गज डेविड वॉर्नर , इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो और भारत के देवदत्त पडिक्कल को कोई खरीदार नहीं मिला।

निडर मानसिकता के साथ खेला, साहसिक फैसले लिए: यशस्वी

भाषा। पर्थ

भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में शानदार शतकीय पारी के लिए निर्भीक मानसिकता और साहसिक फैसले लेने की काबिलियत को अहम बताया। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अपनी दूसरी ही पारी में 161 रन बनाए और केएल राहुल (77 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 201 रन जोड़कर भारत को 533 रन का लक्ष्य देने की नींव रखी। जायसवाल ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह मेरे लिए बहुत विशेष पल था। मैं हमेशा से ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना चाहता था और इसमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। यह पारी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं हमेशा निडर मानसिकता के साथ खेलना चाहता था। मुझे खुद पर भरोसा है और मैं साहसिक फैसले लेता हूं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया में इतने बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेलना एक अद्भुत अनुभव था। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ शतक बनाना बहुत खास है। पहली पारी में आठ गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले जायसवाल ने कहा कि उनका फोकस ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों की नई गेंद के स्पैल के खिलाफ डटे रहने पर था। पहली पारी में विकेट थोड़ा ज्यादा सीम कर रहा था। दूसरी पारी में हम चर्चा कर रहे थे कि नई गेंद को बेहतर तरीके से कैसे खेला जाए, कौन सी गेंद छोड़नी है और कौन सी खेलनी है। इसलिए टीम के लिए यह महत्वपूर्ण था कि मैं नई गेंद को बेहतर तरीके से खेलूं। जायसवाल ने कहा कि उन्होंने दूसरी पारी के लिए छोटा लक्ष्य निर्धारित किया था। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतना बड़ा शतक बना पाऊंगा क्योंकि मेरे लक्ष्य छोटे थे, मैं सत्र दर सत्र पूरा करना चाह रहा था। फिर मैंने (केएल) राहुल भाई के साथ अच्छी साझेदारी की। साझेदारी के दौरान वो मेरा मार्गदर्शन कर रहे थे इसलिए यह मददगार रहा।

केरल, मेघालय व कश्मीर ने संतोष ट्रॉफी के अंतिम दौर के लिए क्वालीफाई किया

कोझिकोड। पूर्व चैम्पियन केरल सहित मेघालय और जम्मू कश्मीर ने रविवार को यहां अपने मुकाबले जीतकर संतोष ट्रॉफी राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के अंतिम दौर के लिए क्वालीफाई किया।केरल ने ग्रुप एच में पुडुचेरी को 7-0 से हराकर अंतिम दौर में प्रवेश किया। सात बार के चैम्पियन ने ग्रुप में सभी मैच जीतकर नौ अंक हासिल किए। ग्रुप ए के मैच मे जम्मू कश्मीर ने लद्दाख को 5-0 से मात देकर संतोष ट्रॉफी के फाइनल दौर के लिए क्वालीफाई किया। पंजाब ने हिमाचल प्रदेश पर 7-0 से जीत दर्ज की। वहीं असम में मेघालय ने ग्रुप ई में मेजबान राज्य से 1-1 से ड्रॉ खेलकर क्वालीफाई किया। ग्रुप के अन्य मैच में अरुणाचल प्रदेश ने नगालैंड को 4-3 से हराकर पहली जीत दर्ज की।

सुल्तानोव ने बोबरोव को हराकर आईटीएफ कलबुर्गी ओपन खिताब जीता

कलबुर्गी (कर्नाटक)। उज्बेकिस्तान के शीर्ष वरीय खुमोयुन सुल्तानोव ने रविवार को यहां रूस के बोगडान बोबरोव को एकतरफा फाइनल में हराकर आईटीएफ कलबुर्गी ओपन खिताब जीत लिया। सुल्तानोव ने पूरे एक घंटे तक चले फाइनल मे बोबरोव को 6-2, 6-1 से मात दी। यह उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी का सत्र का पांचवां और भारत में दूसरा खिताब था। उन्होने साल के शुरू मे चंडीगढ़ मे खिताब जीता था। सुल्तानोव को इस खिताब जीतने के लिए 3,600 डॉलर का चेक और 25 एटीपी रैंकिंग अंक मिले। बोबरोव को 2,120 डॉलर और 16 एटीपी अंक प्राप्त हुए।

सेल्टा विगो ने बार्सीलोना को ड्रॉ पर रोका

बार्सीलोना। सेल्टा विगा ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे बार्सीलोना के खिलाफ स्पेनिश लीग फुटबॉल मैच मे अंतिम मिनटों मे दो गोल दागकर मुकाबले को 2-2 से ड्रॉ कराया। राफिन्हा (15वें मिनट) और रॉबर्ट लेवानदोवस्की (61वें मिनट) के गोल की बदौलत बार्सीलोना की टीम जीत की ओर से बढ़ रही थी लेकिन अंतिम 10 मिनट में मैच का रुख बदल गया। बार्सीलोना के डिफेंसिव मिडफील्डर मार्क कसाड को 81वें मिनट में दूसरी बार पीला कार्ड दिखाकर मैच से बाहर कर दिया गया। बार्सीलोना का एक खिलाड़ी कम होने का फायदा उठाते हुए अल्फोंसो गोंजालेज (84वें मिनट) और ह्युगो अल्वारेज (86वें मिनट) ने दो गोल दागकर सेल्टा विगो को 2-2 बराबरी दिला दी। इस ड्रॉ के बावजूद बार्सीलोना 14 मैच में 34 अंक के साथ शीर्ष पर है। टीम ने दूसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड पर पांच अंक की बढ़त बना रखी है।बार्सीलोना तीसरे स्थान पर मौजूद रीयाल मैड्रिड से सात अंक आगे है लेकिन उसने दो मैच कम खेले हैं।

इंटर मिलान ने वेरोना को 5-0 से हराकर सिरी ए में बढ़त बनाई

रोम। मार्क्स थुराम के दो गोल की मदद से गत चैंपियन इंटर मिलान ने शनिवार को यहां हेलास वेरोना को 5-0 से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में बढ़त बना ली। इंटर ने अंक तालिका के शीर्ष में नेपोली पर दो अंक की बढ़त बना ली है। नेपोली को हालांकि रविवार को रोमा की मेजबानी करनी है और उसके बाद दोबारा शीर्ष पर पहुंचने का मौका होगा। अटलांटा की टीम भी पार्मा को हराकर इंटर के बराबर अंक कर सकती है। एसी मिलान ने भी शनिवार को हुए मुकाबले में यूवेंटस से गोल रहित ड्रॉ खेला।

कोहली को कुछ साबित करने की जरूरत नही है : कपिल

भाषा। मुंबई

पूर्व दिग्गज हरफनमौला कपिल देव ने रविवार को यहां कहा कि विराट कोहली को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है और भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान अद्वितीय है।कोहली ने रविवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में अपना 30वां टेस्ट शतक जड़ा। कोहली (नाबाद 100) और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (161) की शतकीय पारियों ने भारत ने इस मैच में अपना शिकंजा काफी मजबूत कर लिया। ऑस्ट्रेलिया में यह कोहली का सातवां शतक है। वह इसके साथ ही महान सचिन तेंदुलकर (छह शतक) के रिकॉर्ड को पीछे छोडकर इस देश में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले भारतीय बन गए। कपिल ने यहां विश्व समुद्र गोल्डन ईगल गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान पीटीआई से कहा, जिन लोगों को आलोचना करनी है वे आलोचना करेंगे। कोई बड़ा खिलाड़ी अगर वापसी करने में बहुत समय लेता है तो मीडिया ऐसा काम करती है। हमें उसकी क्षमता और प्रतिभा देखनी चाहिए। वह बहुत बड़े खिलाड़ी है। उन्हें किसी को साबित करने की जरूरत नहीं है। उन्हें मुझे या मीडिया के सामने कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा, उसने क्रिकेट के लिए जो किया है वह अद्भुत है। हम सभी को उसे शाबाशी देनी चाहिए। वह अगर बहुत अधिक रन नहीं बनाता है तो भी ठीक है।उन्होंने क्रिकेट को जो दिया है वह अद्वितीय है। उन्होंने जायसवाल की तारीफ करते हुए कहा किसी और खिलाड़ी से इस युवा बल्लेबाजी की तुलना करना बेमानी होगी। उन्होंने कहा, मुझे तुलना करना पसंद नहीं है। मैं बस हमारे युवाओं को बेहतर करते हुए देखना चाहता हूं। नए रिकॉर्ड (हमेशा) बनते रहेंगे। युवाओं के लिए जरूरी है कि वे देश का प्रतिनिधित्व जिम्मेदारी के साथ करें। किसी भी खिलाड़ी की तुलना किसी से न करें। यह अनुचित है, (वे अलग-अलग परिस्थितियों, अलग-अलग युगों में खेलते हैं)। आज के युवा कहीं अधिक समझदार और आत्मविश्वास से लबरेज हैं। उन्होने शानदार तरीके से भारतीय टीम की अगुवाई करने के लिए कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और कहा कि मेहमान टीम ने अब तक उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।बुमराह ने पहली पारी में 30 रन देकर पांच विकेट चटकाकर टीम को 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम महज 104 रन पर आउट हो गई।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी : 150 रन,आस्ट्रेलिया पहली पारी : 104 रन,भारत दूसरी पारीः जायसवाल का स्मिथ बो मार्श 161, राहुल का कैरी बो स्टार्क 77, पडिक्कल का स्मिथ बो हेजलवुड 25, कोहली नाबाद 100, पंत स्टं कैरी बो लियोन 01,जुरेल पगबाधा बो कमिंस 01,सुंदर बो लियोन 29, रेड्डी नाबाद 38, अतिरिक्तः 55, कुलः 134.3 ओवर में छह विकेटः 487 रन (पारी घोषित), विकेट पतनः1-201, 2-275, 3-313, 4-320, 5-321, 6-410, गेंदबाजीः स्टार्क 26-2-111-1, हेजलवुड 21-9-28-1, कमिंस 25-5-86-1, मार्श 12-0-65-1, लियोन 39-5-96-2, लाबुशेन 6.3-0-38-0, हेड 5-0-26-0, **ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारीः** मैकस्वीनी पगबाधा बो बुमराह 00,ख्वाजा नाबाद 03,कमिंस का कोहली बो सिराज 02, लाबुशेन पगबाधा बुमराह 03, अतिरिक्तः 04, कुल योगः (4.2 ओवर मे तीन विकेट पर) 12 रन, विकेट पतनः 0-1, 2-9, 3-12, गेंदबाजीः बुमराह 2.2-1-1-2, सिराज 2-0-7-1

मैं टीम के हित में योगदान देना चाहता था: कोहली ने 30वें शतक के बाद कहा

पर्थ। विराट कोहली ने धैर्य और आक्रमण के शानदार मिश्रण के साथ प्रवाहमय बल्लेबाजी करते हुए रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में पारंपरिक प्रारूप का 30वां शतक पूरा कर महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अपने करियर की ढलान पर चल रहे कोहली ने ऑप्टस स्टेडियम में 143 गेंद में आठ चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। उन्हें इस शतक के लिए लगभग 16 महीने और 15 टेस्ट पारियों का इंतजार करना पड़ा। उन्होंने जुलाई 2023 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ 121 रन बनाए थे।कोहली ने इस शतक के साथ 2018 में इस शहर में खेली गई 123 रन की शानदार पारी की यादें ताजा कर दी। कोहली ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के बाद कहा वह टीम की बेहतरी में अपना योगदान देना चाहते थे।

हमने कोहली के खिलाफ सब-कुछ आजमाया लेकिन कुछ काम ना आया: हेजलवुड

भाषा। पर्थ

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने रविवार को कहा कि उनके गेंदबाजों ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली के खिलाफ दूसरी पारी में स्टंप्स के सामने, ऑफ स्टंप के बाहर और शॉट गेंदों के साथ कुछ और पैंतरे अपनाए लेकिन उनकी कोई भी योजना कारगर नहीं रही। कोहली ने 143 गेंद में नाबाद 100 रन की पारी खेली। भारत ने छह विकेट पर 487 पर अपनी दूसरी पारी घोषित की जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रन का अनुभव जैसा लक्ष्य मिला। भारत ने दिन के समापन से पहले ऑस्ट्रेलिया के 12 रन तक तीन विकेट झटक लिए। हेजलवुड ने माना कि उनकी टीम को इस मैच को बचाने के लिए किसी करिश्मे की जरूरत होगी। हेजलवुड ने दिन के खेल के बाद कहा, हमने कुछ योजनाओं पर काम किया। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। वह शानदार खिलाड़ी है। हमने उसके खिलाफ ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की योजना को काफी देर तक आजमाया। हमने विकेटों को निशाना बनाकर गेंदबाजी की , शॉट गेंदों का इस्तेमाल किया लेकिन उन्हें श्रेय दिया जाना चाहिए।

विश्व चैंपियनशिप बनने की जंग शुरू करेंगे गुकेश और लिरेन

सिंगापुर। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश पर उम्मीदों का बोझ कम है और वह सोमवार से यहां शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे तो उनका लक्ष्य विश्वनाथन आनंद के बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाला पहला भारतीय बनना होगा। अधिकांश शतरंज जगत गुकेश का समर्थन कर रहा है क्योंकि यह 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी चैंपियन बनने वाला धैर्य दिखा चुका है। अब यह देखना होगा कि वह एक पखवाड़े तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान बड़े अवसर के दबाव से कैसे निपटते हैं। शनिवार दोपहर हुई पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को अगर संकेत माना जाए तो दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं लेकिन साथ ही दोनों अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लिरेन ने 2023 में रूस के इयान नेपोमनियाची के खिलाफ उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में जीत के साथ विश्व चैंपियन का ताज पहना था लेकिन तब से चीन का खिलाड़ी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी ग्रस्त रह चुका है और पिछले एक साल में गुकेश की तुलना में बहुत कम प्रतिस्पर्धा की है। हर बाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और अपनी स्थिति के अनुसार सर्वश्रेष्ठ चाल चलना।

गेमर और क्रिएटरों को लोगों ने सिर-आखों लिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ भारत के बढ़ते इनफ्लुएंसर इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभर रही है। अधिक से अधिक लोगों केइंटरनेट और स्मार्ट उपकरणों तक पहुँचने के साथ, शहर ने इस इंडस्ट्री में वृद्धि देखी है, विशेष रूप से मोबाइल गेमिंग और सामग्री निर्माण। अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और तेजीसे बढ़ती आबादी के मिश्रण के कारणए उत्तर प्रदेश ने भारत में मोबाइल गेमिंग को अपनाया है। लखनऊ इसके शीर्ष योगदानकर्ताओं में से एक है, जो राज्य की गेमर आबादी का 36 प्रतिशत है। उद्योग में लखनऊ की बढ़ती भूमिका इसे उन कार्यक्रमों के लिए एक हॉटस्पॉट बनाती है जोदर्शकों को उन लोगों से जोड़ते हैं जो उन्हें प्रभावित करते हैं। फीनिक्स में भारत के शीर्ष 200 क्रिएटरों व गेमरों को देखने के लिए हजारों लोग उपस्थित रहे। गेमिंग उत्साही लोगों और प्रशंसकों को एक साथ लाने के लिए भारत के सबसे बड़े क्रिएटर मीट इवेंट स्टानफेस्ट 2024 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शीर्ष क्रिएटर और उनके प्रशंसकों ने एक उच्च नोट पर समापन किया और लखनऊ को निर्माता समुदाय में नया सितारा बनाया। प्रभावशाली रूप से, उत्तरप्रदेश मोबाइल गेमर्स की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष राज्यों में से एक के रूप में उभरा है और लखनऊ ने महानगरों को पीछे छोड़ते हुए विकास दर के साथ इसमें महत्वपूर्ण भूमिकानिभाई है। प्रमुख आकर्षणों में लोकप्रिय गेमिंग और जीवन शैली निर्माताओं और सोशलमीडिया प्रभावित करने वालों की भागीदारी थी। जैसे आशीष चंचलानी, फुकरा इंसा,अनुराग द्विवेदी, राउंड2हेल, यूके07,मॉर्टल, मिस्टर शायार, चिल गेमर,अरुण महाशेट्टी, तेलुगुगेमिंग एफएफऔर अन्य। इस आयोजन ने प्रशंसकों को अपने पसंदीदा रचनाकारों से मिलने, बातचीत करने, क्षणोंको कैद करने और अविस्मरणीय यादें बनाने में सक्षम बनाया। कार्यक्रम के बारे में बोलते हुएए सह संस्थापक और सीओओ नौमान मुल्ला ने कहा कि लखनऊ से इतना प्यार प्राप्त करना वास्तव में खुशी की बात थी। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने 200 से अधिक बतमंजवते के साथ भारत में सबसे बड़ी निर्माता बैठक काआयोजन किया है जो पहले कभी नहीं देखी गई है। भारत में गेमिंग इंडस्ट्री में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और यह देश के मनोरंजन परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। लखनऊ में उद्योग 2027 तक 8.6 मिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। स्टैनफेस्ट 2024 की सफलता गेमिंग के बढ़ते महत्व को दर्शाती है, जो केवल मनोरंजन के बजाय संपर्क का माध्यम बन गया है। यह निर्माता और प्रभावशाली समुदाय की क्षमता और उनके विशाल प्रशंसक अनुयायियों पर भी प्रकाश डालता है।

लखनऊ में होगा बैडमिंटन के दिग्गज सितारों का महामुकाबला

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन 26 नवंबर से

सिंधु, लक्ष्य सहित देश व विदेश के कई सितारे पेश करेंगे चुनौती

लखनऊ। विश्व चैंपियन और दोहरे ओलंपिक रजत सहित की पदक विजेता पीवी सिंधु, एशियन जूनियर चैंपियन लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी सहित कई भारतीय सितारे सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में आकर्षण का केंद्र होंगे। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशनके तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित चैंपियनशिप के मुकाबले 26 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 गोमती नगर स्थित योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी के कोर्ट पर खेले जाएंगे। इस बारे में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.नवनीत सहगल ने बताया कि इस चैपियनशिप में कुल 2,10,000 अमेरिकी डालर की ईनामी राशि का वितरण होगा। इस चैंपियनशिप में 26 नवंबर को क्वालीफइंग मुकाबले खेले जाएंगे जबकि मुख्य ड्रा के मुकाबले 27 नवंबर से शुरू होंगे। फाइनल मुकाबला एक दिसंबर को खेला जाएगा। चैंपियनशिप में मुख्य ड्रा 32.32 का होगा। इसमें 28 खिलाड़ियों को सीधे इंट्री मिलेगी जबकि जिसमें चार खिलाड़ी क्वालीफायर से मुख्य ड्रा में प्रवेश करेंगे। उन्होंने बताया कि इस चैंपियनशिप में मेजबान भारत सहित 20 देशों के 256 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इसमें सबसे ज्यादा भारत के 163 खिलाड़ी भाग लेंगे। दूसरी ओर चीन के भी 25 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। वहीं मलेशिया के 20 व थाईलैंड के 18 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसके अलावा चैंपियनशिप में मलेशिया, थाईलैंड, चीनी ताइपे, जापान, इंग्लैं, अजरबैजान, श्रीलंकाए हांगकांग, वियतनाम, आयरलैंडए ब्रूनेई,इजरायल, यूएई, सिंगापुर, पोलैंड, अमेरिका, फिनलैंड व म्यांमार के खिलाड़ियों का भी कमाल देखने को मिलेगा।इस चैंपियनशिप में दर्शकों को निरूशुल्क इंट्री मिलेगी वहीं क्वार्टर फाइनलए सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबलों का दूरदर्शन पर सजीव प्रसारण होगा। प्रतिभागी खिलाड़ी तैयारियों की परख के लिए बीबीडी यूपी बैडमिंटन अकादमी सहित केडी सिंह बाबू स्टेडियम और गोमतीनगर विजयंत खंड व विनय खंड मिनी स्टेडियम में अभ्यास कर सकेंगेए जहां उन्हें इसकी सुविधा दी गई है।

क्विक न्यूज

नीतीश ने सभी को चुप कर दिया जो टेस्ट टीम में उनके चयन को लेकर आशंकित थे: प्रसाद

विशाखापत्तनम। चयनकर्ताओं के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एमएसके प्रसाद का मानना है कि नीतीश कुमार रेड्डी के शानदार टी20 प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने को लेकर आशंकाएं थी लेकिन पर्थ में उनकी निर्भिक बल्लेबाजी ने सभी आलोचकों को चुप करा दिया है। प्रसाद ने इस ऑलराउंडर को 12 साल की उम्र से खेलते हुए देखा है। उन्होंने पीटीआई से कहा, हम शुरू में टेस्ट क्रिकेट में उनके जल्दी शामिल होने को लेकर आशंकित थे लेकिन नीतीश ने ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में शानदार शुरुआत करके सभी तरह का संदेह खत्म कर दिया। रेड्डी ने भारत की पहली पारी में 41 रन और दूसरी पारी में 37 रन की तेज पारी खेली। प्रसाद ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, नीतीश कुमार रेड्डी के शानदार पदार्पण को देखकर खुशी हो रही है जो आंध्र क्रिकेट संघ की अकादमियों के माध्यम से व्यवस्थित तैयारी प्रक्रिया के बाद आए है। हमने नीतीश को 12 साल की उम्र में पहचाना जब उसके पिता उसे हमारे पास लाए। पहले दिन से ही वह प्रतिभावान खिलाड़ी लगा। उन्होने बताया कि रेड्डी को किस तरह आंध्र क्रिकेट संघ के प्रतिभा खोज कार्यक्रम से पहचाना गया था। प्रसाद ने कहा, शुरू में वह अंडर-14 अकादमी में था जो उसके गृहनगर से बहुत दूर थी। लेकिन उसके माता-पिता ने उसे सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया और वह हमारी अकादमियों के जरिए लगातार आगे बढ़ता गया। उसने अपने कौशल के दम पर भारत की अंडर-19 टीम में जगह बनाई।

सिनर और बेरेटीनी जीते, ऑस्ट्रेलिया को हराकर इटली डेविस कप फाइनल में

मलागा (स्पेन)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और मातियो बेरेटीनी ने एकल मुकाबले जीते जिससे गत चैपियन इटली ने शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल मे जगह बनाई। सिनर ने दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डि मिनोर को 6-3, 6-4 से हराकर टूर स्तर पर लगातार 24वां एकल मुकाबला जीता। मिनोर के खिलाफ सिनर की नौ मैच मे यह लगातार नौवीं जीत है। बेरेटीनी ने इससे पहले थनासी कोकिनाकिस को 6-7, 6-3, 7-5 से हराकर इटली को विजई शुरुआत दिलाई। सिनर ने मैच के बाद कहा, अगर हम जीत दर्ज नही करते है तो भी फाइनल में दोबारा खेलना शानदार उपलब्धि है। हमने दिखा दिया है कि पिछले साल यह भाग्य की बात नही थी। इटली की टीम रविवार को खिताबी मुकाबले मे नीदरलैंड से भिड़ेगी जिसने पहली बार फाइनल में जगह बनाई है। नीदरलैंड ने क्वार्टर फाइनल में स्पेन को हराने के बाद शुक्रवार को सेमीफाइनल में जर्मनी को शिकस्त दी थी।

टोटेनहैम के खिलाफ 0-4 से हारा मैनचेस्टर सिटी

लंदन। चार बार के गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को शनिवार को यहां टोटेनहैम के खिलाफ प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में 0-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी जो सभी प्रतियोगिताओं में उसकी लगातार पांचवी हार है। इस हार के बाद मैनचेस्टर सिटी की टीम शीर्ष पर चल रहे लीवरपूल से पांच अंक पीछे है। सिटी के 23 जबकि लीवरपूल के 28 अंक है। लीवरपूल ने हालांकि एक मैच कम खेला है।टोटेनहैम की टीम 19 अंक के साथ छठे स्थान पर है। टोटेनहैम की ओर से जेम्स मेडिसन (13वे और 20वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि पेड्रो पोरो (52वें मिनट) और ब्रेनेन जॉनसन (90 प्लस तीन मिनट) ने एक-एक गोल किया।तीसरे स्थान पर काबिज चेल्सी ने लीसेस्टर को 2-1 से हराया जबकि चौथे स्थान पर चल रहे आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की।पांचवे स्थान पर मौजूद ब्राइटन ने बोर्नेमाउथ को 2-1 हराया।

दो भारतीयों के बीच विश्व खिताब के लिए मुकाबले से हैरानी नहीं होगी: स्विडलर

सिंगापुर। रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर ने कहा कि उन्हे निकट भविष्य में विश्व शतरंज चैपियनशिप के खिताब के लिए दो भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करते हुए देखकर आश्चर्य नही होगा क्योंकि इस खेल में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के डी गुकेश सोमवार से शुरू हो रही विश्व चैपियनशिप में मौजूदा चैपियन चीन के डिंग लिरेन का सामना करने के लिए तैयार है। दो भारतीयों के खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर स्विडलर ने शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे से कहा, निश्चित रूप से यह कोई आश्चर्य की बात नही होगी। उन्होने कहा, विश्व चैपियनशिप मैच के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल है।

पुणेरी पलटन ने बंगाल वॉरियर्स को 51-34 से हराया

नोएडा। पुणेरी पलटन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां एकतरफा मैच मे बंगाल वॉरियर्स को 51-34 से हराकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। पुणेरी पलटन ने रेडर मोहित गोयत (नौ अंक), आकाश शिंदे (नौ अंक) और पंकज मोहित (छह अंक) के दमदार खेल से मैच पर दबदबा बनाते हुए बंगाल की टीम को चार बार ऑल आउट किया।

केरल ब्लास्टर्स ने दूसरे हाफ में शानदार खेल से चेन्नइयिन एफसी को 3-0 से हराया

कोच्चि। केरल ब्लास्टर्स एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल मैच के दूसरे हाफ में रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नइयिन एफसी को 3-0 से हराया। केरल की टीम के लिए जीसस जिमेनेज (56वें), नोहा सदौई (70वें) और राहुल केपी (90़2वें मिनट) ने गोल किए। नोहा सदौई को एक गोल करने और एक में सहायता प्रदान करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को शुरुआती झटके दिए

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। जस्टिन ग्रीव्स ने अपने तीसरे ही टेस्ट मे पहला शतक जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को यहां पहली पारी नौ विकेट पर 450 रन बनाकर घोषित की।ग्रीव्स ने नाबाद 115 रन बनाए। इससे पहले टेस्ट क्रिकेट मे उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 33 रन था और 43 प्रथम श्रेणी मुकाबलो मे उन्होने सिर्फ एक शतक जड़ा था। उन्होंने छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 206 गेंद की अपनी पारी मे चार चौके मारे।वेस्टइंडीज की ओर से इससे पहले मिकाइल लुई (97) और एलिक अथानाजे (90) शतक जड़ने से चूक गए।बांग्लादेश की तरफ से हसन महमूद सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 87 रन देकर तीन विकेट चटकाए। तास्किन अहमद और मेहदी हसन मिराज ने क्रमशः 76 और 99 रन देकर दो-दो विकेट हासिल किए। बांग्लादेश ने इसके जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक सलामी बल्लेबाजो महमूदुल हसन जॉय (05) और जाकिर हसन (15) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 40 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने पर शहादत हुसैन 10 जबकि मोमीनुल हक सात रन बनाकर खेल रहे थे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।